THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 157 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.10 2083 रविवार, 6 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

पूर्व विधायक हसन मौलाना पर ईसीआई का बड़ा एक्शन

3 साल के लिए चुनाव लड़ने पर लगाया बैन

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पूर्व विधायक हसन मौलाना पर तीन साल के लिए संसदीय और राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। चुनाव आयोग की यह कार्रवाई इसलिए हुई है क्योंकि 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने चुनावी खर्च का सही और सटीक विवरण जमा नहीं किया था, और यह साबित भी हो गया। दरअसल, 28 अगस्त के निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार मौलाना ने शुरुआती तौर पर 17 लाख रुपये का चुनावी खर्च घोषित किया था। हालांकि, आयोग की जांच में 32 लाख रुपये की अतिरिक्त अघोषित राशि का पता चला।

'अच्छा वक्ता बनने के टिप्स दीजिए'

> प्रधानमंत्री मोदी का शिक्षिका से सवाल, जवाब पर जमकर लगे ठहाके

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों से मुलाकात की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो भी जारी किया। और एक्स अकाउंट पर लिखा कि शिक्षक दिवस शिक्षकों के समाज में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देने का अवसर है। यह दिन भारत के महान शिक्षाविद और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है। आइए, जानते हैं पीएम मोदी ने शिक्षकों से किन-किन मुद्दों पर बात की।

इस दौरान उन्होंने एक शिक्षिका से अपने सार्वजनिक भाषण कौशल को बेहतर बनाने का सुझाव मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि अगर मैं आपका विद्यार्थी होता और एक कुशल वक्ता बनना चाहता, तो आप मुझे क्या सुझाव

> आपको किसी विद्यार्थी के बचपन को मरने नहीं देना चाहिए। बच्चों के जीवन में बचपन को जीवित रखने में सबसे बड़ा योगदान शिक्षक दे सकते हैं। हर व्यक्ति को छात्रों को रचनात्मक गतिविधियों की ओर ले जाने का प्रयास करना चाहिए।
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

देतीं? मुझे क्या करना चाहिए? इस सवाल के जवाब में अध्यापिका ने कहा कि आपको पहले कॉन्फिडेंस होना है। इसके बाद वहां मौजूद सभी शिक्षिक हंसने लगे। इस खुशनुमा माहौल में पीएम मोदी भी हंसने लगे। इसके बाद शिक्षिका ने कहा हंसते हुए कहा कि सर, आपका इतना औरा देखकर मेरा औरा ही डाउन हो गया। इसके बाद पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि यानी आपको पब्लिक स्पीकर होना है तो आपके अंदर औरा नहीं होना चाहिए।

फिर शिक्षिका ने कहा, 'नहीं, औरा होना चाहिए सर।' फिर पीएम मोदी ने कहा, 'औरा होगा तो लोग आपको सुनेंगे ही नहीं, औरा ही देखते रह जाएंगे।' इसके जवाब में शिक्षिका ने कहा, 'सर आपको तो लोग देखते ही रहेंगे।' इसके बाद शिक्षिका ने कहा कि अच्छी बोलने की क्षमता केवल जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि इसे अभ्यास से बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने आत्मविश्वास को सबसे पहली जरूरत बताया और कहा कि लगातार अभ्यास करने से आत्मविश्वास आता है।

प्रधानमंत्री ने इस जवाब को शिक्षकों के साथ अपनी बातचीत का हिस्सा बनाया। इसके बाद उन्होंने बच्चों और शिक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने खास तौर पर बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जताई और कहा कि यह अब एक तरह की लत बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों को नशे के खतरे और उसके बुरे प्रभावों के बारे में जागरूक करें।

खड़गे 'शुद्धिकरण' मामले में भाजपा नेताओं पर एफआईआर

बेंगलुरु, 5 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और पार्टी के अन्य सदस्यों के खिलाफ बेंगलुरु में दर्ज की गई एफआईआर को उत्तराखंड जांच के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। यह मामला एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की राज्य यात्रा के बाद एक सार्वजनिक मैदान में किए गए शुद्धिकरण अनुष्ठान से संबंधित है। पुलिस ने शनिवार को इस हालिया कदम के बारे में जानकारी दी। आदिवासी कांग्रेस के अनुसूचित जनजाति विभाग प्रकोष्ठ के पूर्व उपाध्यक्ष टी.आर. रामप्पा द्वारा दायर शिकायत के आधार पर विधान सौधा पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में कहा गया है कि 8 अगस्त को खड़गे द्वारा नैनीताल जिले के रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद वहां 'शुद्धिकरण' नामक एक अनुष्ठान किया गया था।

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा पर एफआईआर

फर्जी नेटवर्थ दिखाकर 1,322 करोड़ रुपये के लोन लेने का आरोप, एलआईसी ने सीबीआई से शिकायत की

2नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा सहित चार लोगों के खिलाफ 1,322 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शिकायत पर की गई है।

एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने फर्जी नेटवर्थ सर्टिफिकेट जमा करके अपनी कंपनियों के लिए लोन लिया। बाद में नेटवर्थ सर्टिफिकेट से मुकर गए। सीबीआई ने सुभाष चंद्रा के अलावा पंकज सुरोलिया, अमिश पांड्या और राजीव ढोलकिया पर केस दर्ज किया है। चारों पर 2018 से 2026 के बीच धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। सुभाष चंद्रा जी मीडिया

के मालिक एस्सेल ग्रुप के हेड हैं और जी एंटरटेनमेंट के पूर्व चेयरमैन हैं। एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने साल 2018 में 'मेसर्स वसंत सागर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड' और अपनी अन्य कंपनियों के लिए लोन लिया था। लोन मंजूर कराने के लिए उन्होंने एक 'नेटवर्थ सर्टिफिकेट' जमा किया था, जिसमें उनकी व्यक्तिगत कुल संपत्ति 59,113 करोड़ रुपये दर्शाई गई थी। इस भारी-भरकम नेटवर्थ को आधार बनाकर एलआईसी एचएफएल ने उनकी कंपनियों को 1,322 करोड़ रुपये से ज्यादा का लोन दिया था।

जब एस्सेल ग्रुप की कंपनियां कर्ज नहीं चुका सकीं, तो सुभाष चंद्रा के खिलाफ दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई शुरू की गई।

लोकल सिम कार्ड से दुश्मन देश के लिए जासूसी

जियो-टैगिंग वाली तस्वीरें-वीडियो भेजे, 13 के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। एनआईए ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश की स्पेशल एनआईए कोर्ट में 13 आरोपियों प्रवीण, राज वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि, ऋतिक गंगवार, समीर उर्फ शूटर, दुर्गेश निषाद, नौशाद, गगन कुमार, विवेक, शिवराज, मीरा ठाकुर और शेन इरम उर्फ महक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

इस केस में पांच नाबालिगों के खिलाफ विस्तृत जांच रिपोर्ट (डीआईआर) पहले ही 18 मई को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड गाज़ियाबाद के समक्ष पेश की जा चुकी है। यह मामला शुरू में कौशांबी पुलिस स्टेशन, कमिश्नरेट गाजियाबाद में एफआईआर नंबर 76/2026 (दिनांक 14 मार्च 2026) के तौर पर दर्ज किया गया था। इसे बीएनएस की धारा 61(2) और 152 तथा ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट की धारा 3 और 5 के तहत दर्ज किया गया था। जांच के दौरान, पुलिस ने इसमें यूए (पी) एक्ट की धारा 18 भी जोड़ी। अब तक इस मामले में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एनआईए की जांच से यह साबित हुआ है कि आरोपियों ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ गैर-कानूनी काम और गंभीर अपराध करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। आरोपियों ने गैर-कानूनी तरीके से बेहद अहम और प्रतिबंधित/संवेदनशील इलाकों में घुसपैठ की। उन्होंने वहां तक न केवल पहुंच बनाई, बल्कि जासूसी वाले कैमरे भी लगा दिए।

बंगाल में पढ़ाई जाएगी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका

कोलकाता, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को बड़ा एलान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य के स्कूलों के पाठ्यक्रम में भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणबानंद के योगदान को शामिल किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने कहा कि दोनों की भूमिका पश्चिम बंगाल के गठन में अहम रही थी। विभाजन के दौरान दोनों ने करोड़ों हिंदुओं की जान बचाने में भी भूमिका निभाई।

मीडिया में विश्वसनीयता का संकट : नितिन गडकरी

नागपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को मीडिया की विश्वसनीयता पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका के साथ स्वतंत्र मीडिया भी जरूरी है।

गडकरी आईआईएम नागपुर केमीडिया कॉन्क्लेव 2026 में बोल रहे थे। कार्यक्रम का विषय 'मीडिया, नेतृत्व और नई विश्व व्यवस्था' था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चार प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया हैं। इन

> साख का संकट राजनीति सहित सभी क्षेत्रों में है, लेकिन मीडिया में यह सबसे बड़ा है। 21वीं सदी में साख और ईमानदारी ही सबसे बड़ी पूंजी है, जिन्हें इसकी रक्षा करनी है उन्हें मार्केटिंग की जरूरत नहीं।
>
> नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

संस्थानों की भूमिका लोकतंत्र के विकास में बेहद अहम है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आज सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता कम हुई है, लेकिन मीडिया क्षेत्र में यह संकट सबसे ज्यादा गंभीर है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सभी मीडिया संस्थानों ने अपनी साख नहीं खोई है। उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता, अच्छी छवि और ईमानदारी 21वीं सदी की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने मीडिया से अपनी खोई विश्वसनीयता वापस हासिल करने के लिए गंभीरता से सोचने की अपील की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पहले समाचार पत्र और मीडिया घराने यह दावा करते थे कि वे तय करेंगे कि चुनाव कौन जीतेगा, लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से यह पूरा ट्रेंड बदल चुका है। अब पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी और ज्यादा गंभीरता से समझनी होगी।

स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलवाया

चेन्नई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 48 साल के अरुमुगम को गिरफ्तार किया है। वह स्कूल की रसोइया का पति है। वह अपनी पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था। मामला सत्यमंगलम के पास रामापयलूर के सरकारी मिडिल स्कूल का है, जहां 51 बच्चे पढ़ते हैं।

जांच में पता चला कि पाउडर सिर्फ टीचरों के लिए अलग रखे गए सांभर में मिला था, बच्चों को परोसे जाने वाले खाने में नहीं। 31 अगस्त को स्कूल की शिक्षिका रेवती ने नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर को चखकर देखा। उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगा। उन्होंने हेडमिस्ट्रेस कुमुधा को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सत्यमंगलम ब्लॉक विकास अधिकारी की सलाह पर हेडमिस्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत की।जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गोबर पाउडर सिर्फ टीचर्स के लिए रखे गए सांभर के सैंपल में मिला था। >14

ऑपरेशन अशदर में ढेर आतंकी की हुई पहचान

लश्कर-ए-ताइबा से था कनेक्शन, पाकिस्तानी नागरिक निकला यासिर

श्रीनगर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन अशदर के दौरान सुरक्षाबलों ने जिस आतंकी को मार गिराया था, उसकी पहचान यासिर के रूप में हुई है। यासिर पाकिस्तान का नागरिक था और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़ा हुआ था। सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन अशदर के तहत कार्रवाई करते हुए आतंकी को मार गिराया। उसकी पहचान सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां उसके नेटवर्क और गतिविधियों से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाने में लगी हैं।

आतंकी नेटवर्क पर सुरक्षा बलों की नजर

इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की मुहिम में अहम सफलता माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां इलाके में सक्रिय आतंकी नेटवर्क और उनके मददगारों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पिछले दो दिनों से चल रहा आतंकवाद के खिलाफ अभियान में सुरक्षाबलों को मध्य कश्मीर के

बडगाम जिले के यूसमर्ग में शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली। सेना और पुलिस ने अशदर गली के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में जारी मुठभेड़ के दूसरे दिन ऑपरेशन अशदर के तहत एक आतंकी को मार गिराया। उसके कब्जे से एके-47 राइफल और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई है। सुरक्षाबलों को इलाके में चार से पांच और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

जंगल व पहाड़ी क्षेत्र में उनकी तलाश के लिए घेराबंदी जारी है। सेना की चिनार कोर के अनुसार, सटीक खुफिया सूचना पर अशदर गली क्षेत्र में आतंकियों की तलाश के लिए संयुक्त अभियान चलाया जा रहा था।यह क्षेत्र यूसमर्ग के दूधपथरी से करीब आठ घंटे की कठिन पैदल चढ़ाई वाला है। सेना की 53 राष्ट्रीय राइफल्स, 10 पैरा कमांडो, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीमें बुधवार से ही इस इलाके में आतंकियों की तलाश में जुटी थीं।

वीरवार को जंगल में संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर जवानों ने आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। इसके जवाब में आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों पक्षों के बीच भीषण गोलीबारी के बाद आतंकी घने जंगल में छिप गए। शुक्रवार सुबह अभियान दोबारा तेज किया गया और मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। मारे गए आतंकी की अभी पहचान नहीं हो पाई है। सूत्रों के अनुसार, उसके पाकिस्तानी होने की आशंका है। >14

शिक्षक दिवस : अमित शाह समेत कई नेताओं ने डॉ.राधाकृष्णन को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद, आदर्श शिक्षक, 'भारत रत्न' डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्रियों और नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि मैं उन शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने ज्ञान की खोज में छात्रों की पीढ़ियों का मार्गदर्शन करके भारत की निरंतर प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'शिक्षक दिवस पर मैं उन शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने ज्ञान की खोज में छात्रों की पीढ़ियों का मार्गदर्शन कर भारत की निरंतर प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। साथ ही मैं दार्शनिक और राजनेता भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनको उनकी जयंती पर नमन करता हूं।

'ये सरकार की पूर्ण विफलता'

मध्य प्रदेश के बालाघाट में बच्चों की मौत पर राहुल गांधी

बालाघाट, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश स्थित बालाघाट के बैहर-बिरसा क्षेत्र में मलेरिया और मौसमी बीमारियों से हुई तीस बच्चों की मौत पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दुख जताया है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बालाघाट, मध्य प्रदेश में 30 आदिवासी बच्चों की मृत्यु की खबर बेहद चिंताजनक और पीड़ादायक है। इस घातक बीमारी के साथ पीने के पानी, पोषण, और समय पर इलाज जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव बच्चों की जान ले रहा है। उन्होंने कहा कि ये सरकार की पूर्ण विफलता है। मुख्यमंत्री स्वयं इसका समाधान करें और क्षेत्र में तत्काल जांच, इलाज और राहत उपलब्ध कराएं। बच्चों की जिंदगी से समझौता नहीं हो सकता। बैगा आदिवासी ग्राम अतरिया

आरामटोला निवासी 10 वर्षीय गजेंद्र मरकाम की गुरुवार 3 सितंबर को मौत हो गई थी। शुरुआती जानकारी में बच्चे की तबीयत खराब होने और मलेरिया से पीड़ित होनी की बात सामने आई थी।

हालांकि मौत के वास्तविक कारण की आधिकारिक पुष्टि स्वास्थ्य विभाग की जांच और मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही होगी। इसके साथ ही क्षेत्र में मृतकों की संख्या 29 से बढ़कर 30 हो गई है। आदिवासी बाहुल्य इस क्षेत्र में लगातार हो रही मौतों की वजह से ग्रामीणों के बीच खौफ का माहौल है। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतक बच्चों के परिजनों के दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा की राज्य सरकार के हालात संभालने के तरीके पर निशाना साधा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार मौतों के बारे में तथ्य छिपा रही है और मरने वालों की असल संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। बिरसा ब्लॉक के कुंडेक्सा, कोरका और बोंडारी गांवों में घर-घर जाकर किए गए हेल्थ सर्वे में मलेरिया, दस्त, रैशेज (चकत्ते) के साथ बुखार और त्वचा की बीमारियों के कुल 798 मामले सामने आए। रविवार तक की सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, 320 लोग मलेरिया, 155 दस्त, 146 शरीर पर रैशेज के साथ बुखार और 177 त्वचा की बीमारियों से पीड़ित पाए गए।

भारत अब आत्मविश्वास से भरा हुआ है : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत अब आत्मविश्वास से भरा हुआ है और अपनी विरासत का अध्ययन करने एवं उसे समझने के लिए किसी और की अनुमति का इंतजार नहीं करता है। साथ ही, उन्होंने देश के बौद्धिक इतिहास को समझने के लिए अधिक व्यापक और कठोर दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय राजधानी में एफआईएचसीआर वार्षिक इतिहास पुरस्कार समारोह और डॉ. एसएल भैरप्पा स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत अपने शिलालेखों का फिर से अध्ययन कर रहा है, अपने समुद्री व्यापार के इतिहास को समझ रहा है और गणित के क्षेत्र में अपने योगदान की ओर लौट रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रक्रिया ही विऔपनिवेशीकरण का सार होनी चाहिए, जिसका मतलब केवल एक निर्धारित पाठ्यपुस्तक को दूसरी पाठ्यपुस्तक से बदल देना नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा, इसका मतलब व्यापक अभिलेखागार, अधिक भाषाएं, कठिन सवाल और ऐसे विद्वानों का कहीं बड़ा दायरा होना चाहिए, जिनकी बात वास्तव में सुनी जाए। कन्नड़ लेखक और विचारक डॉ. एसएल भैरप्पा के योगदान पर विचार करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी अपने अनुयायियों की सेना खड़ी करने की कोशिश नहीं की, बल्कि इस बात पर ध्यान दिया कि इंसान सत्य को देखने और समझने के अपने तरीके को कैसे बेहतर बना सकता है।

नेपाल त्रासदी के बीच चमत्कार

10 दिन से मलबे में फंसी 60 साल की महिला निकली जिंदा

काठमांडो, 5 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में आपदा के करीब 10-11 दिन बाद राहत और बचाव अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। बेट्रावती में आपदा से दबे एक घर के अंदर फंसी 60 साल की महिला को नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल ने जिंदा और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। महिला इतने दिनों तक मलबे के अंदर फंसी रही। बचाव दल ने बेहद कठिन हालात के बीच अभियान चलाकर उन्हें बाहर निकाला।

इस घटना ने एक बार फिर उम्मीद जगाई है कि मलबे में फंसे अन्य लोगों को भी सुरक्षित खोजा जा सकता है। महिला को बचाने के दौरान नेपाल के सुरक्षा जवानों और बचाव दल के सामने बेहद मुश्किल परिस्थितियां थीं। इसके बावजूद सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर अभियान जारी रखा।

निष्ठावान शिक्षक अग्रणी पंक्ति के राष्ट्र निर्माता : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। शिक्षक दिवस के मौके पर शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 48 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में पुरस्कार विजेता शिक्षकों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि निष्ठावान शिक्षक अग्रणी पंक्ति के राष्ट्र निर्माता होते हैं। राष्ट्रपति ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाकर हमारे देशवासी उनके और समस्त शिक्षक समुदाय के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं।

जो समाज शिक्षकों का सम्मान करता है, वह वास्तव में प्रगतिशील होता है। राष्ट्रपति ने कहा, शिक्षकों के बीच आकर मेरे अंदर विद्यमान शिक्षक और विद्यार्थी जीवंत हो जाता है। मुझे अपने शिक्षकों का स्मरण होता है। शिक्षकों के स्नेह और मार्गदर्शन की वजह से अपनी जीवन यात्रा में आगे आ पाई हूं। मुझे अपने विद्यार्थी भी याद आते हैं, जिन्हें ओडिशा के स्कूल में पढ़ाया था। मैंने अपने विद्यार्थियों से भी बहुत कुछ सीखा है। विद्यार्थियों के प्यार को मैं अपने जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि मानती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा, सावित्री बाई फुले आधुनिक युग में विद्यालयों में पढ़ाने वाली भारत की पहली शिक्षिका के रूप में जानी जाती हैं। बालिकाओं की शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने क्रांतिकारी पहल की थी और 19वीं सदी में बालिका विद्यालयों की स्थापना की थी। आज के दिन मैं सावित्री बाई फुले को नमन करती हूं। 20वीं सदी के आरंभ में पश्चिम बंगाल के बोलपुर में रविंद्रनाथ टैगोर ने शांति निकेतन और ओडिशा के पुरी जिले में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी पंडित उत्कमण मणि ने एक स्कूल की स्थापना की थी। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे का उद्देश्य था कि प्रकृति के संरक्षण में विद्यार्थियों का सतत विकास होता है।

सीबीआई-ईडी पर बोले चिदंबरम

तोता कभी बन जाता है पिटबुल; फरवरी 2027 तक रहेगा अल नीनो का असर

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों को और अधिकार तथा आजादी देने के विचार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई, ईडी को अगर और अधिकार दिए गए तो देश में भारी गड़बड़ी मच जाएगी।

सीबीआई और ईडी ने अपने वैध अधिकार क्षेत्र से कहीं अधिक काम किया है। वे खुद ही कानून बन गए हैं। निगरानी की कमी के कारण पिंजरे में बंद तोता कभी-कभी पिटबुल बन जाता है। उन्होंने कहा कि सीबीआई में बेहतरीन अधिकारी होते हैं और राज्यों में बेहतर काम करते हैं। इनमें से ज्यादातर राज्यों से प्रतिनियुक्ति पर आते हैं। पता नहीं, वे केंद्र में आकर खराब अधिकारी क्यों बन जाते हैं। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी दी है कि अल नीनो फरवरी 2027 तक सक्रिय रह सकता है। इससे भारत में तापमान बढ़ने और मानसूनी बारिश कम होने के आसार हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अल नीनो के प्रभाव से अगस्त में बारिश 16% कम रही और यह रिकॉर्ड सबसे गर्म अगस्त रहा। सितंबर में बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है। जलवायु विशेषज्ञों का कहना है कि इससे उत्तर भारत में सर्दियों का मौसम छोटा हो सकता है और रबी की फसलों पर गर्मी का संकट बढ़ सकता है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट को बताया है कि मार्च में मिजोरम सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वान डाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों का संबंध म्यांमार में एक यात्री विमान पर हुए ड्रोन हमले से होने का आरोप है। एनआईए के मुताबिक समूह भारत में आतंकी गतिविधियों की साजिश भी रच रहा था।

फर्जी आईएएस तृप्ति ने एआई से तैयार कराए जॉइनिंग लेटर:भाई के साथ नौकरी के नाम पर की ठगी टूरिस्ट गाइड से भी लिए 3 लाख

भोपाल, 5 सितंबर (एजेंसियां)। फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह मामले की जांच में एक और अहम खुलासा हुआ है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि तृप्ति और उसके भाई सुधांशु नौकरी के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। उनके लिए फर्जी जॉइनिंग लेटर और दस्तावेज साथी प्रखर तैयार करता था। प्रखर इन दस्तावेजों को तैयार करने में एआई की मदद लेता था। चंदेरी पुलिस ने प्रखर को लखनऊ से गिरफ्तार कर उसका लैपटॉप जब्त किया है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया था। पुलिस को अनुमान है कि प्रखर के लैपटॉप और दूसरे डिजिटल डिवाइस की जांच से फर्जी दस्तावेज तैयार करने के तरीके और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सकती है। इधर, आरोपी भाई-बहन तृप्ति और सुधांशु को 3 सितंबर को भोपाल की बाग सेवनिया पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर लाई है।

गृहमंत्री शाह की बैठक फिर टली

चंडीगढ़ के मुद्दे अटके; मेयर के कार्यकाल पर अगले महीने फैसला संभावित

चंडीगढ़, 5 सितंबर (एजेंसियां)। शहर के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों की उम्मीद एक बार फिर टल गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में वीरवार को दिल्ली में प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई। इस बैठक में प्रशासन के मुख्य सचिव सहित अन्य आला अधिकारी शामिल होने वाले थे। अब अगले महीने बैठक होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे मास्टर प्लान-2031 में बदलाव, पुनर्वास कॉलोनियों के अलॉटिज को मालिकाना हक, लीजहोल्ड व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों को फ्रीहोल्ड करने तथा मेयर का कार्यकाल बढ़ाने जैसे मुद्दे फिर से लटक गए हैं।

यह ध्यान देने योग्य है कि इन प्रस्तावों पर चर्चा के लिए पहले भी बैठक प्रस्तावित हुई थी, लेकिन वह भी स्थगित हो गई थी। दूसरी बार बैठक टलने से शहरवासियों और

संबंधित वर्गों की उम्मीदों को झटका लगा है। लंबे समय से लंबित मामलों पर निर्णय न होने से इनका समाधान भी लटकता जा रहा है। मास्टर प्लान में प्रस्तावित बदलावों के तहत चिह्नित परिधीय और फेज-3 क्षेत्रों में एफएआर 3.0 करने, चयनित क्षेत्रों में 30 मीटर तक ऊंची इमारतों की अनुमति और औद्योगिक प्लॉटों के विभाजन जैसे प्रस्ताव शामिल हैं।

फ्रीहोल्ड प्रस्ताव से करोड़ों रुपये की संपत्तियों के अनलॉक होने की उम्मीद है। वहीं, पुनर्वास कॉलोनियों के अलॉटीज को स्थायी मालिकाना हक देने और मेयर का कार्यकाल एक वर्ष से बढ़ाकर ढाई वर्ष करने के प्रस्ताव पर भी निर्णय होना है।

नगर निगम चुनाव प्रक्रिया के नजदीक होने के कारण मेयर के कार्यकाल से जुड़ा निर्णय विशेष महत्व रखता है। प्रशासन की ओर से इन प्रस्तावों पर गृह मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुति दी जानी है। अब सभी की नजर अगले महीने प्रस्तावित बैठक पर है। यदि बैठक फिर टलती है, तो लंबित मुद्दों पर फैसले की प्रक्रिया और लंबी हो सकती है।

सांसद कंगना रणौत ने विकास कार्यों में देरी पर अधिकारियों की लगाई क्लास

मंडी, 5 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना रणौत ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बैठकें केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित न रहें। पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों और सुझावों पर अब तक अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि योजनाओं को कागजों से निकालकर जमीन पर उतारना अनिवार्य है, तभी वास्तविक समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को कार्य में देरी पर कड़ी फटकार लगाई। केंद्र से राशि मिलने के बावजूद भू-अधिग्रहण, अनुमतियों और एनओसी के अभाव में अटके विकास कार्यों पर सांसद ने तीखे सवाल किए।

उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यों की प्रगति के आधार पर उनकी अलग-अलग सूचियां तैयार की जाएं। साथ ही, प्रत्येक लंबित मामले के लिए एक समयबद्ध एक्शन प्लान बनाने को कहा ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौन सा कार्य किस चरण में लंबित है। कंगना ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि मंडी संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों पर पूरे देश की नजर है, इसलिए विभागों की लापरवाही से कोई नकारात्मक संदेश नहीं जाना चाहिए। केवल यह कहना काफी नहीं है कि राशि वापसी के निर्देश दे दिए गए हैं, जब तक पैसा सरकारी खाते में नहीं लौटता, कार्य अधूरा माना जाएगा।

जाह्नवी कपूर की तस्वीर-नाम के गलत इस्तेमाल पर दिल्ली एचसी सख्त

कहा- 6884 यूआरएल पर एक साथ नहीं हो सकती कार्रवाई

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेट पर अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के नाम, तस्वीर और पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल से जुड़े मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने व्यापक कानूनी सवालों की जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता गौतम भाटिया को न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) नियुक्त किया है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने तीन सितंबर को यह नियुक्ति की। मामले में जाह्नवी कपूर ने अपनी पहचान के दुरुपयोग को लेकर याचिका दायर की है।

याचिका में इंटरनेट पर उनके नाम और छवि के इस्तेमाल के साथ अश्लील एवं आपत्तिजनक सामग्री, उनकी पहचान की नकल करने और व्यावसायिक लाभ के लिए उनकी लोकप्रियता का इस्तेमाल किए जाने का मुद्दा उठाया गया है। याचिका में अभिनेत्री की ओर से 6,884 यूआरएल की पहचान की गई है। हालांकि, हाईकोर्ट ने सभी लिंक को एक साथ हटाने के लिए व्यापक आदेश देने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। अदालत अब सामग्री की प्रकृति और उसके इस्तेमाल के उद्देश्य के आधार पर इन लिंक को अलग-अलग श्रेणियों में देख रही है।

पुलिस ने लौटाए 2 करोड़ से अधिक कीमत के 1,920 चोरी हुए मोबाइल, चेहरे पर लौटी मुस्कान

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी स्नेचिंग सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों (1 जनवरी से 31 अगस्त) के दौरान 1,920 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए हैं। बरामद किए गए इन सभी फोनों की अनुमानित कीमत 2 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

तकनीकी निगरानी और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए पुलिस टीम ने सिर्फ जुलाई और अगस्त 2026 के महीनों में ही 702 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ढूंढ निकाले। इनमें से 534 फोन तुरंत उनके मालिकों को लौटा भी दिए गए हैं, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। यह पूरा रिकवरी अभियान एसीपी संदीप घई की देखरेख और इंस्पेक्टर हरी सिंह के नेतृत्व में चलाया गया।

केरल में एनएच-66 पर खड़ी लॉरी से टकराई कार तमिलनाडु के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

त्रिशूर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर में भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तमिलनाडु के इंजीनियरिंग कॉलेज के आठ छात्रों की मौत हो गई। छात्र जिस कार में यात्रा कर रहे थे, वह दर रात त्रिशूर जिले के कैपामंगलम में नेशनल हाईवे 66 पर खड़े एक मालवाहक ट्रक से टकरा गई। यह हादसा नेशनल हाईवे के उस हिस्से पर हुआ जहां निर्माण कार्य चल रहा है। यहां एक लॉरी हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए डायवर्जन के पास खड़ी थी। इस लॉरी में तमिलनाडु नंबर वाली कार पीछे से आकर टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार 8 लोग अंदर ही फंस गए।

हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। पीड़ितों को बाहर निकालने के लिए क्षतिग्रस्त वाहन को काटना पड़ा। माना जा रहा है कि कार में सवार सात लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक अन्य पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इसके बाद पुलिस और आपातकालीन कर्मियों ने शवों को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया। हादसे का शिकार हुए लोग तमिलनाडु के डिंडीगुल में पीएसएनए इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। मारे गए पांच लोगों की पहचान अभी तक हुई है। जिनमें सलेम के 20 साल के विश्व, डिंडीगुल के 20 साल के सूर्या और 20 साल के युवासंजीत, मदुरै के 20 साल के संतोष और प्रसन्ना हैं।

अधिकारी बाकी तीन पीड़ितों की पहचान करने और उनके रिश्तेदारों को सूचित करने की कोशिश कर रहे थे। कार के खड़ी लॉरी से टकराने की वजहों की जांच की जा रही है। हाईवे निर्माण वाले हिस्से में डायवर्जन के पास खड़ी गाड़ी का वहां होना भी जांच का हिस्सा हो सकता है। सूचना मिलने के तुरंत बाद कैपामंगलम पुलिस स्टेशन के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

बाइक खाई में गिरने से एक ही गांव के 3 युवकों की मौत

शाहपुर (कांगड़ा), 5 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में एक दर्दनाक हादसे में तीन युवाओं की मौत हो गई। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दरीणी पंचायत के चनैना गांव के तीन युवा हादसे का शिकार हुए हैं। भलेड़ पावर हाउस के समीप देर रात मोटरसाइकिल खाई में जा गिरा। मृतकों की पहचान अशोक कुमार, प्रिंस तथा पवन कुमार के रूप में हुई है। इस दुखद हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है। हादसे के बाद क्षेत्र में मातम पसर गया है। जवान बेटों की मौत से परिवार के सदस्य सदमे में हैं। वहीं, जिसे भी हादसे की सूचना मिली वह घटनास्थल व पीड़ितों के घर पहुंच गया। हादसे की सूचना मिलते ही उप मुख्य सचेतक एवं शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया सिविल अस्पताल शाहपुर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

आरएसएस के स्कूल खोलने पर संजय राउत का तंज, बोले- 'शिक्षा सरकार का काम'

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूटीबी) नेता और सांसद संजय राउत ने आरएसएस के शिक्षा संगठन विद्या भारती द्वारा स्कूल खोलने और शिक्षा को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, क्या आरएसएस स्कूल खोलेगा? वे टीचर कहां से लाएंगे? क्या भागवत जी अमेरिका और इंग्लैंड गए हैं ताकि आप वहां इंटरनेशनल स्कूल खोलने के लिए टीचर भेज सकें? क्या वहां सरकारी स्कूल नहीं खुल रहे हैं? यह आरएसएस का काम नहीं है। यह केंद्र सरकार और राज्य सरकार का काम है। संजय राउत ने आगे कहा, चूंकि राज्य सरकार और केंद्र सरकार शिक्षा और स्कूलों के मामले में पूरी तरह से फेल हो गई हैं, इसलिए आरएसएस बंगाल से अपना सिलेबस और एजुकेशन सिस्टम शुरू कर रहा है। तो, बंगाल में कई चीजें पहले ही हो चुकी हैं। आरएसएस को अब थोड़ी स्टडी करने की ज़रूरत है।

यह आरएसएस का काम नहीं है। यह किसी और का भी काम नहीं है। यह सरकार का काम है। यहां बता दें कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की थी कि राज्य में विद्या भारती से जुड़े कम से कम एक हजार

स्कूल खोलने का लक्ष्य रखा गया है। अभी बंगाल में 313 स्कोल चल रहे हैं। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद इस पर राजनीतिक टीका-टिप्पणी शुरू हो चुकी है। इसी पर संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्कूल और शिक्षा राज्य का विषय है न कि आरएसएस या किसी और संस्था का।

संजय राउत ने इसके साथ ही जेल में खुद की या जो राजनेता विपक्ष के हैं उनकी जान को खतरा बताया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने उनको इस संबंध में आगाह किया था। जेल में किसी को भी कुछ भी मिलाकर देने की पूरी संभावना है। खासकर मेरे जैसे लोग जो सरकार के खिलाफ आंदोलन करते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं।

कर्ज का ब्याज नहीं चुकाया तो महिला को अगवा कर पीटा, दो दिन बंधक बनाया; निर्वस्त्र कर बनाया वीडियो

बंगलूरू, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू में कर्ज का पैसा और ब्याज नहीं चुकाने को लेकर 30 वर्षीय महिला को कथित तौर पर अगवा करने और उसके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। आरोप है कि महिला को दो दिन तक एक घर में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान उसे निर्वस्त्र कर उसका वीडियो भी बनाया। साथ ही कथित तौर पर धमकाया गया कि अगर रकम नहीं चुकाई तो उसका निजी वीडियो प्रसारित कर दिया जाएगा। घटना 27 से 31 अगस्त के बीच चंद्रा लेआउट थाना क्षेत्र में हुई। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने नजाथ से 50 हजार रुपये साप्ताहिक किस्त के आधार पर उधार लिए थे। करीब दो साल पहले उसने रेशमा बानू से भी एक लाख रुपये लिए थे। वहां रेशमा, उसके पति सुहैल और दो अन्य लोग पहुंचे और कथित तौर पर महिला के साथ हाथ और चाकू से मारपीट की।

शुद्धिकरण विवाद: प्रियांक खरगे बोले

भाजपा और आरएसएस के दबाव में काम कर रही सरकार, 'डमी सीएम' पर भी पलटवार

बंगलूरू, 5 सितंबर (एजेंसियां)। हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद को लेकर कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने उत्तराखंड की घटना पर सवाल उठाया है। विधान सौधा पुलिस की ओर से उत्तराखंड भाजपा के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद खरगे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस का कर्तव्य है और इस मामले में उत्तराखंड सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए थी। प्रियांक खरगे ने कहा कि इस मामले में उत्तराखंड सरकार को खुद संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार को भी इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए था और गृह मंत्री को इस मुद्दे पर बोलना चाहिए था।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के कारण भाजपा इस तरह के मामलों में कार्रवाई करने से बचती है। बंगलूरू पुलिस ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद कथित शुद्धिकरण को लेकर उत्तराखंड भाजपा नेताओं

और अन्य लोगों के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई 31 अगस्त को मिली शिकायत के आधार पर हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि 10 अगस्त को रामलीला मैदान में हुए अनुष्ठान का मकसद खरगे के अनुसूचित जाति से होने के कारण जगह को अपवित्र बताना था। पुलिस ने नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, एससी/एसटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। जीरो एफआईआर को जांच के लिए हल्द्वानी पुलिस को भेजा जाएगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी टकराव भी बढ़ गया है। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर। अशोक द्वारा मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को 'डमी सीएम' कहे जाने पर भी प्रियांक खरगे ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं। खरगे ने दावा किया कि असली 'डमी' भाजपा है, जो आरएसएस के नियंत्रण में काम करती है। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस को अलग कर दिया जाए तो भाजपा एक क्षेत्रीय पार्टी से भी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने राजनीतिक मार्गदर्शकों और आरएसएस के बिना कोई फैसला नहीं ले सकती।

खरगे ने भाजपा नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि वे खुलकर बताएं कि उत्तराखंड में जो हुआ, वह गलत था या नहीं। खरगे ने शिक्षा सुधारों और कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) से जुड़े मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा को इन मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उनका आरोप था कि भाजपा वही बातें कहती है जो आरएसएस की ओर से तय या लिखकर दी जाती हैं।

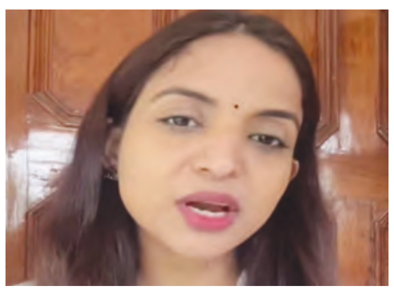

पंजाबी समाज पर विवादित टिप्पणी कर घिरी कांग्रेस नेता आकांक्षा नेगी गिरफ्तारी की मांग पर अड़े लोग

देहरादून, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाबी समाज को पाकिस्तानी कहने पर कांग्रेस से जुड़ी नेता आकांक्षा नेगी को गिरफ्तार करने की मांग की गई है। भाजपा नेता कुंवर जपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ बड़े नेताओं के कहने पर नेगी ने यह बयान दिया है। इससे पूरा पंजाबी समाज आहत है। पंजाबी समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने सातवीं शताब्दी में आक्रांताओं से लोहा लिया और फिर बंटवारे का दंश भी झेला। भाजपा नेता ने कहा कि पंजाबी समाज को इस तरह अपमानित करने का किसी को अधिकार नहीं है।

उन्होंने आकांक्षा नेगी को 48 घंटे में गिरफ्तार करने की मांग की है। पंजाबी समाज से जुड़े लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर गिरफ्तारी नहीं हुई तो कुंवर जपेंद्र सिंह और पंजाबी समाज आमरण अनशन को मजबूर होंगे। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ और समस्त पंजाबी समाज ने इन टिप्पणियों को अस्वीकार्य करार दिया है। आकांक्षा नेगी पर पहाड़ी और मैदानी समाज को बांटने का भी आरोप है। भारतीय संविधान देशभक्त पंजाबियों को अपमानित करने की इजाजत नहीं देता।

कांग्रेस महिला विधायक से हाथापाई

केरलम में कार्यकर्ताओं ने धक्का-मुक्की की; राम्या हरिदास अस्पताल में भर्ती

तिरुवनंतपुरम, 5 सितंबर (एजेंसियां)। केरलम के चिरायिनकीझु में कांग्रेस विधायक राम्या हरिदास और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार रात झड़प हो गई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने विधायक के बयान के आधार पर सात कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राम्या हरिदास को इस घटना में चोटें आईं, जिसके बाद उन्होंने चिरायिनकीझु तालुक अस्पताल में इलाज कराया। पुलिस के मुताबिक, मामले में भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। राम्या हरिदास ने आरोप लगाया कि स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने उन पर हमला किया और उन्हें धमकी दी।

उन्होंने कहा कि पार्टी नेता सजाद ने उनके खिलाफ व्हाट्सऐप और सोशल मीडिया पर लगातार नकारात्मक टिप्पणियां की थीं। विधायक के मुताबिक, जब उन्होंने सजाद से इन पोस्ट को लेकर सवाल किया तो उन्होंने बताया कि ये टिप्पणियां सजिथ और विश्वनाथन के निर्देश पर की गई थीं। हरिदास ने कहा कि इसके बाद सजाद ने उन्हें अपने घर पर बातचीत के लिए बुलाया था, जहां वह कुछ लोगों के साथ पहुंची थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में सजिथ, अधीश, विनीय और कुछ अन्य लोग वहां पहुंचे और सजिथ

ने उनके साथ आक्रामक व्यवहार किया तथा धमकी दी। पुलिस और दोनों पक्षों के बयानों के मुताबिक, विवाद एक ब्लॉक पंचायत समिति की बैठक से जुड़ा था। बैठक में विधायक, निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। विधायक के स्टाफ सदस्य पालयम प्रदीप के बैठक में शामिल होने को लेकर पार्टी के भीतर सवाल उठाए गए थे।

हरिदास ने बताया कि प्रदीप उनके निजी सहायक के तौर पर काम करते हैं। वहीं पार्टी नेता सजाद ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि विधायक के पीए कोई और व्यक्ति, विमल, है। सजाद ने घटना को लेकर अलग पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कांग्रेस के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में सवाल किया था कि प्रदीप ब्लॉक पंचायत समिति की बैठक में क्यों शामिल हुए थे।

पूर्व मंत्री केएन नेहरू के परिसरों पर डीवीएसी की छापेमारी

स्टालिन ने राज्य सरकार को क्यों घेरा?

चेन्नई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। डीवीएसी के अधिकारियों ने शनिवार को तमिलनाडु भर में पूर्व डीएमके मंत्री केएन नेहरू से जुड़े परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। जिसकी पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आलोचना करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया।

तिरुचिरापल्ली में, जहां नेहरू का घर है और उनके भाई की संपत्तियां हैं, वहां तलाशी ली जा रही थी। नेहरू के घर के बाहर उनके बहुत सारे समर्थक और स्कूल शिक्षा के पूर्व मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी जमा हुए। नेहरू थोड़ी देर के लिए बाहर आए और उनसे पार्टी ऑफिस जाने की अपील की। सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय (डीवीएसी) चेन्नई समेत कई जगहों पर तलाशी ले रहा था। बताया जा रहा है कि यह तलाशी नगर प्रशासन और जल आपूर्ति मंत्री के तौर पर नेहरू के कार्यकाल में 2,538 लोगों की भर्ती में कथित गड़बड़ियों से जुड़ी थी। नेहरू वर्तमान में तिरुचिरापल्ली पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। तमिलनाडु विधानसभा में डीएमके के डिप्टी फ्लोर नेता हैं।

वे मध्य तमिलनाडु में भी डीएमके के एक प्रमुख नेता हैं। इससे पहले डीवीएसी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7(सी) और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत डीएमके के प्रधान सचिव नेहरू, उनके भाइयों और कई अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इन तलाशी अभियानों की कड़ी निंदा करते हुए स्टालिन ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार चल रहे उच्च न्यायालय के मामले और विधानसभा सत्र के बीच पूरी तरह से राजनीतिक

रूप से प्रेरित ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ये तलाशी अभियान विपक्ष को डराने का प्रयास था। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु के लोग मौजूदा प्रशासन की कार्रवाइयों से पूरे तरह अवगत हैं। इसके साथ ही सत्ताधारी दल पर सत्ता हासिल करने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने का आरोप लगाया, जिसे टीवीके सरकार पहले ही नकार चुकी है।

स्टालिन ने कहा, 'तमिलनाडु के लोग भली-भांति जानते हैं कि सरकार बनाने के लिए उन्होंने अन्य दलों के विधायकों को इस्तीफा देने के लिए प्रेरित किया। विधानसभा परिसर में ही उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कर लिया।' उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने इस मामले में दर्ज औपचारिक शिकायतों पर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की है। इन कार्रवाइयों को भारतीय लोकतंत्र का काला पक्ष करार देते हुए, डीएमके अध्यक्ष ने सरकार के कदमों को नियमित राजनीतिक चालबाजी बताकर खारिज कर दिया।

डबल मर्डर से सनसनी, अंडाल-दुर्गापुर में महिला और दिव्यांग का गला काटा; आरोपी गिरफ्तार

दुर्गापुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अंडाल में महिला की गला काट कर हत्या से सनसनी फैल गई। पुलिस ने संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। अंडाल थाने के खान्द्रा पंचायत के मयरा क्षेत्र के डिपो पाड़ा महिला का गला कटा शव घर के बाहर शनिवार सुबह बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद से मृतका का पति फरार हो गया, अंत में उसे पुलिस ने हिरासत में लिया है। मृतका की पहचान 50 वर्षीय तारा देवी भुइयां के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही अंडाल थाना अंतर्गत उखड़ा फांड़ी की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। स्थानीय लोगों के अनुसार, तारा देवी की यह दूसरी शादी थी।

पहले पति से अलग होने के बाद उन्होंने तपन से विवाह किया था। तपन ईसीएल के सिदुली कोलियरी में कार्यरत है। तारा देवी की पहली शादी से दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है और वह पराशकोल इलाके में रहती है, जबकि छोटी बेटी अपनी बड़ी बहन के घर रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार सुबह तारा देवी का गला कटा शव मिला। घटना के बाद से उनके पति तपन का कोई पता नहीं है। दिन के समय पुलिस ने उसे हरिपुर से हिरासत में लिया। पड़ोसियों के अनुसार पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के चलते हत्या की घटना हुई है या नहीं, इसे लेकर स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुविचार
सहन करने की भी एक सीमा होती है। अगर उसके बाद भी सहन करे वह इंसान नहीं पत्थर है।

सीएम ने एसआईआर के माध्यम से भाजपा पर 'वोट चोरी की साजिश' का आरोप लगाया

कोडंगल, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गैर-भाजपा शासित राज्यों में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के माध्यम से वोटों की चोरी करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

कोडांगल विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा कांग्रेस समर्थकों के वोटों को मतदाता सूची से हटवाकर तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा ने महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव वोट हटाकर जीते और अब तेलंगाना में भी वही धोखेबाजी वाली रणनीति अपना रही है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक मतदाताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि कांग्रेस अपने समर्थकों के नाम हटाने के किसी भी प्रयास पर मूक दर्शक नहीं बनी रहेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी इस तरह के किसी भी कदम का मुकाबला करने के लिए तैयार है। हमारे कार्यकर्ता वैध वोटों को हटाने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले चुनावों के दौरान राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया था और अब वह वोटों को हटाने का सहारा ले रही है। उन्होंने मामूली गलतियों के बहाने मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि बीआरएस कांग्रेस को कमजोर करने के कथित प्रयास में भाजपा का समर्थन भी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदान के अधिकार की रक्षा करना प्रत्येक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का निर्देश दिया और बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) से गांव स्तर पर समन्वय स्थापित करने को कहा ताकि गरीब और कमजोर वर्गों के वोटों को रद्द न किया जा सके। उन्होंने मंडल स्तर के नेताओं को मतदाता सूची संशोधन की निगरानी करने और मतदाताओं के नामों को मनमाने ढंग से हटाने से रोकने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया।

रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस के प्रत्येक नेता को चार गांवों की जिम्मेदारी लेने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसी भी मतदान केंद्र से एक भी वैध वोट न हटाया जाए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और भाजपा और बीआरएस द्वारा रची जा रही साजिशों को नाकाम करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र की जनता द्वारा लगातार दिए गए समर्थन के कारण कोडंगल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान प्राप्त हुआ है।

फसल के नुकसान और बढ़ते कर्ज से परेशान किसान ने आत्महत्या की

आदिलाबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात पिप्पलकोट गांव में 35 साल के एक किसान ने खेती में नुकसान और बढ़ते कर्ज से परेशान होकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह घटना शनिवार को सामने आई।

पुलिस ने बताया कि बर्गूला अशोक ने रात 10 बजे कीटनाशक पी लिया क्योंकि वह खराब मौसम की वजह से खेती में हुए नुकसान से निराश था। वह बढ़ते कर्ज को न चुका पाने की वजह से भी परेशान था।

अशोक ने अपनी पांच एकड़ ज़मीन पर कपास, अरहर और दूसरी फसलें उगाई थीं। इसके लिए उसने बैंक से 2 लाख रुपये उधार लिए थे और अनौपचारिक स्रोतों से बहुत ज़्यादा ब्याज दर पर 10 लाख रुपये का लोन लिया था। उसने अपने बेटे के इलाज पर 8 लाख रुपये खर्च किए, जिसे निज़ामाबाद में दिमाग से जुड़ी बीमारी का पता चला था। उसने दो एकड़ ज़मीन बेची, लेकिन लोन नहीं चुका पाया।

इंदिराम्मा हाउसिंग स्कीम के लाभार्थी अशोक ने गृह प्रवेश की रस्म तो पूरी कर ली थी, लेकिन वह नए बने घर में रहने नहीं गया।

स्वस्थ नागरिक ही 'विकसित भारत' की नींव हैं: किशन रेड्डी

पांच दिवसीय 'पोषण माह' समारोह का हुआ समापन

हैदराबाद, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने पोषण, स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है, और इस बात पर जोर दिया है कि '2047 तक विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक स्वस्थ आबादी आवश्यक है। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) द्वारा शनिवार को एवी कॉलेज के मैदान में आयोजित पांच दिवसीय 'पोषण माह' समारोह के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने नागरिकों से स्वस्थ आहार, पर्याप्त नींद और नियमित शारीरिक गतिविधि जैसे पैदल चलना, योग और खेल को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों को अत्यधिक तेल, चीनी और जंक फूड का सेवन कम करने और ताज़ा, पौष्टिक घर का बना खाना खाने की सलाह दी। बच्चों और युवाओं में जीवनशैली से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने कम उम्र से ही स्वस्थ आदतें विकसित करने और स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। नशाखोरी के मुद्दे पर रेड्डी ने कहा कि नशामुक्त भारत का निर्माण माता-पिता, शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों, पुलिस, स्वयंसेवी संगठनों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि "नशा मुक्त भारत" और "फिट इंडिया" जैसी पहलें एक स्वस्थ और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मंत्री ने पोषण माह की गतिविधियों की सराहना की, जिनमें प्रश्नोत्तरी, पोस्टर बनाना, वीडियो बनाना और पौष्टिक व्यंजनों की प्रतियोगिताएं शामिल हैं, और छात्रों, युवाओं और महिलाओं को स्वस्थ जीवन शैली के राजदूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया। पीआईबी और सीबीसी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल ने कहा कि पांच दिवसीय कार्यक्रम ने संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में पोषण, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जागरूकता पैदा की है।

उन्होंने परिवारों से जागरूकता को अमल में लाने का आग्रह करते हुए कहा कि रोजमर्रा के खान-पान और जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव भी एक स्वस्थ और अधिक उत्पादक भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, एवी शिक्षा बोर्ड के सदस्य के. विनोद रेड्डी, एवी कॉलेज के शिक्षक, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पाक्सो एक्ट के तहत 14 साल के लड़के के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को बांडलागुडा में सात साल की बच्ची के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप में 14 साल के लड़के के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले लड़के ने कथित तौर पर बच्ची को चूज़े दिखाने के बहाने अपने घर बुलाया और उसके साथ गलत व्यवहार किया। बाद में बच्ची ने अपनी मां को घटना के बारे में बताया, जिसके बाद उसके परिवार ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर, बांडलागुडा पुलिस ने 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस' (पाक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। चूंकि पीड़ित और आरोपी दोनों नाबालिग हैं, इसलिए उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SANDHYA PANDAY is legally wedded Spouse of Service No JC-777575F SUB Raju Kumar Pandey Residing at Adwara urf Chintamanpur, Dist-Muzaffarpur, State-Bihar, PIN-843119. I have changed my name from SANDHYA PANDAY to *SANDHYA KUMARI* and DOB changed from 25/05/1985 to *08/02/1987* dated 03 Sep 2026 before 1. Spl Judicial Magistrate Medchal -Malkajgiri-Dist.

I, Minu Borah, Mother of No. 14678238A, NK, Ganesh Borah, R/o, Vill: Deka Gaon, Dist: Nagaon, Assam, changed my name from Minu Borah to Minu Bora vide Affidavit No. 995368 dt. 03.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, P Anitha, W/o, No. 14676895 L, Hav, Thirupathi V, R/o, Vill : Usilampatti, Dist: Tuticorin, Tamil Nadu, changed my name from P Anitha to Anitha T, vide Affidavit No. BU 316603 dt. 03.09.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar..

I, K Marry Kumari, Daughter of No. 14511010H, Ex NK, Late, Katta Prakasam, R/o, Vill &PO : Ongole, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from K Marry Kumari to Katta Mary Kumari, vide Affidavit No. BU 316602 dt. 03.09.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीरवी समाज द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओ के तत्वावधान में राजस्थान से पधारे पुज्य महंत श्री भवरगिरीजी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्णा जन्माष्टमी पर भव्य जागरण शुक्रवार 4 सितम्बर को आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर मंदिर को लाइटिंग व फूलों से सजाकर, लड्डु गोपाल का अभिषेक व शृंगारकर जागरण का आयोजन किया गया। जिसमे स्वामी हीरपुरीजी महाराज व महिला मंडल ने ठाकुरजी के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने देर रात तक नाचते-गाते हुए लाभ लिया। अवसर पर भक्तों द्वारा रात्रि कृष्ण जन्माष्टमी पर झुला-झुलाना कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। पधारे भक्तों को विशेष माखन-मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हिराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति सचिव चेलाराम भायल, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा,पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, कार्यकारिणी व समाज बन्धु उपस्थित रहे। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा सुधारों और अनुसंधान को बढ़ावा देने का आह्वान किया

हैदराबाद, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने विश्वविद्यालयों से अपने शैक्षणिक प्रणालियों में निरंतर सुधार करने और भविष्य की तेजी से बदलती मांगों के लिए छात्रों को तैयार करने हेतु अनुसंधान, नवाचार और ज्ञान सृजन को अधिक प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। तेलंगाना काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीजीसीएचई) द्वारा प्रकाशित तेलंगाना जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन (टीजेएचई) के खंड-II, अंक-1 का विमोचन करते हुए शनिवार को लोक भवन में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को तकनीकी प्रगति, बदलती कौशल आवश्यकताओं और वैश्विक विकास के जवाब में समय-समय पर अपने शैक्षणिक ढांचे का नवीनीकरण करना चाहिए। टीजेएचई का नवीनतम अंक, जिसका विषय "इक्कीसवीं सदी में विश्वविद्यालय: नवीनीकरण, सुधार और रोडमैप" है, उच्च शिक्षा में समकालीन चुनौतियों और अवसरों पर शोध-आधारित चर्चा को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। शुक्ल ने अंतःविषयक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीजेएचई जैसे मंच शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को मजबूत कर सकते हैं और सूचित नीति निर्माण में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षकों को बधाई दी और राष्ट्र निर्माण तथा भावी पीढ़ियों के मार्गदर्शन में उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने राज्य में अनुसंधान संस्कृति और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक एवं शिक्षक शिक्षा संस्थान (टीजीसीएचई) के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिस्टा रेड्डी के प्रयासों की सराहना की। प्रोफेसर रेड्डी ने राज्यपाल को 26 सितंबर को हैदराबाद में आयोजित होने वाले अनुसंधान और नवाचार सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। इससे पहले, एसकेएलटीजीएचयू के कुलपति डॉ. डी. राजी रेड्डी और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. पी. रघु राम ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की।

आदिवासी किसान के साथ बदसलूकी करने पर उडुमपुर फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर पर केस दर्ज

निर्मल, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को कदम मंडल के उडुमपुर गाँव में एक आदिवासी किसान के साथ बदसलूकी करने के आरोप में फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर (एफआरओ) श्रीनिवास रेड्डी के ख़िलाफ़ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि किसान द्वारा ऑफिसर से मिलने की कोशिश करने के बाद बनवथ रेड्डी नाइक के साथ बदसलूकी करने के आरोप में उडुमपुर एफआरओ गंटाला श्रीनिवास रेड्डी के ख़िलाफ़ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया।

नाइक ने 1 अगस्त को एफआरओ के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने शुरुआती जाँच की और श्रीनिवास के ख़िलाफ़ केस दर्ज किया।

इस बीच, श्रीनिवास रेड्डी से मिली शिकायत के आधार पर उडुमपुर एफआरओ के ऑफ़िस पर हमला करने के आरोप में 17 आदिवासियों के ख़िलाफ़ भी केस दर्ज किया गया।

उन पर आरोप है कि उन्होंने 1 अगस्त को पत्थर फेंके, ऑफ़िस की खिड़कियाँ तोड़ीं और ऑफ़िस में ताला लगाकर स्टाफ़ को बंधक बना लिया।

आदिवासियों के ख़िलाफ़ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (सरकारी कर्मचारी पर हमला), 127 (गलत तरीके से बंधक बनाना), 324 (3) (सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान) और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जाँच शुरू कर दी गई है।

खरीद केंद्रों पर किसानों को इंतजार न करना पड़े : मंत्री उत्तम

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2026-27 के खरीफ विपणन मौसम में 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीद की व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। करीब 18,250 करोड़ की अनुमानित लागत वाली इस खरीद प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर कमी न रहने देने के लिए पुख्ता कार्ययोजना लागू करने के निर्देश राज्य के नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खरीद केंद्रों पर किसानों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े और धान बेचने के बाद भुगतान में भी किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को मारी चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान में राज्यभर के अतिरिक्त कलेक्टरों, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारियों, तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वानाकालम धान खरीद की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन मौसम 2026-27 में राज्यभर से 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में कुल 8,283 धान खरीद केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें 3,180 आईकेपी केंद्र, 4,372 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के केंद्र और 731 अन्य खरीद केंद्र शामिल हैं। धान खरीद 15 अक्टूबर से शुरू होने वाली है। इसलिए सभी खरीद केंद्रों को 1 अक्टूबर तक तैयार कर किसानों के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने ग्रेड-ए धान के लिए 2,461 प्रति क्विंटल और सामान्य किस्म के धान के लिए 2,441 प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सात प्रमुख महीन किस्मों के धान पर 500 प्रति क्विंटल बोनस दिया जाएगा। इन सात किस्मों में बीपीटी-5204, आरएनआर-15048, केएनएम-1638, जय श्रीराम, एचएमटी-सोना, डब्ल्यूजीएल-44 और केएनएम-7715 शामिल हैं।

निर्मल में 25 अपराधों में शामिल चार चोर गिरफ्तार

निर्मल, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को यहां एक टास्क फोर्स टीम ने 25 अपराधों में शामिल चार कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन चारों से 12 किलो चांदी, 67,000 रुपये नकद, एक कार और धातु पिघलाने वाली मशीनें बरामद कीं।

गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एसपी डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि निर्मल जिले के मारेपेद्दी राजशेखर, गडचंडा राजेश्वर, कलगड्डावर श्रीकांत और हैदराबाद के सारा साईं किरण मंदिरों और घरों में हुई कई चोरियों के लिए जिम्मेदार थे। पूछताछ के दौरान, चारों ने जिले के कई हिस्सों और आंध्र प्रदेश में भी मंदिरों और घरों में अपराध करने की बात कबूल की। उन्होंने रात में सोने-चांदी के गहने चुराने की बात मानी। उन्होंने बताया कि वे पिछले कुछ वर्षों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों जगहों पर 25 अपराधों में शामिल थे।

केसरियां कंवरजी महाराज का जागरण आयोजित

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फीलखाना स्थित शृंगऋषि भवन में श्री केसरियां कंवरजी सेवा समिति भक्तों के सानिध्य में श्री केसरियां कंवरजी के नाम भव्य जागरण शुक्रवार 4 सितम्बर पूजा-अर्चनाकर, आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष बिरजू प्रसाद पांडिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री केसरिया कंवर के नाम पंडाल को लाइटिंग व फूलों से सजाकर केसरिया कंवरजी का शृंगार, ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया गया।

जिसमे विशाल श्रीमाली, नेतराम तिवारी ने राजस्थानी अंदाज में केसरियां कंवरजी के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने देर रात तक नाचते-गाते हुए लाभ लिया। अवसर पर भक्तों द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी झुला-झुलाना कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। भक्तों द्वारा केसरियां कंवरजी की ज्योत के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए पुजा-अर्चना की गयी। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथिओ, समाज के विभिन्न संस्थाओ के गणमान्यो, पेपर विज्ञापन के लाभार्थी पुसाराम काग, कालुराम काग चिंतल, परबत सोलंकी का राजस्थानी साफा व शॉल से स्वागत किया गया। पधारे भक्तों के लिए अल्पहार की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नेमीचन्द पांडिया, कन्हैयालाल पांडिया, माणकचन्द कुमावत, बिरजू प्रसाद पांडिया, तुलसाराम कुमावत, रामलाल (पुसाराम) काग, घनश्याम, महेन्द्र पांडिया, रमेश कुमावत, हड़मान सिरवी, व सदस्यगण उपस्थित रहे। युट्युब पर सीधा प्रसारण सीरवी रिकोर्डस ने किया। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

स्वर्गवास

स्व.श्री वेनारामजी पंवार
सुपुत्र: स्व.श्री वरदारामजी पंवार, मरुधर में गाँव वडेरावास
स्वर्गवास: 5 सितम्बर 2026
शवयात्रा, आज रविवार दि.6 सितम्बर 2026 प्रातः 11.30 बजे हमारे निवास स्थान प्लॉट नं.178/C, अड्डागुटा सोसाईटी, JNTU, KPHB कॉलनी, कुकटपल्ली से GHMC 7th फेस, कुकटपल्ली हाउसिंह बोर्ड कॉलनी, शमशान वाटिका जायेगी
Scan for Loaction
:शोकाकुल: कन्याबाई (धर्मपत्नी), मेघाराम, पेमाराम (पुत्र), मुकेश, सूरज (पौत्र), कविता (पौत्री), भंवरीदेवी-मोहनलालजी, डगरीदेवी-राणारामजी, संतोषदेवी-पूनारामजी (पुत्री-जंवाई), एवं समस्त पंवार परिवार
: फर्म : रामदेव हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रीकल
कुकटपल्ली, हैदराबाद 9849151303, 9989444010, 9441892333
P.Solankey

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hos.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.12/2026/हिमाद्रि एग्रो टेक परियोजना

साक्षात्कार के माध्यम से **दि.18-09-2026 (शुक्रवार) के 10.00** बजे, यंग प्रोफेशनल-II (01 पद) के अस्थायी पद को भरा जायेगा। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता. /-
सहायक प्रशासन अधिकारी

शिक्षकों के सम्मान में योगी बोले 'ठेके पर नकल' वाले यूपी की बदली तस्वीर

शिक्षक बने परिवर्तन के वाहक

गोरखपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस के अवसर पर गोरखपुर में आयोजित समारोह में प्रदेश की बदली तस्वीर का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कार ही किसी राष्ट्र को सशक्त बनाने की बुनियाद हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल बच्चों को पढ़ाने का काम नहीं करता, बल्कि उन्हें राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठते थे और नकल तक ठेके पर होने की चर्चा होती थी। प्रदेश की पहचान को लेकर युवाओं और शिक्षकों को दूसरे राज्यों में भी संशय की नजर से देखा जाता था। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश में व्यवस्था बदली है और अब उत्तर प्रदेश के लोगों को बाहर सम्मान की नजर से देखा जाता है। इस बदलाव के वाहक प्रदेश के शिक्षक भी हैं। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था में आए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि पहले प्रदेश में कर्फ्यू और दंगे आम बात माने जाते थे। उन्होंने जन्माष्टमी के आयोजन का उदाहरण देते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में पुलिस लाइनों, थानों, मोहल्लों और अन्य स्थानों पर कार्यक्रम हुए, लेकिन कहीं से दंगे या उपद्रव की खबर नहीं आई। उन्होंने कहा कि जिस माहौल में पहले स्कूल-कॉलेज चलाना भी मुश्किल था, आज वहां सुरक्षित वातावरण में शिक्षा व्यवस्था आगे बढ़ रही है।

योगी ने कहा कि भारत आदिकाल से ही ज्ञान की उपासना करने वाला देश रहा है। समय के साथ ज्ञान की परंपरा के स्वरूप में बदलाव आया, लेकिन शिक्षा और संस्कार का महत्व हमेशा बना रहा। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत और समर्थ बन सकता है, जब उसकी भावनाओं और मूल्यों के अनुरूप शिक्षा और संस्कार नई पीढ़ी को मिलें। यह जिम्मेदारी शिक्षक से बेहतर कोई नहीं निभा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में ज्ञान और गुरु परंपरा का विशेष महत्व दिया गया है। मां सरस्वती की आराधना से जुड़े वसंत पंचमी और गुरु पूर्णिमा जैसे पर्व इसी परंपरा के प्रतीक हैं। शिक्षक दिवस शिक्षकों को देश की इसी समृद्ध ज्ञान परंपरा से जुड़ने और नई पीढ़ी को उससे परिचित कराने का अवसर देता है। गोरखपुर के योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रोटोकॉल से अलग हटकर सभी 81 सम्मानित शिक्षकों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया।

महज 200 रुपये के विवाद में हैवान बना पति, पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

भोजपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के तीयर थाना क्षेत्र के तीयर गांव में महज दो सौ रुपये के विवाद को लेकर पति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पति संतोष राम को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान तीयर थाना क्षेत्र के तीयर गांव के वार्ड नंबर-7 निवासी संतोष राम की 29 वर्षीय पत्नी सोनी देवी के रूप में हुई है। मृतका के ससुर रामाधार राम ने बताया कि गुरुवार की रात वह पलदारी कर घर लौटे थे।

शुद्धिकरण विवाद पर बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस को घेरा

'यह तुष्टिकरण की राजनीति'

गोंडा, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर बृजभूषण शरण सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, एक एफआईआर उत्तराखंड में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ लिखी गई थी। अब कांग्रेस पार्टी की ओर से भी एफआईआर लिखी गई है। यह वोट की राजनीति है। उन्होंने ये भी कहा कि जब चुनाव पास आएगा तो राहुल गांधी हिंदू भी बनेंगे। अभी वे हिंदू विरोध दर्शाने का काम कर रहे हैं।

विवाद शुरू होने की वजह यह है कि पहले वहां कांग्रेस का कार्यक्रम किया गया था। बाद में भाजपा का कार्यक्रम किया गया। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि भाजपा के जो भी कार्यक्रम होते हैं, वो विधि-विधान से किए जाते हैं। ऐसा केवल उत्तराखंड में ही नहीं, भाजपा की कहीं भी बड़ी रैली और बैठक में भी किया जाता है। कुछ भी नहीं होता तो एक अगरबत्ती ही जला दी जाती है। जैसे विद्यालय में कार्यक्रम किए जाते हैं तो मां सरस्वती की पूजा की जाती है। अब उसको उन्होंने 'शुद्धिकरण' के रूप में ले लिया। इसको कांग्रेस की ओर से गलत दिशा दी गई और उसी का परिणाम है कि बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज कराई गई है। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यह तुष्टिकरण की राजनीति है और इससे कांग्रेस का कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि सभी पार्टियां दलित मतदाताओं को साधने की कोशिश करती हैं, लेकिन आज की तारीख में भाजपा के पास दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' मामले में बेंगलुरु में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता की ओर से बताया गया कि 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित किया था। जनसभा के बाद 10 अगस्त को 'शुद्धिकरण' किया गया था।

यूपी के पूर्व विधायक गुड्डू पंडित की गुंडई!

पत्नी को पीटा, बाल पकड़ घसीटा, अब इन धाराओं में हुई एफआईआर

बुलंदशहर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर में पत्नी की पिटाई के मामले में पूर्व विधायक गुड्डू पंडित पर पुलिस ने नगर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की है। गुड्डू पंडित पर मारपीट, गाली गलौज की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। सपा और बसपा के टिकट पर दो बार विधायक रहे गुड्डू पंडित और उनकी पत्नी अर्चना पांडा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में पूर्व विधायक गुड्डू पंडित अपनी पत्नी अर्चना पांडा के बाल पकड़कर पिटाई करते नजर आ रहे हैं। अर्चना पांडा भी पूर्व विधायक पर झाड़ू चलाती दिख रही है। वीडियो वायरल होने के बाद अर्चना पांडा की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। सीओ सिटी प्रखर पांडेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मारपीट और गाली गलौज की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बुलंदशहर के डिबाई क्षेत्र के पूर्व विधायक भगवान शर्मा उर्फ गुड्डू पंडित और कांग्रेस नेत्री के बीच विवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों ने एक दूसरे पर हमला करने का आरोप लगाया है। इस मामले में कांग्रेस नेत्री ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।

शिक्षक दिवस पर अखिलेश का योगी सरकार पर हमला

'बंद स्कूल खुलेगा, तो पीडीए पढ़ेगा'

लखनऊ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षक दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में बंद किए गए प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही शोषित, वंचित, गरीब और पीड़ित समाज में सामाजिक-राजनीतिक चेतना और जागरूकता पैदा कर सकती है।

इसी संदेश के साथ समाजवादी पार्टी शुक्रवार को प्रदेश के बंद प्राथमिक विद्यालयों में 'पाठशाला पुकारे' कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पार्टी का नारा है— 'बंद स्कूल खुलेगा, तो पीडीए पढ़ेगा।' सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्टर जारी कर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि उप्र में जो 26 हजार प्राथमिक विद्यालय भाजपा सरकार ने बंद किए हैं, उन सभी स्कूलों में समाजवादी पार्टी आज शिक्षक दिवस 5 सितंबर के दिन 'पाठशाला पुकारे' कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिसका मूल उद्देश्य ये संदेश देना है कि 'बंद स्कूल खुलेगा, तो पीडीए पढ़ेगा'।

सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा कि इस कार्यक्रम के पीछे मूल भावना ये है कि शिक्षा को प्राथमिकता दी जाए क्योंकि शिक्षा से ही शोषित-वंचित, गरीब-पीड़ित समाज में भी सामाजिक-राजनीतिक चेतना और जागरूकता आएगी जो प्रभुत्ववादियों के वर्चस्व को चुनौती देकर भेदभाव को खत्म करेगी, बराबरी लाएगी और समता-समानता पर आधारित 'सामाजिक न्याय का राज' लाकर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाएगी, हमारे 'बंधु राष्ट्र' के संकल्प को साकार कर दिखाएगी।

इसके पहले अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में उनकी सरकार बनने पर बंद किए गए 26 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार शिक्षा को प्राथमिकता देने के बजाय सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है, जिसका सबसे अधिक असर पीडीए वर्ग के विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा से ही वंचित और पिछड़े समाज में जागरूकता और सामाजिक चेतना पैदा होगी तथा बराबरी और सामाजिक न्याय की दिशा मजबूत होगी।

बेटी को मुर्गा बनाया तो पिता ने प्रिंसिपल को पीटा

गोरखपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में प्रिंसिपल ने देरी से स्कूल पहुंचने पर कक्षा-6 की छात्रा को मुर्गा बना दिया। इसका पता चलते ही पिता भड़क गया। आरोप है कि स्कूल में घुसकर उसने प्रिंसिपल को थप्पड़ मारे, शर्ट फाड़ दी और दोबारा ऐसा करने पर गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी। स्कूल के टीचर्स ने किसी तरह प्रिंसिपल को छुड़ाया। घटना 1 सितंबर को जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर पूर्व माध्यमिक विद्यालय में हुई। मामला तब सामने आया, जब 3 सितंबर को प्रिंसिपल ने पिता के खिलाफ स्कूल में तोड़फोड़ और मारपीट का केस दर्ज कराया।

बिहार में बाढ़ का कहर जारी : गंगा के उफान से कई जिलों में लाखों लोग प्रभावित

पटना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जल संसाधन विभाग के शनिवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा समेत कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, भागलपुर, भोजपुर, पटना, सारण और वैशाली में ही करीब 7.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके अलावा कई अन्य जिलों में भी निचले इलाकों में पानी फैलने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर के खरीक प्रखंड की राघोपुर पंचायत में गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण काजीकौरैय-राघोपुर मार्जिनल बांध 23 अगस्त की रात करीब 30 मीटर लंबाई में क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद पंचायत के पांच वार्डों में पानी फैल गया, जिससे करीब 5,000 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों के लिए छह सामुदायिक रसोई केंद्र चलाए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 70,600 थालियों में भोजन कराया जा चुका है।

भोजपुर में गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। जिले के चार प्रखंडों की करीब 2.84 लाख आबादी प्रभावित हुई है। प्रशासन की ओर से 13 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां अब तक करीब 8,300 थालियों में भोजन कराया गया है। पटना जिले में भी गंगा के बढ़ते जलस्तर ने निचले इलाकों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले के नौ प्रखंडों में करीब 2.32 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

फिलहाल आठ सामुदायिक रसोई केंद्र चल रहे हैं, जिनसे करीब 5,900 थालियों में भोजन उपलब्ध कराया गया है। शनिवार से सात और स्थानों पर सामुदायिक रसोई केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। सारण जिले के पांच प्रखंडों में करीब 20 हजार आबादी प्रभावित हुई है। यहां एक सामुदायिक रसोई केंद्र के माध्यम से अब तक करीब 500 थालियों में भोजन कराया गया है। वैशाली में तीन प्रखंडों की करीब 85 हजार आबादी बाढ़ से प्रभावित है। यहां एक सामुदायिक रसोई केंद्र के साथ एक राहत शिविर भी संचालित किया जा रहा है, जिसमें 326 लोग शरण लिए हुए हैं।

इसके अलावा अरवल में 32 हजार, बक्सर में 10 हजार, बेगूसराय में 21,700, समस्तीपुर में 11,800, खगड़िया में 8,500, मुंगेर में 38 हजार और कटिहार में 36 हजार लोग निचले इलाकों में पानी फैलने से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में आवागमन के लिए प्रशासन की ओर से 18 जिलों में कुल 693 नावों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें वैशाली में सबसे अधिक 155, समस्तीपुर में 88, भोजपुर में 87, पटना में 70, मधेपुरा में 58, खगड़िया में 43 और पूर्णिया में 35 नावें चल रही हैं।

अवैध ड्रग फैक्टरी का मामला

फूल-पौधों की नर्सरी के नाम पर 60 हजार रुपये में लीज पर ली थी तीन बीघा

प्रयागराज, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मांडा के कोसड़ा कला में सिंथेटिक ड्रग्स एमडी (मिथाइलीन डाइऑक्सी मेथएम्फेटामाइन) बनाने की फैक्टरी पकड़े जाने के बाद चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पता चला है कि जनवरी 2026 में करीब तीन बीघा जमीन नर्सरी विकसित करने के नाम पर 60 हजार रुपये प्रति वर्ष की लीज पर ली गई थी। जमीन मालिक के पास करीब 22 बीघा जमीन बताई जा रही है। इसमें से तीन बीघा जमीन आरोपियों को दी गई थी।

खेत के बीच टिनशेड तैयार कर उसमें लैब जैसे इंतजाम किए गए थे। मुंबई पुलिस की कार्रवाई में जब इस ठिकाने पर छापा पड़ा तो बाहर से नर्सरी जैसा दिखने वाला परिसर एमडी बनाने की फैक्टरी निकला। मौके से 250 और 150 लीटर क्षमता के फ्लास्क, हीटिंग मेंटल, ड्रॉपिंग फनल और थर्मामीटर समेत कई लैब उपकरण बरामद किए गए।

'बच्चे को दवा दिला लाना' बदमाशों ने दंपती से लूटे जेवर-नकदी गिड़गिड़ाने पर बीमार बच्चे के लिए छोड़े 200 रुपये

अलीगढ़, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। हरदुआगंज में बुखार से पीड़ित बीमार बेटे को दवा दिलाने निकले दंपती को नहर पटरी पर शुक्रवार को तीन बदमाशों ने घेरकर लूट लिया। महिला के जेवर और चार हजार रुपये लूटने के बाद बदमाश माछुआ की ओर भाग निकले। बेटे की बीमारी का हवाला देकर दंपती की मिन्नत सुनकर कुछ दूर जाकर बदमाशों का दिल पसीज गया। उन्होंने मोबाइल, बाइक की चाबी और 200 रुपये लौटाते हुए कहा बच्चे को दवा दिला लाना।

क्वार्सी क्षेत्र के देवसैनी निवासी गौरव शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे पत्नी वर्षा और एक वर्षीय बेटे अनमोल के साथ जलाली जा रहे थे। कई दिनों से बुखार से पीड़ित अनमोल को जलाली में क्लीनिक चलाने वाले अपने साढ़ू से दवा दिलानी थी।

माछुआ नहर पुल से शेखा पुल की ओर नहर पटरी से गुजरते समय मई के नगला के पास एक बाइक पर तीन युवक सामने से आए। कुछ देर बाद वे वापस लौटे और पीछे से ओवरटेक कर दंपती की बाइक रुकवा ली।

मारपीट कर मोबाइल, जेवर और रुपये लूटे

बदमाशों ने गौरव से मारपीट कर मोबाइल और बाइक की चाबी छीन ली, जेब में रखे चार हजार रुपये निकाल लिए। इसके बाद वर्षा के कानों की सोने की बालियां-कुंडल, दोनों अंगूठियां और पैरों की चांदी की पाजेब उतरवा लीं। दंपती ने बदमाशों से काफी मिन्नतें कीं और बेटे की बीमारी का हवाला दिया। गौरव के मुताबिक, तीन में से एक ने साथियों से उन्हें छोड़ने की बात भी कही, लेकिन दोनों अन्य बदमाश नहीं माने। लूट के बाद तीनों करीब 20 मीटर आगे पहुंचे और अचानक बाइक रोक दी।

'बच्चे को दवा दिला लाना'

इसके बाद मोबाइल और बाइक की चाबी सड़क पर फेंक दी। फिर 200 रुपये का नोट भी दंपती की ओर उछालते हुए कहा कि बच्चे को दवा दिला लाना। इसके बाद बदमाश माछुआ पुल की ओर भाग गए। डरे-सहमे दंपती शेखा पुल पहुंचे और परिजनों को बुलाकर पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद पुलिस ने नहर पटरी से लेकर आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ कई पुलिस टीमें संदिग्ध बाइक सवारों की पहचान में जुटीं।

सुरेश हत्याकांड में नया खुलासा

दस रुपये के किराये के विवाद में मारा था थप्पड़, बदला लेने के लिए की थी हत्या

मुरादाबाद, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के मझोला के लाइन पार सूर्य नगर में रात को फर्म कर्मी सुरेश सैनी (45) की हत्या ई रिक्शा चालक तुषार ने दस रुपये के किराये के विवाद में थप्पड़ मारने का बदला लेने के लिए अपने साथी अभय राघव और विवेक शर्मा के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने अभय को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। मुख्य आरोपी तुषार और उसका दूसरा साथी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस जुटी है। तीनों आरोपी ई रिक्शा चलाते हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मझोला थानाक्षेत्र के सूर्य नगर मानपुर नारायणपुर निवासी सुरेश सैनी फर्म में काम करता था। मंगलवार की शाम करीब सात बजे वह बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा था। बुधवार की सुबह करीब नौ बजे सुरेश का शव शराब की दुकान के पास मिला था। उसके सिर ईंटों से कुचला गया था। आसपास की दुकानों में लगे कैमरों की फुटेज की मदद से सुरेश के हत्यारोपियों की पहचान मझोला के सूर्य नगर निवासी अभय, मझोला के चाऊ की बस्ती निवासी तुषार और कटघर के पीतल बस्ती निवासी विवेक शर्मा के रूप में हुई थी।

दस रुपये के किराये को लेकर हुआ था विवाद

शुक्रवार को पुलिस ने अभय को गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में बताया कि करीब एक सप्ताह पहले तुषार के ई रिक्शा में सुरेश सैनी ने गागन वाली मैनाठेर तक बैठा था। दोनों के बीच दस रुपये के किराये को लेकर विवाद हो गया था। सुरेश सैनी ने तुषार को थप्पड़ मार दिया था। उस वक्त को दोनों को अन्य लोगों ने समझाकर शांत करा कर विवाद खत्म करा दिया था। मंगलवार रात करीब 12 बजे तुषार, विवेक और अभय जयंतीपुर स्थित गैराज में ई-रिक्शा खड़ा करने के बाद लौट रहे थे। तीनों ने देखा कि सुरेश सैनी शराब की दुकान के पास खड़ा है।

सर्किट हाउस में नमाज पढ़ने पर सपा विधायक के चाचा पर रिपोर्ट

मुरादाबाद, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के बिलारी के सपा विधायक मो. फहीम के चाचा मो. उस्मान के खिलाफ मझोला थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सर्किट हाउस में रास्ते में गाड़ी खड़ी कर नमाज पढ़ी।

इससे आने वाले वालों को परेशानी हुई। पुलिस ने कार्रवाई सर्किट हाउस के प्रभारी जेई अनिल कुमार की तहरीर पर की है। मो. उस्मान सपा में जिला उपाध्यक्ष हैं। नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में आए थे। इस दौरान उन्होंने एमएलसी चुनाव को लेकर सर्किट हाउस में सपा नेताओं के साथ बैठक भी की थी। शुक्रवार को वह चले गए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें बिलारी के विधायक मो. फहीम के चाचा एवं जिला उपाध्यक्ष नमाज पढ़ते नजर आ रहे हैं।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में मस्जिद गिराने पर तनाव, सपा सांसद इकरा हाउस अरेस्ट

सहारनपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में शनिवार सुबह कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। प्रशासन के अनुसार, सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद निर्माण को सरकारी जमीन पर अवैध घोषित किया था। मस्जिद समिति की पहली अपील भी खारिज हो चुकी थी।

इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस और आरआरएफ बल तैनात रहा। मस्जिद गिराने के बाद तनाव बढ़ गया है। कैराना सांसद इकरा हसन को भी हाउस अरेस्ट किया गया है। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित मस्जिद पर पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर मस्जिद पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। पूरे इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट के न्यायालय में सुनवाई के दौरान मस्जिद का निर्माण अवैध पाया गया था। यह निर्माण सरकारी जमीन पर किया गया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद समिति ने अपील की थी। हालांकि, वह अपील भी खारिज हो गई और सिटी मजिस्ट्रेट का मूल आदेश बरकरार रखा गया। प्रशासन ने कार्रवाई से पहले सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने का दावा किया है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पहले ही सहारनपुर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। त्योहारों को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पांच कंपनी पीएसी और आरआरएफ तैनात की गई। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में लगातार फुट पेट्रोलिंग और फ्लैग मार्च किया गया। सहारनपुर मंडल के डीआईजी अभिषेक सिंह ने बताया कि नोटिस और अपील सहित निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही ध्वस्तीकरण हुआ। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए थे।

सांसद इकरा हसन को हाउस अरेस्ट

इस कार्रवाई के बीच कैराना से सांसद इकरा हसन को उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर दिया गया। वह सहारनपुर जाने के लिए निकल रही थीं। इसी दौरान उनके आवास पर बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया गया। इकरा हसन ने कहा कि वह सहारनपुर कलेक्ट्रेट मस्जिद मामले पर अधिकारियों से मिलना चाहती थीं। वह इलाके की जनता की आवाज प्रशासन के सामने रखना चाहती थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सहारनपुर जाने से रोकने के लिए घर पर ही नजरबंद किया गया है।

15 घंटे के भीतर 24 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर में मानसून के सुपर एक्टिव मोड के बीच मौसम विभाग ने टेंशन भरा अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक कल यानी 6 सितंबर को यूपी, बिहार समेत 24 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। इस आंधी के चलते किसानों के फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा सघन जंगल वाले इलाके में यात्रा करने से बचने की चेतावनी दी गई है। वहीं, पहाड़ी राज्यों में लैंडस्लाइड की चेतावनी जारी की गई है।

किसानों और मछुआरों को नदी और समुद्री इलाके से दूर जाकर रहने की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा कुछ राज्यों में ओले गिरने की भी चेतावनी है। पूर्वी भारत के राज्यों में बिजली और वज्रपात की चेतावनी दी गई है। वहीं, बंगाल की खाड़ी से चलने वाली तूफानी हवा पूर्वी राज्यों में लोगों की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। इसके अलावा राजस्थान के आसपास के इलाके में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों और उससे सटे दक्षिणी उत्तर प्रदेश के ऊपर चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है। तो चलिए हम आपलोगों को बताते हैं कल यानी 6 सितंबर को देश के अन्य राज्यों में मौसम का हाल कैसा रहेगा।

देश के 24 राज्यों में भारी बारिश-आंधी की चेतावनी

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक कल यानी 6 सितंबर को देश के 24 राज्यों यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, गुजरात, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, असम, नागालैंड, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 80 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से आंधी चलने का अलर्ट है। किसानों के लिए खास चेतावनी जारी की गई है।

बॉम्बे हाईकोर्ट: भेदभाव पर अदालत सख्त

कहा- भारत भले चांद पर पहुंचा, समाज में आज भी जाति व्यवस्था की बुराई

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। हाथ से मैला ढोने की प्रथा की आलोचना करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि भले ही भारत चांद पर पहुंच गया हो, लेकिन जाति व्यवस्था की सामाजिक बुराई आज भी समाज में बनी हुई है, जो नागरिकों को ऐसा काम करने के लिए विवश करती है जो मानवीय गरिमा के विपरीत है। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार की उस नीति को रद्द कर दिया जिसके तहत खतरनाक सफाई के दौरान जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा देने की जिम्मेदारी निजी सोसाइटियों और नियोक्ताओं पर डाल दी गई थी। जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह पीड़ितों के आश्रितों को फौरन मुआवजा दे और बाद में चाहे तो संबंधित निजी संस्थाओं या नियोक्ताओं से वह राशि वसूल कर ले।

अदालत ने सरकार को आदेश दिया कि वह छह महीने के भीतर उन सभी व्यक्तियों की पहचान करे, जिनकी मृत्यु मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम 2013 के दायरे में आने वाली खतरनाक सफाई के दौरान हुई हो। पहचान किए जाने के बाद राज्य सरकार की ओर से ऐसे प्रत्येक मृतक व्यक्ति के आश्रितों को 30 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। पीठ ने कहा कि 21वीं सदी में अंतरिक्ष के क्षेत्र में उपलब्धियों का दावा करने के बावजूद यह कड़वी सच्चाई सामने आती है कि देश में जातिगत भेदभाव व सामाजिक कुप्रथाएं कायम हैं। मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया : अदालत ने कहा कि 2013 का अधिनियम सार्वजनिक या निजी नियोक्ता के आधार पर श्रमिकों के बीच कोई भेदभाव नहीं करता है।

90 फीसदी महाराष्ट्र पर सूखे का संकट मंडराया, सामना में ठाकरे खेमे का दावा

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि दोहरे इंजन वाली सरकार राज्य के बढ़ते कृषि संकट के प्रति उदासीन है, क्योंकि लंबे समय तक सूखे के कारण महाराष्ट्र के बड़े हिस्से सूखे की चपेट में आ रहे हैं। ठाकरे खेमे ने पार्टी के मुखपत्र सामना में चेतावनी दी है कि अगर पूर्वानुमान सही साबित होते हैं, तो अगले दो महीनों में राज्य के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से में भीषण सूखे का संकट आ जाएगा। वैश्विक अल नीनो की वजह से देशभर के 350 से अधिक जिलों में इसी तरह का सूखा पड़ रहा है, जिससे अनाज और पीने के पानी की भारी कमी की आशंका बढ़ गई है। संपादकीय में सवाल उठाया गया है कि क्या दोहरे इंजन वाली सरकार इस विकट संकट को लेकर चिंतित है।

संपादकीय में इस बात का विस्तार से वर्णन किया गया है कि प्रकृति ने महाराष्ट्र के कृषि समुदाय को किस प्रकार करारा झटका दिया है। राज्य के 36 में से 31 जिलों में बारिश नहीं हुई है, जिससे खड़ी फसलें संकटग्रस्त स्थिति में हैं और खेत सूखकर भीषण गर्मी से झुलस रहे हैं। छिटपुट हल्की बारिश को छोड़कर, इस क्षेत्र में 30 से 45 दिनों तक सूखा पड़ा रहा है, जिससे स्थानीय किसान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हालांकि मानसून से पहले की चेतावनियों में अल नीनो प्रभाव के कारण संभावित वर्षा की कमी की आशंका जताई गई थी, संपादकीय में इस बात पर कहा गया कि मौसम वैज्ञानिकों ने भी इसके प्रभाव की भयावहता का कम अनुमान लगाया था।

राज्य के 18 जिलों में तो सामान्य मानसून बिल्कुल भी नहीं आया है। संपादकीय के अनुसार, इस वर्ष मानसून की बारिश लगभग 15 दिन देरी से आई। जून में कम बारिश के बाद जुलाई में भारी वर्षा हुई, जिसके कारण प्रमुख क्षेत्रों में बुवाई में पूरे एक महीने की देरी हुई। मुंबई, पुणे, पश्चिमी महाराष्ट्र और नासिक जैसे क्षेत्रों में जुलाई के दौरान छिटपुट बारिश हुई, लेकिन अगस्त के पहले सप्ताह से पूरे राज्य में बारिश रुक गई और फिर से शुरू नहीं हुई। वहीं, जुलाई की शुरुआती बारिश से अस्थायी राहत मिली और फसलों की वृद्धि में तेजी आई। हालांकि जैसे ही फसलें अपने महत्वपूर्ण पुष्पन चरण में पहुंचीं। सोयाबीन में फली बनने लगीं, कपास में फली विकसित होने लगीं और मक्का में बालियां उगने लगीं, पानी की आपूर्ति सूख गई।

तलाक के बाद पत्नी ने की सर्टिफिकेट में बच्चे के पिता का नाम बदलने की मांग, हाई कोर्ट ने साफ मना किया

चंडीगढ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में पिता का नाम बदलने को लेकर आज महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि मां या पिता की दूसरी शादी से बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज उसके जैविक पिता का नाम नहीं बदला जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शादी, तलाक या दूसरी शादी जैसी बाद की घटनाओं से बच्चे के जन्म के समय दर्ज जानकारी नहीं बदलती। जन्म प्रमाणपत्र में बच्चे के जन्म और उसके माता-पिता की सही जानकारी दर्ज होती है। बच्चे के जन्म के समय जो जैविक तथ्य थे, उन्हें बाद में हुई किसी घटना के आधार पर बदला या खत्म नहीं किया जा सकता।

यानी माता-पिता की शादी या तलाक की स्थिति बदलने से बच्चे के जैविक माता-पिता की पहचान नहीं बदलती। ये मामला एक महिला की और से दायर याचिका से जुड़ा था। महिला ने अपने नाबालिग बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में पिता का नाम बदलने की मांग की थी। मौजूदा जन्म प्रमाणपत्र में बच्चे के जैविक पिता के तौर पर महिला के पूर्व पति का नाम दर्ज था जिसे दूसरी शादी के बाद महिला अपने दूसरे पति के नाम से बदलवाना चाहती थी। ये मामला एक महिला की याचिका से जुड़ा था। महिला ने अपने नाबालिग बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट में दर्ज पिता का नाम बदलने की मांग की थी। प्रमाणपत्र में बच्चे के जैविक पिता के तौर पर एक अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज था।

महिला ने बताया कि उसने दोबारा शादी कर ली है और अब बच्चे के पिता के तौर पर उसके दूसरे पति जगजीत सिंह का नाम दर्ज किया जाना चाहिए। इसी आधार पर उसने जन्म प्रमाणपत्र में माता-पिता से जुड़े विवरण बदलने की मांग की। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे के जन्म के समय जो जैविक तथ्य मौजूद थे, उन्हें बाद में हुई घटनाओं के आधार पर नहीं बदला जा सकता। तलाक या दूसरी शादी से बच्चे के जैविक माता-पिता की पहचान खत्म नहीं होती। कोर्ट ने कहा कि बर्थ सर्टिफिकेट बच्चे के जन्म और उस समय उसके माता-पिता से जुड़े तथ्यों का आधिकारिक रिकॉर्ड है। बाद में परिवार में हुए बदलाव मूल तथ्यों को नहीं बदल सकते।

कोर्ट का फैसला: बहन की शादी के लिए भी नहीं मिली जमानत

वीडियो कॉल से शादी देख सकेगा पुलवामा हमले का आरोपी

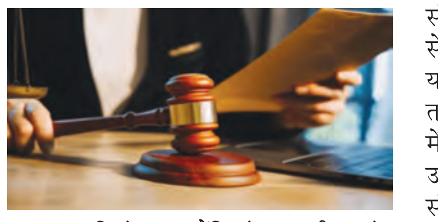

जम्मू, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की साजिश के आरोपी मोहम्मद इकबाल राथर को उसकी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आरोपी का व्यक्तिगत हित राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकता। हालांकि, मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अदालत ने उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शादी समारोह में शामिल होने की अनुमति दी है।

विशेष न्यायाधीश प्रेम सागर ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि शादी समारोह के अनुष्ठान परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा भी संपन्न कराए जा सकते हैं। एनआईए की ओर से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया। एनआईए ने तर्क दिया कि राथर दो गंभीर आतंकी मामलों में मुकदमे का सामना कर रहा है।

उसकी रिहाई से वह अपने सहयोगियों के संपर्क में आ सकता है, गवाहों को प्रभावित कर सकता है या मुकदमे की प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है। इस पर अदालत ने आगरा सेंट्रल जेल के अधीक्षक को निर्देश दिया है कि वह पांच और छह सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिये आरोपी की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए व्यवस्था करें और इसका लिंक परिजनों को पहले से उपलब्ध कराएं। अदालत ने आरोपी के पिता की बीमारी से जुड़े कोई मेडिकल दस्तावेज पेश न किए जाने और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की आगरा सेंट्रल जेल में बंद मोहम्मद इकबाल राथर ने पांच से 10 सितंबर तक 10 दिन की अंतरिम जमानत या हिरासत पैरोल की गुहार लगाई थी।

अमेरिका में पिज़्ज़ा रेस्टोरेंट से बड़े पैमाने पर ड्रग्स बेचने के आरोप में पंजाब के व्यक्ति पर केस

चंडीगढ़, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के रहने वाले भारतीय नागरिक कंवल प्रीत सिंह (50) पर कैलिफ़ोर्निया में एक पिज़्ज़ा आउटलेट से ड्रग्स (मेथामफेटामाइन) बेचने का आरोप लगाया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग के एक बयान में कहा गया है कि एक फ़ेडरल ग्रैंड ज्यूरी ने कंवल के ख़िलाफ़ आरोप पत्र (इंडिक्टमेंट) जारी किया है। इसमें उन पर मेथामफेटामाइन बेचने और ड्रग तस्करी के अपराध को आगे बढ़ाने के लिए हथियार रखने का आरोप है।

अदालत के दस्तावेज़ों के अनुसार, कंवल डिनुबा में 'राउंड टेबल पिज़्ज़ा' रेस्टोरेंट चलाते थे और वहीं से बड़े पैमाने पर मेथामफेटामाइन बेचते थे। सेंट्रल वैली में भारतीय संगठित अपराध की जांच में कंवल की अहम भूमिका सामने आई।

18 अगस्त को फ़ेडरल एजेंटों ने कंवल के घर और कारोबार की जगहों की तलाशी ली। उन्होंने 40 पाउंड से ज़्यादा मेथामफेटामाइन, तीन हथियार और 10,000 डॉलर से ज़्यादा नकद ज़ब्त किए। दोषी पाए जाने पर, सिंह को ड्रग तस्करी के लिए कम से कम 10 साल और ज़्यादा से ज़्यादा उम्रकैद की सज़ा, और 10 मिलियन डॉलर तक का जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा, ड्रग तस्करी के दौरान हथियार रखने के लिए कम से कम पांच साल की सज़ा (जो किसी अन्य सज़ा के साथ अलग से चलेगी) से लेक उम्रकैद तक की सज़ा हो सकती है। हालांकि, सज़ा का फ़ैसला अदालत करेगी। अदालत लागू कानूनी नियमों और फ़ेडरल सज़ा संबंधी दिशानिर्देशों (जो कई बातों को ध्यान में रखते हैं) पर विचार करने के बाद सज़ा तय करेगी। ये आरोप अभी सिर्फ़ आरोप हैं; आरोपी को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उचित संदेह से परे उसका अपराध साबित न हो जाए।

इस मामले की जांच फ़ेडरल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) और होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स ने की। यह मामला होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फ़ोर्स की पहल का हिस्सा है। यह सरकार की एक संयुक्त पहल है जो अमेरिका और विदेशों में काम करने वाले आपराधिक गिरोहों, विदेशी गैंग, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों और मानव तस्करी व तस्करी करने वाले नेटवर्क को खत्म करने के लिए समर्पित है।

83 .23 करोड़ के साइबर फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा 6 गिरफ्तार ; 109 चेकबुक और 12 मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। द्वारका जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ ने एक बड़े मल्टी-स्टेट साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क से देश के अलग-अलग राज्यों में दर्ज 89 साइबर ठगी की शिकायतें जुड़ी मिली हैं। इन मामलों में करीब 83.23 करोड़ की रकम शामिल है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 109 चेकबुक, 12 मोबाइल फोन समेत बैंक खातों और फर्जी कंपनियों से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह मामला एफआईआर नंबर 101/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2)/61(2)/3(5) और थाना द्वारका नॉर्थ में दर्ज किया गया था।

साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर उपलब्ध शिकायतों के विश्लेषण के दौरान द्वारका सेक्टर-23ए स्थित यस बैंक के एक संदिग्ध खाते का पता चला। जांच में सामने आया कि इस खाते में तेलंगाना, तमिलनाडु और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में हुई साइबर ठगी की रकम पहुंची थी। जांच में पता चला कि आरोपी अलग-अलग नामों से बैंक खाते और फर्म खुलवाते थे। इसके बाद ठगी की रकम को कई खातों के जरिए इधर-उधर किया जाता और बाद में नकद निकाल लिया जाता था। पुलिस के मुताबिक, कुछ म्यूल बैंक खाते मासूम लोगों को नौकरी देने या वेतन खाता खोलने का झांसा देकर खुलवाए गए थे। जांच में यस बैंक, फेडरल बैंक और एसबीआई समेत कई बैंकों में खोले गए खातों और फर्मों के इस्तेमाल का पता चला है। पुलिस का दावा है कि चेतन सहरावत इस सिंडिकेट का मुख्य हैंडलर था और बाकी आरोपी उसके निर्देश पर काम करते थे।

बैंक खातों के विस्तृत विश्लेषण में कई ऐसे खाते मिले, जिनमें समान भेजने वाले और लाभार्थी थे। इससे रकम को एक संगठित नेटवर्क के जरिए अलग-अलग खातों में इधर-उधर किए जाने का संदेह सामने आया। पुलिस ने समयबद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए 1,14,84,394 की रकम होल्ड कराई है। जांच में चेतन सहरावत के गौरव कादियान के साथ वित्तीय लेनदेन के अलावा माही इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से करीब 94,000 के लेनदेन का भी पता चला है। कंपनी की ओर से पुलिस को एसबीआई खाते में सिसुपाल एंटरप्राइजेज और प्लेंटिवा ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जमा कराई गई नकदी और आगे के लाभार्थियों से संबंधित जानकारी दी गई है।

कश्मीर में एनसीबी का बड़ा एक्शन

हेरोइन तस्करी के 2 रूट का खुलासा, पाकिस्तान-उरी और पंजाब से पहुंच रही थी खेप

जम्मू, 5 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नशे के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की जम्मू जोनल यूनिट ने हेरोइन की तस्करी के दो प्रमुख रास्तों का पता लगाया है। खुफिया जानकारी के आधार पर की गई कार्रवाई में सामने आया कि हेरोइन जम्मू-कश्मीर तक पाकिस्तान से उरी सेक्टर के जरिए और दूसरा पंजाब के रास्ते पहुंचाई जा रही थी। एनसीबी के प्रवक्ता के अनुसार, लगभग एक महीने के अंदर जम्मू डिवीज़न में हेरोइन पकड़ने के चार मामलों और पंजाब में उनसे जुड़े एक और मामले में एनसीबी ने कुल मिलाकर 6.920 किलोग्राम हेरोइन ज़ब्त की।

खास बात यह है कि इनमें से दो ऑपरेशन ड्रग्स से प्रभावित इलाकों में किए गए, ताकि ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल हो रहे संवेदनशील इलाकों में सीधे कार्रवाई की जा सके। एनसीबी ने 3 सितंबर, 2026 को हुए ऑपरेशन में सांबा में नए बस स्टैंड के पास एक यात्री बस को रोका और पुलवामा के काकापोरा निवासी आकिब बशीर से 522 ग्राम हेरोइन बरामद की। ब्यूरो ने तुरंत इस खेप के पीछे के नेटवर्क का पता लगाना शुरू किया। यह जांच पंजाब के लुधियाना तक पहुँची, जहाँ एक अलग ऑपरेशन में 197 ग्राम और हेरोइन बरामद की गई। इस तरह, सांबा-लुधियाना ऑपरेशन में अब तक कुल 719 ग्राम हेरोइन ज़ब्त की जा चुकी है, जबकि इस खेप की सप्लाई, ट्रांसपोर्ट और वितरण से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है। पंजाब वाला यह मामला एनसीबी जम्मू के एक और बड़े ऑपरेशन के ठीक बाद सामने आया, जिसमें 5.160 किलोग्राम हेरोइन ज़ब्त की गई थी। प्रवक्ता के अनुसार, उस मामले की जांच से पता चला कि खेप पाकिस्तान से आई थी और उरी सेक्टर के ज़रिए जम्मू-कश्मीर में दाखिल हुई थी।

एनसीबी ने ज़ब्ती वाली जगह से आगे लेह तक जांच की, जहाँ कथित सप्लायर को पकड़ा गया। इस प्रकार, इन दो जांचों से इस क्षेत्र में हेरोइन पहुंचाने वाले दो अलग-अलग सप्लाई चैनलों का पता चला, जिनमें एक पाकिस्तान सीमा के पार से शुरू होने वाला और दूसरा पंजाब-जम्मू-कश्मीर कॉरिडोर के ज़रिए चलने वाला है।

क्या कांग्रेस में घरवापसी की तैयारी कर रहे हैं कैप्टन अमरिंदर सिंह? हालिया रुख से अगले कदम पर तेज हुईं अटकलें

चंडीगढ़, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह के बदले सुरों ने सियासी चर्चाओं को हवा दे दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या कैप्टन फिर कांग्रेस में घर वापसी की कोशिश कर रहे हैं? इसकी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' वाले शब्द पर उनका सवाल उठाना और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से हालिया नजदीकी को माना जा रहा है। हालांकि, अमरिंदर सिंह की ओर से कांग्रेस में लौटने को लेकर कोई सीधा संकेत नहीं दिया गया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी से इसे स्पष्ट रूप से परिभाषित करने को कहा है।

उन्होंने पूछा कि 'दिमागी नक्सल' से आखिर क्या मतलब है और इस श्रेणी को लोकतांत्रिक तरीके से जताई जाने वाली वैध असहमति से किस तरह अलग किया जाएगा? अमरिंदर सिंह का कहना है कि सरकार की आलोचना करना नक्सलवाद नहीं माना जा सकता। शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करना भी नक्सलवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर प्रदर्शन करने वाला छात्र, नौकरी की मांग करने वाला बेरोजगार युवक या सरकार की किसी नीति को चुनौती देने वाला किसान केवल विरोध करने की वजह से नक्सली नहीं बन जाता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 'दिमागी नक्सल' कोई अलग कानूनी अपराध की श्रेणी नहीं है।

जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा ट्रायल कोर्ट

गलत तरीके से पढ़ी एफएसएल रिपोर्ट, एमपी हाईकोर्ट ने रद्द की उम्रकैद की सजा

जबलपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने हत्या के एक आपराधिक प्रकरण में निचली अदालत के कामकाज पर गहरी नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अपीलकर्ता को पूरी तरह दोषमुक्त कर दिया है। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट अपनी जिम्मेदारी को ठीक और सावधानी से निभाने में पूरी तरह नाकाम रहा है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस ए.के. सिंह की युगलपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अपीलकर्ता लोटन लोधी की ओर से दमोह जिला न्यायालय के विशेष न्यायाधीश उदय सिंह मरावी द्वारा 31 अक्टूबर 2025 को दिए गए उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें उसे हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

अपील में कहा गया था कि घटना का कोई भी चश्मदीद गवाह नहीं था और यह पूरा मामला केवल तीन कमजोर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर टिका हुआ था, जिनकी कड़ियां आपस में मेल नहीं खाती थीं। सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने पाया कि मुख्य गवाह छोटेलाल अहिरवार के बयानों और पुलिस के मेमोरेंडम में भारी विरोधाभास था। गवाह के अनुसार मृतक और अपीलकर्ता एक साथ बैठे थे, जहां से शराब लाने की बात कही गई थी।

लेकिन पुलिस ने मुख्य गवाह के धारा 161 के तहत बयान घटना के पूरे 13 दिन बाद दर्ज किए थे, और अभियोजन पक्ष इस भारी देरी का कोई ठोस कारण नहीं बता सका। इसके अलावा, पुलिस द्वारा अपीलकर्ता के घर से बरामद किए गए मोबाइल और नोटों को लेकर भी अभियोजन पक्ष कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं कर पाया कि वे मृतक के ही थे।

इस मामले का सबसे अहम पहलू यह रहा कि एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी) की रिपोर्ट के अनुसार अपीलकर्ता के पास से जब्त की गई किसी भी वस्तु पर इंसानी खून नहीं पाया गया था, जबकि केवल मृतक के कपड़ों पर इंसानी खून होने की पुष्टि हुई थी। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने अपने आदेश में यह गलत निष्कर्ष दर्ज कर दिया कि अपीलकर्ता से जब्त चीजों पर इंसानी खून मिला था। हाईकोर्ट ने इसे बेहद गंभीरता से लिया और कहा कि अदालत ने रिकॉर्ड पर न होने वाली बात को फैसले का हिस्सा बनाया। युगलपीठ ने अपने आदेश में यह भी कड़ी टिप्पणी की कि संवेदनशील मामलों को संभालने के मामले में संबंधित ट्रायल कोर्ट के पीठासीन अधिकारी के आदेश से उनकी उपयुक्तता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। अदालत ने आदेश दिया कि इस मामले के मूल्यांकन के लिए इसे हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस के समक्ष रखा जाए, ताकि वे इस संबंध में उचित निर्णय ले सकें।

इस फैसले ने न्यायिक समीक्षा और निचली अदालतों के कामकाज में पारदर्शिता को लेकर एक बड़ा संदेश दिया है।

निशु आजाद मामले पर सियासी बवाल! कांग्रेस-बीजेपी में घमासान, किसने-क्या कहा?

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में सीजेपी एक्टिविस्ट निशु आजाद के पिता संजय कुमार के साथ कथित मारपीट के मामले में गिरफ्तार स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी को लेकर सियासी बवाल बढ़ गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर स्वतंत्र भारद्वाज को लेकर सवाल उठाए। वहीं बीजेपी ने समुदाय को बांटने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा और कट्टा इस्तेमाल करने की धमकी देने वाले व्यक्ति की पहुंच बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और सांसद मनोज तिवारी तक कैसे हुई।

पवन खेड़ा ने 2026 के स्वतंत्रता दिवस समारोह और 2024 में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के कथित विशेष पास को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या भारद्वाज प्रधानमंत्री मोदी के जेनजी आउटरीच के दूत है। संजय आजाद पर हमले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि स्वतंत्र भारद्वाज का वीडियो करोड़ों लोग देख रहे हैं, जिस तरह वह आतंकवादी की तरह बात कर रहा है और नाम किसका ले रहा है, ऐसे व्यक्ति का जो कि पूर्वी दिल्ली में दंगों के लिए जिम्मेदार है।

उनको अपना बड़ा भाई बता रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग पाल रखे हैं बीजेपी ने। उन्होंने पूछा कि मोदी जी को ऐसे ही लोग पसंद हैं क्या? साथ ही कहा कि बीजेपी को इसका जवाब देना होगा। निशु आजाद मामले पर छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि निशु पूरा देश आपके साथ है। हम भी आपके साथ हैं और बीजेपी का एक-एक कार्यकर्ता आपके साथ है, पीएम मोदी आपके साथ हैं आपको बिल्कुल घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी घटना पर समुदाय के नाम पर लोगों को बांटना उचित नहीं है और देशहित की चिंता करनी चाहिए। इसी मामले को लेकर आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा कि एक व्यक्ति खुलेआम कह रहा है कि वह कितना प्रभावशाली है, कि फलां व्यक्ति उसका भाई है और इस दौरान उसने किसी को नहीं बख्शा। ऊपर से लेकर बीच के स्तर तक सभी इसमें शामिल हैं,

इसलिए इस बारे में कुछ भी कहना बाकी नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के इस मामले पर ध्यान देने से पहले ही पुलिस को स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए थी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि यह घटना अत्यंत गंभीर है। जिस तरीके से एक व्यक्ति खुलेआम इस बात को कबूल कर रहा है कि उसने किसी को इतना मारा कि संभवतः उनकी हत्या हो सकती थी। इस बात को खुलेआम पॉडकास्ट पर कबूल करना और उसके बाद भी अगर उसपर कार्रवाई नहीं होगी तो मैं मानता हूं कि यह बहुत गलत उदाहरण देश और जनता के सामने जाएगा।

अमेरिका ने ईरानी टैंकर पर मिसाइल दागी

खार्ग आइलैंड के पास धमाका, ट्रम्प ने परमाणु ठिकाने पिकैक्स को उड़ाने की धमकी दी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने शनिवार को ईरानी तेल टैंकर को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, खार्ग आइलैंड के पास ईरान का तेल ले जा रहे टैंकर पर अमेरिका ने 4 मिसाइलें दागीं। इसके बाद धमाका सुना गया।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के बेहद सुरक्षित भूमिगत परमाणु ठिकाने पिकैक्स माउंटेन पर जल्द जोरदार हमला करने की चेतावनी दी है। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस ठिकाने पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। अगर किसी तरह की भी एक्टिविटी दिखाई दी तो हमला हो सकता है।

ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ पिछले पांच महीने से चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अभियान का सबसे बड़ा मकसद ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है।

पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन केंद्र के पास है। नतांज पर पहले ही भारी नुकसान हो चुका है। पिकैक्स जमीन के अंदर बना बेहद मजबूत और सुरक्षित परिसर है। इसमें जमीन के काफी नीचे दो बड़े सुरंग सिस्टम बताए जाते हैं।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली खुफिया अधिकारियों का मानना है कि ईरान ने हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरे भूमिगत ठिकाने पर पहुंचा दिए हैं। सेंट्रीफ्यूज का इस्तेमाल यूरेनियम को संवर्धित करने के लिए किया जाता है।

पिकैक्स माउंटेन जमीन के काफी नीचे होने की वजह से सामान्य हवाई हमलों से इसे नुकसान पहुंचाना मुश्किल है। ऐसे में अगर अमेरिका इस ठिकाने पर हमला करता है तो यह ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ चल रहे अभियान को और बड़ा रूप दे सकता है। खार्ग आइलैंड होर्मुज स्ट्रेट के बेहद करीब है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक है। दुनिया का करीब 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। अगर इस इलाके में तनाव बढ़ता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है तो पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है और कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। कुछ अनुमानों के मुताबिक अगर यहां से सप्लाई रुकती है तो तेल की कीमत प्रति बैरल करीब 10 डॉलर तक बढ़ सकती है।

वहीं, खार्ग आइलैंड ईरान के तेल कारोबार के लिए भी बेहद अहम है। यहां से ईरान के करीब 90% तेल का निर्यात होता है। इसलिए तनाव बढ़ने से ईरान की तेल से होने वाली कमाई अचानक गिर सकती है। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होने से बचा है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ने कार्रवाई नहीं की होती तो इजराइल और पूरे पश्चिम एशिया को ज्यादा गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता। ट्रम्प ने कहा, अगर हम वहां नहीं जाते तो आज इजराइल नहीं होता, मध्य पूर्व नहीं होता और वे शायद इसके बाद यूरोप और हमारे शहरों को निशाना बनाते। लेकिन हमने उन्हें पांच महीने में परमाणु हथियार बनाने से रोक दिया।

ट्रम्प ने ईरान के रडार सिस्टम पर किए गए हालिया अमेरिकी हमलों के बारे में भी बात की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के बेहद आधुनिक रडार सिस्टम को दो बार नष्ट किया है।

फर्जी सिम और गिफ्ट वाउचर से ठगी, दो गिरफ्तार

तीन मोबाइल और तीन सिम कार्ड बरामद, पुलिस पूरे सिंडिकेट की तलाश में जुटी

जामताड़ा, 5 सितंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा पुलिस को साइबर ठगी के खिलाफ सफलता मिली है। पुलिस ने फर्जी सिम कार्ड और गिफ्ट वाउचर का इस्तेमाल कर लोगों को ठगने वाले गिरोह के दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

साइबर डीएसपी अमित रविदास ने बताया कि एसपी शंभू कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एक खास टीम बनाई गई और छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मुस्ताक अंसारी (23), और मोहम्मद अमजद अंसारी को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किए गए।

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे फर्जी सिम कार्ड के जरिए साइबर ठगी करते थे। वे आधे दाम पर गिफ्ट वाउचर खरीदकर ऑनलाइन खरीदारी में उनका इस्तेमाल करते थे। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि फर्जी सिम कार्ड और गिफ्ट वाउचर की खरीद-बिक्री का नेटवर्क कहां से चलता है और यह सिंडिकेट किन-किन इलाकों तक फैला हुआ है।

दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के सैन्य अड्डे में जोरदार धमाका

10 से ज्यादा लोगों की मौत, 58 घायल पटाखे रखने वाली जगह में हुआ विस्फोट

वियाचा रे, 5 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के पश्चिमी शहर वियाचा में शुक्रवार को एक सैन्य अड्डे पर जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 58 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 10 से 15 के बीच हो सकती है। बोलीविया के रक्षा मंत्री अर्नेस्टो जस्टिनियानो ने बताया कि घायलों में ज्यादातर 52 आम नागरिक हैं, जबकि बाकी सैन्यकर्मी हैं। रक्षा मंत्री के मुताबिक, विस्फोट स्थानीय समय के अनुसार दोपहर करीब 2:30 बजे उस जगह हुआ, जहां रक्षा मंत्रालय का पटाखों का स्टॉक रखा था।

मौके पर एंबुलेंस, मेडिकल टीम और पुलिस को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने विस्फोट की वजह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद बचाव दल घायलों का इलाज करने के साथ उनके परिवारों की मदद में जुट गए। घायलों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में भेजा गया है। इनमें एक बच्ची भी शामिल है, जो करीब 90% जल गई है।

धमाके से आसपास के कई घरों को भी नुकसान पहुंचा और खिड़कियां टूट गईं।

फायर ब्रिगेड ने बताया कि घटनास्थल पर अभी भी गर्मी का स्रोत मौजूद है, जिससे दोबारा धमाका होने का खतरा है।

लोगों को घटनास्थल से कम से कम 150 मीटर दूर रहने को कहा गया है।

माउंट एवरेस्ट पर ग्लेशियर पिघला रहा इंसान का पेशाब

हर साल 2,500 टन बर्फ बन रही पानी, बेस कैंप बने मुसीबत

काठमांडू, 5 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में बीते महीने के आखिर में आई विनाशकारी बाढ़ के पीछे हिमालय में ग्लेशियर का ढहना माना जा रहा है। इसने ग्लेशियर पिघलने और इससे पैदा होने वाले खतरों पर बहस को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इस बीच एक नई स्टडी में सामने आया है कि ग्लोबल वार्मिंग और दूसरे कारणों के साथ-साथ इंसान का पेशाब किसी ग्लेशियर के पिघलाने का बड़ा कारण है, जो माउंट एवरेस्ट पर हो रहा है। खासतौर से एवरेस्ट पर लगने वाले कैंप इसमें बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

नेपाली और अमेरिकी वैज्ञानिकों की रीजनल एनवायर्नमेंटल चेंज जर्नल में पब्लिश स्टडी से पता चलता है कि हर साल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पर्वतारोहियों का पेशाब क्लाइंबिंग सीजन यानी हर साल करीब 2500 टन बर्फ पिघला रहा है। एवरेस्ट बेस कैंप खुम्बु ग्लेशियर के ऊपर लगता है। ग्लेशियर पर हर साल 1,600 टेंट लगते हैं। इनमें किचन, शॉवर, जनरेटर, वाई-फाई और दूसरी सुविधाएं होती हैं। इनसे निकलने वाली गर्मी जमीन का तापमान बढ़ाती है।

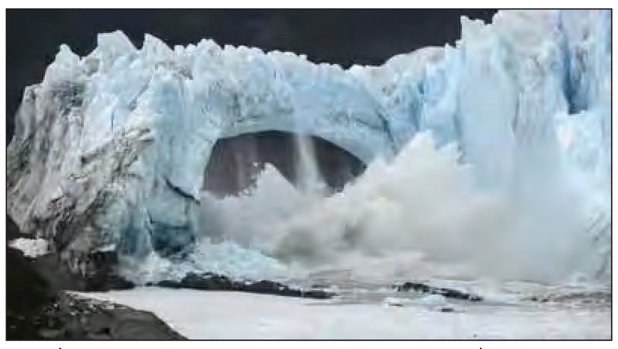

नई स्टडी में इस बात पर ध्यान दिया गया कि ग्लोबल वार्मिंग और फॉसिल फ्यूल के इस्तेमाल के साथ-साथ इंसानी पेशाब ग्लेशियर को पिघलाने का कारण बन रहा है। ऊंचाई पर होने के कारण पर्वतारोहियों को ज्यादा पानी पीना पड़ता है, जिससे उन्हें ज्यादा पेशाब आता है। 2023 के सीजन में हर दिन 6,766 लीटर पेशाब यहां बहा। एक्सपर्ट का कहना है कि पेशाब की गर्मी ग्लेशियर को पिघलाती है। रिसर्चर्स ने कहा कि एक क्लाइंबिंग सीजन में ग्लेशियर की 154 टन बर्फ पिघल गई। हालांकि यहां इंसानी पेशाब सबसे बड़ा कारण नहीं है। शरीर से 37 डिग्री सेल्सियस पर निकलने के बाद यह ठंडा हो जाता है। रिसर्चर्स ने देखा कि इस स्थिति में यह कितनी बर्फ पिघला सकता है। उन्होंने पाया कि उस गर्मी का बहुत कम हिस्सा बर्फ तक पहुंचता है, क्योंकि बाकी गर्मी हवा या चट्टानों में चली जाती है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि हिमालय का तापमान दूसरे इलाकों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। साल 2000 के बाद यहां बर्फ पिघलने की रफ्तार पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुनी हो गई है। बेस कैंप की सतह का तापमान खुम्बु ग्लेशियर के दूसरे हिस्सों की तुलना में और ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है।

क्रशर प्लांट में मशीन का हिस्सा टूटकर गिरा

4 मजदूरों के दबे होने की आशंका

मिर्जापुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के अहरौरा इलाके में एक क्रशर प्लांट में डस्ट हटाने के दौरान मशीन का भारी हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मलबे के नीचे करीब चार मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसा दोपहर करीब 3 बजे अहरौरा इलाके में पिंटू सिंह पटेल के क्रशर प्लांट में हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ चुनार मो. फहीम के अनुसार, मलबे में चुनार थाने के बरगवां निवासी लाल बहादुर पुत्र दुलारे, अशोक पुत्र बसंत, राकेश पुत्र राम जी और दुर्योधन पुत्र झींगई के दबे होने की आशंका है।

नेपाल में विदेश मंत्री बनाम वित्त मंत्री

बाढ़ पर मुआवजे को लेकर बालेन शाह प्रशासन में खटपट, चीन के दबाव में झुके?

काठमांडू, 5 सितंबर (एजेंसियां)। रसुवा में आए 'हिमालयी सुनामी' और 1200 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद नेपाल में मुआवजे की मांग पर बालेन शाह सरकार में मतभेद की रिपोर्ट्स हैं। दो सूत्रों ने बताया है कि मुआवजे को लेकर वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले और विदेश मंत्री शिशिर खनाल के बीच मतभेद हैं। नेपाल इस त्रासदी के लिए मुआवजा चाहता है और विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने पहले चीन, अमेरिका और भारत से मुआवजे की मांग की थी लेकिन अब विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने मीडिया में आकर मुआवजे की बात से इनकार कर दिया।

नेपाल सरकार ने मुआवजा मांगने का तरीका अब बदल लिया है। नेपाल सरकार ने अब यूनाइटेड नेशंस के 'लॉस एंड डैमेज फंड' से मुआवजे की मांग की है। सरकार का कहना है कि रसुवा में आई बाढ़ और उससे हुई तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन और उससे पैदा हुआ संकट था।

नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने यूएन को एक चिट्ठी लिखी है जिसमें उन्होंने मुआवजे की मांग की है। जबकि शिशिर खनाल मुआवजे की मांग से पीछे हट गये हैं।

प्रधानमंत्री बालेन शाह यूनाइटेड नेशंस की सलाना बैठक के दौरान जलवायु परिवर्तन की वजह से नेपाल पर पड़ने वाले असर की बात उठाने वाले हैं। वो इस दौरान चीन, अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों की शिकायत यूएनजीए में करने वाले हैं और मुआवजे की मांग करने वाले हैं।

हालांकि शुक्रवार को नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने मीडिया में आकर बयान दिया और उन्होंने मुआवजे की रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया।

सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले मुआवजे को लेकर सख्ती दिखा रहे हैं जबकि ऐसा लग रहा है कि विदेश मंत्री शिशिर खनाल चीन की दबाव में आ गये हैं। शिशिर खनाल ने पहले स्थानीय मीडिया से बात करते हुए कहा था कि चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े औद्योगिक उत्सर्जक देशों की 'नेपाल जैसे कमजोर देशों को मुआवजा देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी' है।

इस बयान की मीडिया में काफी आलोचना हुई जिसके बाद खनाल ने 4 सितंबर को एक अलग बयान जारी किया।

यूएन ने बदला दुनिया का नक्शा, अमेरिका ने विरोध किया

नए मैप में अफ्रीका बड़ा, यूरोप-यूएस छोटे

वाशिंगटन, 5 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया का नक्शा अब कुछ बदला नजर आएगा। इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को ऐतिहासिक प्रस्ताव पास किया है। भारत ने भी प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। अमेरिका प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने वाला अकेला देश रहा।

इस फैसले से देशों और महाद्वीपों के क्षेत्रफल पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बस इनका आकार पहले से थोड़ा छोटा या बड़ा दिख सकता है।

अब तक धरती पर देशों और महाद्वीपों को दिखाने के लिए मर्केटर वर्ल्ड मैप का उपयोग किया जाता था। इसमें देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल से बड़ा या छोटा दिखता था। नए नक्शे का नाम इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन है। इसमें अफ्रीका पहले से काफी बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्सों का आकार भी पहले से छोटा दिखेगा।

भारत की वास्तविक जमीन, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रफल में कोई बदलाव नहीं होगा। यह बदलाव देशों की सीमाएं बदलने वाला नहीं, बल्कि नक्शे पर पृथ्वी को दिखाने का तरीका बदलने वाला है। भारत का नक्शा देखने में भी थोड़ा अलग दिख सकता है, लेकिन भारत के मामले में बदलाव बहुत बड़ा नहीं होगा।

नया नक्शा क्षेत्रफल सही अनुपात में दिखाता है। पुराने नक्शे में भूमध्य रेखा के आसपास के इलाके अपने आकार से छोटे और ध्रुवों के पास के इलाके बड़े दिखते हैं।

भारत भूमध्य रेखा से बहुत दूर नहीं है, इसलिए पुराने नक्शे में भी उसका आकार कुछ हद तक छोटा दिखता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव के पक्ष में 164 देशों ने वोट दिया, जबकि 6 देश वोटिंग से दूर रहे। अमेरिका ने इस पहल की कड़ी आलोचना की। अमेरिकी प्रतिनिधि यारिना फेरेन्सेविच ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को दुनिया की असली समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि 16वीं सदी के नक्शे को बदलने जैसी बहस पर।

उन्होंने इसे एक वैचारिक एजेंडा बताया और कहा कि ऐसी बहसों की वजह से संयुक्त राष्ट्र अपनी विश्वसनीयता खो रहा है।

वहीं, अफ्रीकी संघ ने इस फैसले का स्वागत किया। उसने दुनिया के नए नक्शे को ज्यादा सटीक और बराबरी वाला बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

बुर्का पहनकर घर में घुसे लुटेरे, जेवर-पैसे बंटवारे को लेकर हुआ विवाद तो खुली पोल

ज्वेलरी-मोबाइल, पिस्टल और कार-बाइक बरामद, 6 गिरफ्तार

बिलासपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र में पिस्टल की नोक पर लूट और चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक गिरोह के 6 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरोह में शामिल आरोपियों के बीच लूटे हुए गहने और पैसे के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। जिससे उनकी पोल खुल गई।

पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत 6 आरोपियों को पकड़ा है। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल की गई एक पिस्टल, लूटे गए सोने के जेवरात, एक कार, एक बाइक और 6 मोबाइल फोन सहित लूट का पूरा माल बरामद किया गया है।

एएसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह ने बताया कि, 8 जुलाई को बेलगहना रेलवे स्टेशन से 7,430 रुपए का कलेक्शन लेकर जा रहे एक रेलवे कर्मचारी को सलका डैम मोड़ के पास धक्का देकर उसका बैग लूट लिया था। इसके बाद 18 जुलाई को आरोपियों ने बुर्का पहनकर राजकुमारी जायसवाल के घर पर धावा बोला। वहां उन्होंने मारपीट की और हथियार का भय दिखाकर करीब 50 हजार रुपए के सोने के जेवर लूट लिए।

लूट की रकम के बंटवारे को लेकर विवाद से खुली पोल

पुलिस के मुताबिक, दोनों मामलों की जांच के दौरान संदेहियों पर नजर रखी जा रही थी और मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया था। लूट के करीब डेढ़ महीने बाद 2 सितंबर को कोटा पेट्रोल पंप के पास लुटेरों के बीच आपस में मारपीट हो गई। इनमें से एक युवक सीधे थाने पहुंच गया और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने जब विवाद के कारणों को लेकर अलग-अलग तरीके से सख्ती से पूछताछ की, तो शिकायतकर्ता ने पूरी सच्चाई उगल दी। इसके बाद पुलिस ने गुरुवार को दिनभर धरपकड़ अभियान चलाकर सभी आरोपियों को दबोच लिया और शुक्रवार को मामले का विधिवत खुलासा किया।

एएसपी मधुलिका सिंह ने बताया कि गिरोह का मुख्य सूत्रधार मंझगांव निवासी राकेश जायसवाल था। उसने अपने साथी दिव्यांशु जायसवाल और आदर्श तिवारी के साथ मिलकर इन वारदातों की साजिश रची थी। वारदात के लिए आरोपी सनी सिंह उन्हें मध्य प्रदेश के रीवा ले गया था, जहां उसने अपने भाई के जरिए अवैध पिस्टल उपलब्ध कराई।

चीन के सामने बिना बिजली 4 दिनों तक भटकता रहा अमेरिकी युद्धपोत

वॉशिंगटन, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की गिनती दुनिया की महाशक्तियों में होती है। इसका कारण सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि उसकी सैन्य ताकत भी है। लेकिन, क्या हो जब कोई कहे कि अमेरिका की सैन्य शक्ति पर अब बट्टा लग चुका है।

हाल में ही पूरी दुनिया ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन की तस्वीरें देखी हैं, जिसमें वह किसी कबाड़ से ज्यादा नजर नहीं आ रहा। लेकिन, अब खुलासा हुआ है कि जुलाई में अमेरिकी नौसेना का एक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर दक्षिण चीन सागर में बिना बिजली के चार दिनों तक भटकता रहा था। यह वही इलाका है, जिसके चप्पे-चप्पे पर चीन की नजर रहती है। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक रैंड कॉर्पोरेशन में वरिष्ठ नीति शोधकर्ता और अमेरिकी नौसेना के पूर्व कप्तान ब्रैड मार्टिन ने कहा कि दक्षिण चीन सागर में बिजली के बिना भटकता हुआ अमेरिकी गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर इस बात का संकेत है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका का अभियान लंबा खिंचने के कारण वह अपनी रिजर्व क्षमता पर दबाव डाल रहा है। उन्होंने यह भी कहा, यह एक बेहद असामान्य घटना है और इसके पीछे कई तरह के उपकरण और प्रक्रिया संबंधी विफलताएं हुई होंगी। इस तरह की विफलताएं मेंटीनेंस में देरी और ट्रेनिंग की कमियों जैसे मुद्दों का एक अनुमानित परिणाम हैं। अमेरिकी नौसेना ने बताया था कि उसका गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस बेनफोल्ड में जनरेटर से संबंधित एक इंजीनियरिंग खराबी के कारण 24 जुलाई को बिजली चली गई। इसके चलते लगभग 10,000 टन वजनी आर्ले बर्क-क्लास डिस्ट्रॉयर दक्षिण चीन सागर में चार दिनों तक बिजली के बिना फंसा रहा।

अमेरिकी सातवें बेड़े के प्रवक्ता कमांडर मैथ्यू कॉमर ने बयान में कहा कि यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नियमित अभियान चलाते समय विध्वंसक पोत की बिजली चली गई।

14,800 प्लास्टिक बोतलों से बना डाला 5 बेडरूम का डुप्लेक्स

नाइजीरियाई इंजीनियर अहमद का कारनामा देख दुनिया दंग

अबूजा, 5 सितंबर (एजेंसियां)। क्या आपने पहले कभी सुना है कि जिन बोतलों का इस्तेमाल करने के बाद आप कचरे के डिब्बे में फेंक देते हैं उनका इस्तेमाल कर कोई आदमी घर बना ले। नाइजीरिया के कडुना शहर में इंजीनियर याहया अहमद ने करीब 10 सालों की मेहनत के बाद दुनिया को चौंका दिया है। उनके पहले मॉडल घर में रेत से भरी 14,800 प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल किया गया है। यह प्रयोग आगे चलकर निर्माण की एक बड़ी पहल बन गया।

'पंच' के साथ एक इंटरव्यू में 'डेवलपमेंटल एसोसिएशन ऑफ रिन्यूएबल एनर्जीज़' के डायरेक्टर अहमद ने बताया कि उन्होंने यह तकनीक कैसे सीखी, पहला मॉडल कैसे बनाया और फिर 15 घर कैसे बनाए। उन्होंने जिन प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया उनमें इबादान में तीन बेडरूम वाला घर और अबुजा में पांच बेडरूम वाला डुप्लेक्स शामिल है। उन्होंने इस तरीके के फायदों के बारे में भी बात की जैसे कि निर्माण में काफी कम लागत, इंसुलेशन और बेकार प्लास्टिक की बोतलों का सही इस्तेमाल करने की संभावना।

अहमद ने जर्मनी में उस व्यक्ति से यह कंस्ट्रक्शन तकनीक सीखी जिसने इसे ईजाद किया था। बाद में उन्होंने इस तरीके को नाइजीरिया लाने के लिए गैर-सरकारी संगठनों के साथ काम किया। वहां नालियों और खेतों जैसी जगहों से प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा करने का काम शुरू करने से पहले उन्होंने ट्रेनिंग का आयोजन किया। पहला मॉडल 2012 या 2013 के आसपास बनाया गया था। उस समय बोतलें इकट्ठा करना काफी आसान था क्योंकि बड़ी संख्या में बोतलें यूं ही फेंक दी जाती थीं।

अहमद और उनकी टीम ने बेरोजगार युवाओं के साथ काम किया और उन्हें बोतलें इकट्ठा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे यह काम अस्थायी रोजगार का एक जरिया बन गया। धीरे-धीरे इस प्रोजेक्ट ने लोगों का ध्यान खींचा और फिर नाइजीरिया के अलग-अलग हिस्सों में ट्रेनिंग प्रोग्राम और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट शुरू किए गए।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाला में पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते को लगा बड़ा झटका

रांची, 5 सितंबर (एजेंसियां)। जेपीएससी नियुक्ति घोटाले में पूर्व अध्यक्ष एल ख्यिांगते को सीआईडी कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सीआईडी कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पूर्व, 3 सितंबर को दोनों पक्षों की ओर से विस्तृत बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। बचाव पक्ष के वकील ने तर्क प्रस्तुत किया कि उनके मुवक्किल के विरुद्ध कोई ठोस सबूत मौजूद नहीं है। एल ख्यिांगते की ओर से अदालत में दावा किया गया था कि जांच एजेंसी की गई छापेमारी में भी ऐसा कोई आपत्तिजनक दस्तावेज या साक्ष्य नहीं मिला जो उन्हें दोषी ठहराए, इसलिए उन्हें जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए।

अजा एकादशी कल: व्रत का महात्म्य

मुहूर्त, पूजा विधि और व्रत का महत्व

अजा एकादशी का व्रत भाद्रपद कृष्ण एकादशी तिथि को किया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान होता है। पद्मपुराण में भी अजा एकादशी व्रत का महात्म्य बताया गया है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक एकादशी का व्रत करने से अत्यंत पुण्य फल प्राप्त होता है।

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का खास महत्व बताया गया है। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी तिथि को अजा एकादशी के नाम से जाना जाता है।

इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा व व्रत किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और अनजाने में किए पाप कटित होते हैं। पद्म पुराण में भी अजा एकादशी के व्रत का महात्म्य बताया गया है।

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 6 सितंबर, रविवार के दिन शाम को 7 बजकर 30 मिनट पर होगी। वहीं, अगले दिन यानी 7 सितंबर, सोमवार को शाम के 5 बजकर 5 मिनट तक एकादशी तिथि व्याप्त रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 7 सितंबर को अजा एकादशी का व्रत किया जाएगा। इस दिन व्रत रखना अत्यंत शुभ और पुण्य फलदायक माना गया है।

भाद्रपद कृष्ण एकादशी तिथि आरंभ 6 सितंबर को शाम में 7 बजकर 30 मिनट पर

भाद्रपद कृष्ण एकादशी तिथि समाप्त 7 सितंबर को शाम में 5 बजकर 5 मिनट पर

अजा एकादशी व्रत 7 सितंबर, सोमवार

एकादशी तिथि के दिन व्रती को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना उत्तम माना जाता है। नित्यकर्म करने के बाद सबसे पहले मन में भगवान विष्णुजी का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लेना चाहिए। फिर, घर के मंदिर की अच्छी तरह साफ-सफाई करें।

पूजा घर में एक लकड़ी की चौकी पर लाल या पीले रंग का साफ वस्त्र बिछाएं। अब चौकी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। फिर, चारों और गंगाजल का छिड़काव करें।

एक लोटे में पवित्र जल लेकर उसमें अक्षत, तिल और रोली मिला लें। भगवान विष्णु का अभिषेक करने के बाद उन्हें और देवी लक्ष्मी को धूप, दीप दिखाएं और ताजे पुष्प अर्पित करें।

विधि-विधान से पूजा-आरती करें और साथ ही, अजा एकादशी व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। इसके बाद, तुलसी जल और तिल का भोग मंदिर में लगाएं। एकादशी तिथि पर विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ और रात्रि में श्रीहरि के भजन व जागरण करना अत्यंत शुभ माना गया है। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं।

अजा एकादशी का महत्व

जन्माष्टमी के कुछ ही दिन बाद अजा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और रात्रि में जागरण करना का अत्यंत महत्व बताया गया है। साथ ही, व्रती को व्रत के दौरान मन में विष्णुजी का ध्यान और उनके मंत्रों का जप करना चाहिए। मान्यता है कि श्रद्धा भाव से एकादशी का व्रत करने से पाप कटित होते हैं और लोक से लेकर परलोक में भी इस व्रत का पुण्य फल मनुष्य को प्राप्त होता है।

कृष्ण ने गोपियों के वस्त्र क्यों चुराए थे?

कृष्ण की लीलाओं की बात करें तो जन्म से ही उन्होंने कुछ ऐसे चमत्कार दिखाने शुरू कर दिए थे जो उनके भक्तों को आज भी सम्मोहित करते हैं।

कभी कालिया नाग के ऊपर नृत्य करना, तो कभी पूतना का वध करना, कभी गोपियों की मटकी फोड़कर माखन चुराना, तो कभी माता यशोदा को मुंह के अंदर पूरे ब्रह्माण्ड के दर्शन करा देना।

वास्तव में द्वापर युग में श्री कृष्ण की लीलाएं कुछ अलग ही रूप में आकर्षित करती हैं। श्री कृष्ण की लीलाओं में से एक थी नदी में स्नान करती हुई गोपियों के वस्त्र चुराना।

श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध में बताया गया है कि कैसे ग्वालों की विवाह-योग्य कन्याओं ने भगवान श्री कृष्ण को पति के रूप में पाने के लिए कात्यायनी देवी की पूजा की और कैसे कृष्ण ने उन युवतियों के वस्त्र यमुना नदी के पास से चुरा लिए और उन्हें मर्यादा का ज्ञान कराया।

कृष्ण के गोपियों के वस्त्र चुराने की कथा क्या है?

मार्गशीर्ष महीने में, रोज सुबह-सुबह गोपिकाएं एक-दूसरे का हाथ पकड़कर कृष्ण के दिव्य गुणों का गुणगान करते हुए यमुना नदी में स्नान करने जाती थीं।

वो सभी श्री कृष्ण को जीवनसाथी के रूप में पाने की इच्छा रखती थीं और वो नियमित रूप से धूप, फूल और अन्य सामग्रियों के साथ देवी कात्यायनी की पूजा करती थीं। एक दिन, युवा गोपियों ने हमेशा की तरह अपने वस्त्र स्नान करते समय यमुना नदी के किनारे छोड़ दिए और भगवान कृष्ण की लीलाओं का गुणगान करते हुए पानी में खेलने लगीं। तभी अचानक कृष्ण जी स्वयं वहां आए और उनके सारे वस्त्र उठाकर कदंब के पेड़ पर चढ़ गए।

गोपियों को चिढ़ाने के लिए कृष्ण ने कहा, कि वो नदी के किनारे आएं और अपने वस्त्र स्वयं ही ले लें। उस समय गोपियां निर्वस्त्र स्नान कर रही थीं, इसलिए वो नदी से बाहर नहीं आ सकती थीं। ऐसे में श्री कृष्ण ने गोपियों को इस अवस्था में देखकर कहा कि उन्होंने देवताओं का अपमान किया है, इसके प्रायश्चित के लिए उन्हें हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए।

कृष्ण ने क्यों चुराए थे गोपियों के वस्त्र

गोपियों के वस्त्र चुराने के पीछे सबसे बड़ा कारण यह था कि गोपियां उस समय यमुना जैसी पवित्र नदी में निर्वस्त्र स्नान कर रही थीं, जो शास्त्रों के अनुकूल नहीं था।

कृष्ण जी इससे बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने गोपियों को सबक सिखाने के लिए ऐसा किया। उन्होंने गोपियों को बिना कपड़ों के नदी में स्नान करने के लिए मना किया और उनसे कहा कि उन्हें अपने पापों का प्रायश्चित करने के लिए अपने हाथ सिर पर रखने और जमीन पर झुककर प्रणाम करना होगा। गोपियां अपने इस कृत्य से शर्मिंदा थीं और उन्होंने वही किया जो कृष्ण ने कहा।

निर्वस्त्र स्नान जल के देवता का अपमान

कृष्ण जी ने गोपियों के वस्त्र इसलिए भी चुराए क्योंकि उनका निर्वस्त्र होकर स्नान करना जल के देवता वरुणदेव का अपमान करने जैसा था। कृष्ण जी गोपियों को इस बात का एहसास दिलाना चाहते थे कि गोपियों ने जो भी किया है उचित नहीं है।

यही नहीं गोपियां जिस अवस्था में स्नान कर रही थीं उस स्थान पर कोई भी उन्हें देख सकता था, जो ठीक नहीं था। कृष्ण जी गोपियों को यह संदेश देना चाहते थे कि वो मर्यादा में रहकर ही स्नान करें।

कृष्ण की लीलाओं में से खास थी यह लीला और इससे कृष्ण और गोपियों के अद्भुत रिश्ते को दिखाता है।

1,912 करोड़ के मालिक भगवान जगन्नाथ! 60,821 एकड़ जमीन रत्न भंडार अलग से : जानें देश के 5 सबसे धनवान मंदिर

पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर की संपत्ति से जुड़े ताजा आंकड़ों ने हर किसी का ध्यान खींचा है. मंदिर प्रशासन के मुताबिक, 31 अगस्त 2026 तक मंदिर के बैंक खातों में करीब 1,911.80 करोड़ जमा थे, जबकि देशभर में मंदिर के नाम 60,821 एकड़ जमीन दर्ज है. खास बात यह है कि रत्न भंडार में सुरक्षित सोना, हीरे और अन्य बहुमूल्य आभूषण इस आंकड़े से अलग हैं और उनकी सूची तैयार करने का काम जारी है. ऐसे में सवाल उठता है कि देश के सबसे धनवान मंदिरों में जगन्नाथ मंदिर का स्थान क्या है और इसके बाद कौन-कौन से मंदिर संपत्ति के मामले में आगे हैं?

भगवान जगन्नाथ के 1911.80 करोड़ बैंक में जमा

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (SJTA) के अनुसार, 31 अगस्त 2026 तक मंदिर के बैंक खातों में करीब 1,911.80 करोड़ जमा थे. इनमें 1,811.10 करोड़ फिक्स्ड डिपॉजिट में थे, जबकि करीब 100.71 करोड़ सेविंग, करंट और फ्लेक्सी खातों में थे. इसके अलावा मंदिर के नाम पर देशभर में 60,821 एकड़ जमीन दर्ज है. खास बात यह है कि यह आंकड़ा मंदिर के रत्न भंडार में रखे सोने, हीरे और अन्य बहुमूल्य आभूषणों से अलग है. रत्न भंडार की बहुमूल्य वस्तुओं की सूची और सत्यापन की प्रक्रिया लंबे अंतराल के बाद की जा रही है, इसलिए इनका मौजूदा कुल मूल्य अलग से सार्वजनिक नहीं हुआ है. लेकिन सवाल है कि जगन्नाथ मंदिर के बाद देश के कौन-कौन से मंदिर सबसे ज्यादा संपत्ति वाले माने जाते हैं?

1. श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, केरल

केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक खजानों में से एक के लिए प्रसिद्ध है. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंदिर के तहखानों की सूची तैयार किए जाने के बाद यहां सोने की मूर्तियां, हीरे-जवाहरात, पुराने सिक्के और बहुमूल्य आभूषण सामने आए थे. पांच तहखानों की सूची से जुड़े खजाने का अनुमानित मूल्य 1.2 लाख करोड़ से अधिक बताया जाता है, जबकि एक तहखाना अब भी अलग स्थिति में है.

तिरुमला तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर

आंध्र प्रदेश का तिरुमला तिरुपति देवस्थानम संपत्ति और सालाना आय के लिहाज से देश के सबसे बड़े धार्मिक संस्थानों में शामिल है. यहां हर साल देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और भारी मात्रा में नकद, सोना तथा अन्य चढ़ावा आता है. उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार TTD की कुल संपत्ति करीब 2.26 लाख करोड़ तक बताई गई है और सालाना राजस्व 5,000 करोड़ से अधिक रहा है।

शिरडी साई बाबा मंदिर

महाराष्ट्र का श्री साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट, शिरडी भी देश के प्रमुख धनवान मंदिर ट्रस्टों में गिना जाता है. यहां भक्तों द्वारा नकद के साथ सोना और चांदी भी चढ़ाई जाती है. उपलब्ध अनुमानों में ट्रस्ट की संपत्ति 2,500-3,000 करोड़ के आसपास बताई गई है।

वैष्णो देवी मंदिर

जम्मू-कश्मीर की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है. श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के कारण यहां हर साल भारी चढ़ावा आता है. मंदिर प्रशासन के पास दान के अलावा आवास और तीर्थयात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं से भी आय होती है. उपलब्ध आंकड़ों में इसकी संपत्ति 2,000 करोड़ से अधिक बताई गई है।

गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर

केरल का गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर भी देश के संपन्न मंदिरों में शामिल है. मंदिर के पास सोना, जमीन और बैंक जमा जैसी संपत्तियां हैं. उपलब्ध अनुमानों के अनुसार इसकी संपत्ति करीब 1,700-2,500 करोड़ के बीच बताई जाती है।

आखिर कौन है सबसे धनवान?

इस सवाल का एक ही निश्चित जवाब देना मुश्किल है, क्योंकि मंदिरों की संपत्ति का आकलन अलग-अलग तरीके से किया जाता है।

ऐतिहासिक खजाने के आधार पर पद्मनाभस्वामी मंदिर का नाम सबसे ऊपर आता है, जबकि ट्रस्ट की कुल संपत्ति और सालाना आय के लिहाज से तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बेहद आगे है. वहीं जगन्नाथ मंदिर के ताजा आंकड़े उसकी विशाल जमीन और बैंक जमा की वजह से उसे देश के सबसे बड़े धार्मिक संपत्ति वाले संस्थानों में शामिल करते हैं।

महानता की परिभाषा : लियोनेल मेसी

अतुल कुमार

फुट्बाल के दिग्गज खिलाडी लियोनेल मेसी ने अंतर्राष्ट्रीय फुट्बाल को अलविदा कह दिया . दुनिया भर की जवान पीढी के लिये वह जीनीयस आइकान रहे . जिन्होंने अपने खेल कौशल से सक्सेस कि यादगार कहानियां लिखीं . फुटबाल के खेल की नयी परिभाषा लिख " गोट " ग्रेट आफ आल टाइम्स कहलाये . मैदान पर जब भी उतरते तो विपक्षी टीम में खौफ पैदा करते , जिससे टीमें मानसिक दबाव में आतीं और सरेंडर कर देतीं .

मेसी के खेल का " औरा " ऐसा होता कि दर्शक भी उनसे किसी अजूबे की अभिलाषा रखते जिसको पूरा करते . सन 2005 में राष्ट्रीय टीम के साथ जिस सफर की शुरुआत की वह 2026 में दो महीने पहले हुई फीफा विश्व कप फुटबाल के फाइनल में स्पेन से अर्जंटीना को मिली हार के दर्द के साथ खत्म हुई . यह दर्द जीवन भर उनको सालता रहेगा क्यों कि स्पेन ने ऐसी चतुर स्ट्रेटेजी बनायी कि अर्जेंटीना को बिना खेले शिकस्त का दर्द झेलना पडा .यह खेल की शातिर चाल का नमूना था जिसे खेल प्रेमी कभी भुला नहीं पायेंगे . वह रोमांचक मैच दांतों तले उंगली दबाए रखने वाला था . लेकिन खेल तो खेल है किस के झोले में जायेगा इसका फैसला किस्मत ही करती है उस मैच ने यही सिद्ध किया .

हमेशा जर्सी नं 10 पहन जिस महान अर्जेंटीन खिलाडी ने विपक्षी टीमों के होश उडाये रखे वो मैच उनके कैरीयर का अंतिम मुकाबला सिद्ध हुआ . यह दर्शाता है कि समय बडा बलवान है उसकी कोख में क्या रखा है इसे कोई नहीं जान सकता ! जो खिलाडी बचपन में हार्मोन ग्रोथ की बीमारी से जूझ रहा था और जिसकी परवरिश उसकी दादी ने की थी उससे यह उम्मीद भी नहीं की जाती थी कि वह इतना ग्रेट प्लेयर बनेगा .बचपन में पिता ने उसे मन बहलाने के लिये एक फुटबाल ला कर दी . उस फुटबाल में इतना ग्रेट प्लेयर छिपा है इसका फैसला वक्त ने किया और उनको कामयाबी की उन उंचाइयो तक पहुंचाया जो खेल की गोल्डन हिस्ट्री बना . लियोनेल मेसी फुट्बाल के सिर्फ खिलाडी नहीं बल्कि एक अजूबा रहे जिन्होंने अपनी किक से कई सुनहरी दास्तानें लिखीं .

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मिली पराजय से मेसी हैरान और चकित थे .सन 2022 में फीफा विश्व कप जीतने वाले इस महान खिलाडी का अरमान अपने देश अर्जेंटीना के लिये पुनः इस कप को जीत अंतर्राष्ट्रीय खेल को गुड बाय करना था लेकिन वक्त को कुछ और ही मंज़ूर था .उदास हो गये .

बीती 10 अगस्त को अपने पिता (जोर्ग मेसी) जिनको अपने जीवन का सब कुछ मानते थे के देहांत से इतने दुखी और निराश हुए कि पिता की याद में गुमसुम रहने लगे और अगस्त महीने को हमेशा यादगार बनाये रखने के लिये 31 अगस्त को खेल से रिटायरमेंट की घोषणा की . सोचिये ! पिता से उनको कितना अटूट लगाव था . और आज ? यह सीखने वाली बात है , दोस्त ! मेसी एक ऐतिहासिक नाम नहीं बल्कि विश्व के खेल जगत का ऐसा जगमगाता सितारा रहे जिनको देखने के लिये खेल प्रेमी लालायित रहते .मैदान के हर छोर से अपनी किक से गोल का जो इतिहास लिखा उसे भुलाया नहीं जा सकता .

कहते मुझे इस बेशुमार शोहरत तक पहुंचाने में मेरी दादी और माता –पिता की परवरिश की अहम भूमिका रही अन्यथा बचपन में जिस रोग से लड रहा था उससे उभरना आसान नहीं था .

किसी शायर ने खूब लिखा " लकीरें हाथ की उसने मेहनत से बदलीं / रिकाड्र्स की दुनिया उसने कदमों में ला दीं / लिखा अपना नाम इतिहास के सुनहरे पन्नों पर / अपने कौशल से उसने पूरी दुनिया हिला दी // मेसी ने यही किया . खेलो की दुनिया में कुछ संन्यास सिर्फ खिलाडी के नहीं होते बल्कि वह एक युग के खत्म होने का एहसास करवाते हैं .

मेसी ने दो दशकों तक फुट्बाल के खेल पर राज किया दोनों एक दूसरे के पर्याय बन गये . अपने विदाई संदेश में लिखा " यह एक ऐसा फैसला है जो मेरी आत्मा को दुख देता है लेकिन मैं जानता हूं कि अब समय आ गया है .हमने सब कुछ जीता

खेल को पूरी तरह मैंने अपने आप को दे दिया . अब मेरे पास देने को कुछ नहीं बचा . फिर लिखा कि ऊपर वाले का शुक्र है कि मुझे अर्जेंटीनी बनाया "

अर्जेंटीना के लिये 207 मैच खेले जिसमें 125 गोल किये और 68 गोल करने में मदद की .

वास्तव में यह फुट्बाल के खेल के शानदार अध्याय का समापन है जिसकी परछाइयों की मिसाल हमेशा बनी रहेगी क्यों कि मेसी ने महानता की नयी परिभाषा लिखी है .

काव्य कुंज

बढ़ते जाना

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

कभी शस्य श्यामला भूमि से,
कभी पर्वत के तुंग शिखर से
कल कल करती मृदु स्वर से
सरिता कुछ कुछ गाती जाती है ।।
चट्टानों से लड़ लड़ कर वह
निज पथ पर आगे बढ़ती है
मंजिल को पाने हेतु वह
चट्टानों से टकराती है ।।
अपने लक्ष्य को पाने पर
सरिता से सागर बन जाती है
मानव जीवन बाधा से मत डर
ये बाधा एक चुनौती है ।।
शूल फूल के राहों से
कर तू मंजिल का संधान
जीवन धन्य बनेगा तेरा
लक्ष्य मनोरम पाकर ।।
जब मंजिल मिल जाएगी
राह व्यथा मिट जाएगी
तेरे हर सोपान को
सफलता रानी चूमेगी ।।

श्री कृष्ण

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

हे श्रीकृष्ण ! तुम्हें चाहना मेरी जिंदगी का
सबसे खूबसूरत वजह है,
तुम्हारी एक मुस्कान में मेरी
हर एक खुशी की जगह है ।
हे कान्हा ! तुम्हारे पास रहने से हमारी
धड़कनों को सुकून मिलता है,
तुम्हारे आंखोंसे ओझल होतेही
बस तुम्हारा इंतजार रहता है ।
हे माधव !तुम्हारी आंखों में सदा मुझे
अपना जहां दिखाई देता है,
एक तुम्हारे नाम मात्र से ही
मेरा हरेक ख्वाब सजता है।
हे गिरिधर !मुझे ना ही धन,ना ही दौलत
ना कीमती तोहफा चाहिए है,
मुझे तो बस उम्र भर का साथ
और तेरा सदा प्यार चाहिए है ।
हे दामोदर !मेरे जीवन रूपी कहानी का
सबसे हसीं किरदार हो तुम,
सच कहूं !मेरी जिंदगी ही नहीं
बल्कि मेरा पूरा संसार हो तुम ।
हे श्री कृष्ण !'संजू' के इस जज्बात को
हमेशा ही दिल से समझना,
मेरे हर दुःख-दर्द में तू सदा संग चलना ॥

तुम हो मनमीत

गजानन पाण्डेय

तुम बसते मेरे मन में
तुम हो प्राणनाथ
जीवन का हर राग तुम्हीं से
जीवन की हर बात ।
तुम हो मन - मीत हमारे
तुम्हीं से है हर काज
जीवन का संगीत तुम्हीं हो
तुम्हीं से बजते साज ।
हर कंठ के बोलों में तुम हो
तुमसे है हर गीत
तुम हो मन - मीत ।

व्यवहार व आहार

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

भीतर हो या बाहर
अच्छा होना चाहिए व्यवहार
नेक होगा यदि जिनका व्यवहार
श्रेष्ठ होंगे सारे काम उनके सदाबहार
सात्विक सेवन होगा जिनका आहार
स्वस्थ-चुस्त-मस्त-समस्त रहेंगे संस्कार
जिनका बिगड़ा तनिक आहार व व्यवहार
उनके जीवन में पायेंगे विकार ही विकार
और सभ्य समाज उनका करेगा नकार,
उनका जीवन अधःपतन हो जायेगा बेकार,
जिनका होगा संयमित आहार व व्यवहार,
उनका जीवन होगा उत्साहपूर्ण साकार,
अतः जैसा आहार वैसा उनका व्यवहार,
जैसा व्यवहार होगा वैसा उनका परिवार।

शिक्षक

कुमुद बाला,
हैदराबाद

सूर्य सा हो प्रदीप्यमान ,
वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान ,
वह है शिक्षक
विद्यार्थियों के लिये
सुरक्षित उसका ज्ञान
प्रमाणित कई तत्व की
कसौटी पर विज्ञान
रखते अधरों पर ज्ञानियों सी दिव्य मुस्कान
धन्य ऐसे शिक्षक जिनमें यह गुण वर्तमान
हरे सब के गम बन दिनमान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक
अनुभवों की धरा पर रचते वे इतिहास
स्वानुभूति के अक्षरों से निखरते सुवास
कर ज्ञान का मंथन रहते तैयार मंचन को
बिठाते मस्तिष्क में बात कर हास-परिहास
बिखराये फूलों सा ज्ञान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक
पुस्तकों से रखता जो ब्रम्हचर्य सा नाता
भक्ति रख भगवान पे परमानंद है पाता
हैं भगवान हमारे अपने माता - पिता
यह जीवन सत्य एक शिक्षक ही है बतलाता
हो बुद्धिमान पर चरित्रवान , वह है शिक्षक
सूर्य सा हो प्रदीप्यमान , वह है शिक्षक
स्वयं के ज्ञानसमुद्र में जो गोते लगवाता
दर्पण में जो स्वयं मुखः देखने को कहता
अच्छे गुणों की जो खुली बोली लगवाता
लोगों के लिये सपनों को फिर दिखलाता
कुर्बानी-आन-बान-शान , वह है शिक्षक
सूर्य सा हो प्रदीप्यमान , वह है शिक्षक
जिह्वा पे सरस्वती विद्यमान , वह है शिक्षक।।

सावन

टी तारासिंह
हैदराबाद

बहारो का मौसम सावन
त्योहारो का मौसम सावन
घर - घर हर घर मे खुशियाँ लाये
जमीन आंगन सजे रंगोली से
घर ओर द्वार गुंज उठे
मधुर शहनाई की आवाज़ से
बाल - बच्चो का खुशी का ठिकाना नही
मिठाई खाये और सबको खिलाये
सबके दिलो को खुशियाँ मिले
ओर सबके दिलो को सूकून मिले
आज सब अरमान पूरे होगे
अब नफरत छोड दोस्ती बढाये ।।

जीवन में शिक्षक बहुत जरूरी

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

मनुष्य के जीवन में
शिक्षक बहुत जरूरी।
सुखद जीवन यात्रा,
तभी हो सकती है पूरी।।
पहली गुरु माता,
भाग्यशाली जो साथ मिला,
कुछ वंचित रह गए ,
माँ का साया हुआ जुदा,
भाई, बहन,पिता ,मित्र सभी तो हैं शिक्षक
शिष्य बन कर सीखा तो ज्ञान घना मिला,
कठिन समय बड़ा शिक्षक,अनुभव ज्ञान है धुरी।
मनुष्य जीवन में शिक्षक बहुत जरूरी।
जीवन यात्रा तभी हो सकती है पूरी।।
शिक्षक का चुनाव भी हो, सत्य पर आधारित ,
शिक्षक का कहा माने,बिन तर्क वितर्क निर्धारित,
एकलव्य जैसा शिष्य, मांगे न कोई अधिकार,
गुरु के लिए नतमस्तक,अभ्यास पर आधारित।
ज्ञान पाठशाला का चयन बन गया दस्तूरी।
मनुष्य जीवन में शिक्षक बहुत जरूरी।
सुखद जीवन यात्रा तभी हो सकती है पूरी।।
ममता के आँचल में सीखी प्रेम की रसधार,
पिता कठोर अनुशासन छिपा सच्चा जीवन सार,
पुस्तक ज्ञान मस्तिष्क पर गहरा असर दिखाए
शिक्षक भरते जाते मन में सुसंस्कृत संस्कार,
अंतरात्मा अद्भुत शिक्षक ध्यान देना जरूरी।
मनुष्य के जीवन में शिक्षक बहुत जरूरी।
सुखद जीवन यात्रा तभी हो सकती है पूरी।।

यशुमति नंदलाला

मोनिका डागा,
चेन्नई

मोर मुकुट शीश धरे
श्यामल कृष्ण कन्हाई,
यदुनंदन की मुरली की
तान हर मन को भाई ।
वृंदावन की गलियों में
घूमें है यशुमति नंदलाला,
मधुर-मधुर मुरलिया बजाएँ काली कमली वाला,
गोरी-गोरी राधिका से करें हँसी-ठिठोली लड़ाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
गईयन को है प्यारो नटखट गोविंद गोपाला,
वाकी दीवानी भईन सारी ग्वालिन बृजबाला,
हाँडी.दूध-दही की फोड़े खावे है दूध मलाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
गोप-गोपीयों संग खेले खेल जग का रखवाला,
भक्तो ने पहनाई कृष्ण को प्रेमी मन की माला,
धरा पर हरि ने आनंद अद्भुत लीलाएँ दिखाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
मोर मुकुट शीश धरे श्यामल कृष्ण कन्हाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।

गुरु को वंदन अभिनंदन

डॉ टी महादेव राव

शिक्षक होता है
वह शिल्पी जो हमारे
अनगढ़ जीवन को देता है
सही सच्चा रूप
गढ़ता है संस्कारों की
संपत्ति अंतस में
देता है अंधकार
हरने ज्ञान की अनंत धूप
ऋणी है सदा जिनके हम अपना सारा जीवन
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन।
जीवन के हर पग का जो गूढ़ अर्थ बताए
शिक्षा देकर है हर एक उलझन सुलझाए
खुद रहकर पीछे -आगे जाने को उकसाए
माता पिता के बाद जो सच्चा जीवन दे जाए
ऐसे पथप्रदर्शक को हम करते रहें सदा स्मरण
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन।
जीवन गर दीपक है तो गुरु है जलता बाती
ज्ञान का दीप जलाकर जो दे जीवन को अर्थ
अदृश्य सा जीवन भर बनता शिक्षा साथी
गुरु के ज्ञान प्रकाश बिन मानव जीवन है व्यर्थ
जीवन में वंदनीय है सच्चे गुरु के चरण
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन।
गोविंद से भी बड़े गुरु को संसार दिखाते हैं
हर कदम पर अलग गुरु होते है आदर्श हमारे
सही रास्ते पर जीना मरना वे हमें दिखाते हैं
हमें सुझाते सदा नए रास्ते बनकर ध्रुव सितारे
देकर स्वस्थ विचार करते शुद्ध हमारे अंतःकरण
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन।।

ना मैं गिरा...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

ना मैं गिरा ना मेरे हौंसले गिरे
लेकिन
मुझे गिराने में लोग कई बार गिरे
सत्य ईमानदारी से लड़ता रहा
कोल्हू बैल तरह
दो पाटों में पिसता रहा
क़दम कदम पर कांटे बिछाए
स्वयं के लिए सूल बने
ना मैं गिरा..
अभी इम्तिहान दिया ही था
दूसरा सामने आ तना
मुंह की खाने की बजाए हौसले से लड़ा
पर कतरने वालों को सलाम
लेकिन लुका छिपी खेल में पिछड़ते ही रहे
ना मैं गिरा..
दुनिया बदली जिसने पहले उसे इंकार मिला
अपमानों का हार मिला दानवों का उपहार मिला
गजब वे लोग गुड़ की मक्खी तरह
पीछे पड़ जाते परिणाम
जाल में फंसे न मैं गिरा..

वियोग के उस पार

मनीषा मंजरी
दरभंगा

ये चयन एकांत का,
इतना सुगम भी तो नहीं था,
जाने कितनी बार संघर्ष कर,
अंततः इसे अपनाया होगा।
जिसकी आकांक्षाओं में,
भोर का स्वर्णिम सूर्य जगमगाता था कभी,
उसने अमावस का बनने के लिए,
स्वयं को कितना मनाया होगा।
दिन जिसके गुजरते थे,
फूलों से लदी वादियों में कभी,
उसने काँटों के जंगल से,
यूँ ही तो नहीं दिल को लगाया होगा।
मंदिरों में जलते थे,
जिसकी आस्था के दीप निरंतर,
उसने मशान में अपनी ही चिता जला,
कुछ तो नया पाया होगा।
प्रेम केवट था, उसे उस पार तो ले जाना हीं था,
बीच मझधार ने फिर कुछ सोचकर ही नैया को डुबाया होगा।
संयोग मात्र शब्द रह गया, ये अर्थ पा ना सका,
यूँ ही तो नहीं वियोग ने इस अस्तित्व को पाषाण बनाया होगा।
एक जर्जर पुल है सवालों का, जहां अब आता नहीं कोई,
और एक जवाबों की नदी,
जिसने अपने पथ को भुलाया होगा।

"अतीत"

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

अतीत सबका होता
कोई देख मुस्कुराता
कोई ख्वाहिशो से सजाता
सभी खुशबू, कभी अहसास
कभी नफरत कभी दुलार
साथ हमेशा ये रहता
चुपचाप मन में रहता
कभी हर्षाता कभी तड़पाता
कभी गुनगुनाता कभी दुखड़े सुनाता
अतीत का घाव दिल को कुरेदता
ये चोट ये दर्द हर बार रुलाता
बेचैनी कल में भी थी
और शायद कल मैं भी रहेगी
सुकून तो बस आज में है
अतीत खराब हो सकता हैं
मगर भविष्य तो बेदाग है
मगर भविष्य तो बेदाग है ।

कागज़ पर उभरते एहसास

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

धाराप्रवाह कलम की
ताकत से उभरते हैं,
कागज़ पर बेहतरीन
शब्द और अल्फाज़,
कृत्रिम बुद्धिमत्ता का ये है
पुरजोर जवाब,
क्योंकि सृजनशीलता-
रचनात्मकता की कलम ही है,
एक मजबूत एहसास, एक पुख्ता आवाज़,
दिल की गहराई और सच्चाई की है ये बिसात।
एक विश्वास, एक आधार, एक वफादारी है,
सृजनात्मक जीजिविषा और आभास,
आत्मा में निहित अंतर्शक्ति का है ये संवाद।
प्रकृति प्रदत्त है मानव मस्तिष्क की ताकत,
एक नियोजित पावर बैंक, एक ऊर्जा है ये तो,
इसपर कृत्रिमता की छाया मत पड़ने दो।।
सृजन को और भी गतिमान बनाना है,
सृजन के साथ चलकर ही ए.आई को अपनाना है,
अपने प्रकृति प्रदत्त गुणों का करना है सम्मान,
पुरातन का कवच पहनकर ही
आधुनिकता का लेना है संज्ञान।।

मिट्टी से प्यार

संजीव ठाकुर,
रायपुर

वतन की माटी से प्यार रखिए,
दिल में इसका ख़ुमार रखिए।
तिरंगे की शान के वास्ते,
सीने में तो अंगार रखिए।
दुश्मन चाहे जितना बढ़े,
हौसला अपना बरक़रार रखिए।
भारत माँ की आन के लिए,
हर एक क़दम तैयार रखिए।
सदैव गंगा माँ का मान रहे,
मन में निर्मल विचार रखिए।
जो देश तोड़ने आए यहाँ,
उससे अपना सरोकार न रखिए।
मज़हब, भाषा, जाति से ऊपर,
भारत को एक परिवार रखिए।
संजीव बस इतना याद रहे,
होठों पर वंदे मातरम् हर बार रखिए।

शिक्षक तो अनमोल है...

प्रियंका सौरभ

नूर तिमिर को जो करें,
बाँटें सच्चा ज्ञान।
माटी को जीवंत करें,
गुरुवर हैं भगवान।।
भरें प्रतिभा, योग्यता,
बुनें सभ्य समाज।
समदृष्टि, सद्भाव भरें,
पूजनीय ऋषिराज।।
जब रिश्ते हैं टूटते, होते विफल विधान।
गुरुवर तब सम्बल बने, होते बड़े महान।।
धैर्य और विवेक भरें, करते दुर्गुण दूर।
तप-बल से निर्मित करें, सौरभ निर्भय शूर।।
नानक, गौतम, द्रोण संग, कौटिल्य, संदीप।
अपने-अपने दौर के, मानवता के दीप।।
चाहत को पर दे यही, स्वप्न करे साकार।
शिक्षक अपने ज्ञान से, जीवन देत निखार।।
शिक्षक तो अनमोल है, इसको कम न तोल।
मीठे हैं परिणाम बहुत, कड़वे इसके बोल।।
गागर में सागर भरें, बिखराएँ मुस्कान।
सौरभ जिसे गुरु मिले, ईश्वर का वरदान।।

बेटी की फीस के लिए...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

यूं नंगे पाँव दौड़ी माँ,
साड़ी में लिपटी थी ममता,
आँखों में एक सपना
बेटी की पढ़ाई व क्षमता।
रास्ते में पत्थर-दग्गड हैं आए,
पाँवों में चुभते रहे,
लोग तमाशा देखते रहे,
माँ कदम बढ़ाती रही।
न जूते की चाह रही,
न जीत का कोई अभिमान,
माँ के लिए तो बेटी ही दुनिया में उसका सम्मान।
3 हज़ार की जीत नहीं, ये हौसले की कहानी थी,
इनाम की हर पाई में बेटी को पढ़ाएँ निशानी थी।
जिस उम्र में आराम चाहिए, उसमें दौड़ लगा दी,
माँ ने अपनी जीत बेटी के ₹भविष्य₹ पर लुटा दी।
ये कौन कहता है सपनों की कीमत बड़ी होती है?
माँ की मेहनत साथ है मुश्किल भी छोटी होती है।
नमन उस माँ को जिसने दुनिया को ये समझाया,
बेटी की फीस के आगे माँ ने अपना दर्द भुलाया।
उसके नंगे पाँवों ने शायद ये नया इतिहास लिखा,
माँ ने दौड़ जीती, जीत में बेटी का भविष्य दिखा।

जन्माष्टमी पर्व

सत्यवान सौरभ

घर देवकी-वसुदेव के, कृष्ण लिए अवतार।
मात यशोदा ने किया, पालन-पोषण प्यार॥
तारे सबकी आँख के, गोकुल के हैं लाल।
माखन-मिश्री संग रचे, नटखट नए कमाल॥
आततायी कंस का, अंत किया तत्काल।
ब्रज में छाया हर्ष फिर, गूँजे जय-जयकार॥
चमत्कार कर नित नए, खत्म करे सब क्लेश।
प्रेम, धर्म और सत्य का, देते शुभ संदेश॥
राधा अद्भुत प्रीत की, देती एक मिसाल।
मीरा कान्हा की हुई, प्रेमिका इक बेहाल॥
बाँधे जब है द्रौपदी, कृष्ण को रक्षासूत्र।
कृष्ण सखा बन लाज रख, निभाया प्रेम-पवित्र॥
अर्जुन के बन सारथी, दिया धर्म का ज्ञान।
दूर किए संशय सब, गीता का वरदान॥
कर्म करो निष्काम तुम, यही कृष्ण का ज्ञान।
धर्म, प्रेम और सत्य से, ऊँचा हो इंसान॥
कान्हा केवल नाम ना, जीवन का आधार।
प्रेम बाँटकर जगत में, कर दो सुख-संसार॥

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

आम आदमी के हाथ से फिसलता विकास?

आज के डिजिटल दौर में आम आदमी अर्थव्यवस्था को आंकड़ों की मोटी किताबों से नहीं, बल्कि टीवी स्क्रीन, बाजार और अपने बटुए के वजन से समझता है। आज जब टीवी एंकर अर्थव्यवस्था का गुलाबी रंग पेश करते हैं तो कुछ क्षण के लिए लगता है कि देश की समृद्धि घर के दरवाजे पर दस्तक देने पहुंचने ही वाली है। अचानक चारों ओर बधाइयों का शोर सुनाई देता है, गर्व का माहौल बनाया जाता है और बताया जाता है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 फीसदी तक पहुंच गई है। मगर इस जश्न के बीच आम आदमी के मन में एक सीधा सवाल उठता है अगर देश इतना अमीर हो रहा है तो मेरे घर में अमीरी क्यों नहीं दिखाई दे रही? एक तरफ आर्थिक विकास के आंकड़े हैं और दूसरी तरफ वह परिवार है जो महीने का बजट बनाने बैठता है तो सबसे पहले यह सोचता है कि इस बार रसोई कैसे चलेगी। महंगाई पर सवाल उठाओ तो कभी खाने-पीने की आदतों को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। किसी चीज की कीमत बढ़ जाए तो जनता को उसके कम इस्तेमाल की सलाह मिलने लगती है। चीनी कम खाने से लेकर दाल-तेल के कथित नुकसान तक समझाने वालों की कमी नहीं है। एक चैनल पर तो बाकायदा यह हिसाब लगाया गया कि यदि हर व्यक्ति रोजाना एक चम्मच चीनी कम खाए तो देश में कितनी बड़ी मात्रा में चीनी बचाई जा सकती है।

लेकिन सवाल यह है कि जनता को हर महंगी चीज कम खाने की सलाह देकर क्या महंगाई की समस्या हल हो जाएगी? गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के सामने समस्या यह नहीं कि वह क्या ज्यादा खा रहा है; समस्या यह है कि उसकी आय के मुकाबले जरूरी सामान लगातार महंगा क्यों हो रहा है।

इसीलिए जब टीवी पर विकास का शोर सुनाई देता है तो एक आम घर में यह सवाल पैदा होना स्वाभाविक है कि आखिर विकास हुआ किसका? क्या सरकार बहुत अमीर हो गई? क्या कंपनियों की बैलेंस शीट मोटी हो गई? या फिर वह जनता भी अमीर हुई है, जिसके नाम पर अर्थव्यवस्था का पूरा हिसाब-किताब तैयार किया जाता है? जीडीपी देश में पैदा होने वाली वस्तुओं और सेवाओं के कुल आर्थिक मूल्य का एक व्यापक पैमाना है। इसलिए जीडीपी बढ़ने का अर्थ यह अपने आप नहीं हो जाता कि प्रत्येक नागरिक की जेब में उसी अनुपात में पैसा बढ़ गया। मगर आम आदमी का सवाल भी गलत नहीं है कि यदि अर्थव्यवस्था बढ़ रही है तो उसका असर उसकी जिंदगी में आखिर दिखाई कहां दे रही है? इसका असर खोजने के लिए किसी आर्थिक सर्वेक्षण की जरूरत नहीं। सब्जी मंडी चले जाइए। कुछ समय पहले जितने पैसे में थैला भर सब्जियां आ जाती थीं, आज उतने में कभी-कभी इतनी सब्जी भी नहीं आती कि ठीक से सब्जी बन सके; चटनी बनाकर काम चलाने की नौबत आ गई लगती है। दूध की कीमत भी अपनी अलग दौड़ में है। किराने का सामान, बिजली का बिल, स्कूल की फीस और घर का किराया हर तरफ खर्च बढ़ता ही दिखाई दे रहा है।

मान लीजिए कोई व्यक्ति इन सबके बाद घर लौटता है और मकान मालिक मिठाई लेकर सामने खड़ा हो जाए। वह मुस्कुराकर कहे कि देश की जीडीपी 7.8 फीसदी बढ़ गई है, मिठाई खाइए और किराया भी बढ़ाइए। ऐसे में आम आदमी को विकास का सबसे स्पष्ट प्रमाण शायद जीडीपी नहीं, बढ़ा हुआ किराया ही दिखाई देगा। यहीं से आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल भी उठते हैं। अतीत में रोजगार से जुड़े आंकड़ों के प्रकाशन में देरी और कथित नीतिगत हस्तक्षेप को लेकर सांख्यिकी व्यवस्था के भीतर से भी आपत्तियां सामने आई थीं। गैर-सरकारी सदस्यों के इस्तीफे ने यह बहस तेज की थी कि बेरोजगारी की वास्तविक तस्वीर कितनी पारदर्शिता से सामने लाई जा रही है। इसका मतलब यह नहीं कि हर सरकारी आंकड़ा गलत है, लेकिन लोकतंत्र में आंकड़ों पर सवाल उठना और उनकी स्वतंत्र जांच की मांग करना कोई अपराध नहीं होना चाहिए।

इसी संदर्भ में जीडीपी को लेकर 7.8 फीसदी और 2.6 फीसदी के अलग-अलग दावों की बहस भी दिलचस्प है। कोई 7.8 फीसदी को विकास की शानदार रफ्तार बता रहा है तो कोई अलग गणना के आधार पर 2.6 फीसदी की बात कर रहा है। मगर जनता के लिए असली सवाल इन दोनों संख्याओं से बड़ा है। उसका सवाल है कि इन आंकड़ों में मेरा हिस्सा कितना है?

सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। रोजगार के बिना विकास की कहानी अधूरी रहती है। जंतर-मंतर पर रोजगार और परीक्षाओं को लेकर होने वाले आंदोलनों की तस्वीरें बताती हैं कि युवाओं की बेचैनी को केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। देश में बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में हैं। सरकारी नौकरी की उम्मीद लगाए बैठे युवाओं के सामने प्रतियोगिता, परीक्षाओं की अनिश्चितता और वर्षों का इंतजार है। यदि अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है तो फिर उस वृद्धि का पर्याप्त हिस्सा रोजगार पैदा करने में क्यों नहीं दिखाई देता?

स्वरोजगार का रास्ता बताना भी आसान है। कहा जा सकता है कि नौकरी का इंतजार क्यों, चाय-पकौड़े बेचकर अपना काम शुरू कीजिए। लेकिन सवाल यह है कि जब जनता को तेल और चीनी कम खाने की सलाह दी जा रही हो तो चाय-पकौड़े बेचने वाले का ग्राहक कौन होगा? और मान भी लिया कि किसी ने ठेला लगा लिया, तो क्या उसका कारोबार बिना किसी स्थानीय परेशानी के चल पाएगा? रेहड़ी लगाने के लिए कथित रिश्वत और 'हफ्ते' जैसी शिकायतें छोटे कारोबारी की कमाई को पहले ही कमजोर कर देती हैं। ऐसे में स्वरोजगार का नारा जमीन पर पहुंचते-पहुंचते कितना खोखला हो जाता है, यह वही व्यक्ति जानता है जो रोज ठेला लगाता है।

इसी तरह डिजिटल भुगतान और बैंक खाते में आर्थिक गतिविधियों की चर्चा भी अपनी जगह सही है। मगर यदि बैंक खाते में तय रकम से कम शेष देखकर बैंक भी किसी तरह का 'विकास' महसूस नहीं कराता, तो नागरिक अपने ही घर में विकास तलाशने पर मजबूर हो जाता है। फिर वह सब्जी मंडी जाता है, दूध का भाव देखता है, किराया सुनता है और आखिरकार अपने बटुए से पूछता है तू बता, विकास आया कहां?

आंकड़ों की बहस यहीं खत्म नहीं होती। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त की टिप्पणी भी इसी बड़े सवाल की तरफ संकेत करती है कि यदि कुछ महीनों में बड़ी संख्या में नाम कम हो जाएं तो क्या उसे जनसंख्या वृद्धि का समाधान मान लिया जाए? सवाल यह है कि क्या दूसरे विभाग भी कागजी आंकड़ों की ऐसी ही सुविधा वाली खुशहाली के रास्ते पर चलना पसंद करेंगे?

दरअसल लोकतंत्र में आंकड़े जनता को समझाने के लिए होते हैं, जनता की वास्तविकता छिपाने के लिए नहीं। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना अच्छी खबर है, निवेश बढ़ना अच्छी खबर है, उत्पादन और सेवाओं का विस्तार भी अच्छी खबर है। लेकिन इन उपलब्धियों की असली सफलता तभी मानी जाएगी जब रोजगार बढ़े, मजदूरी की क्रयशक्ति बढ़े, उपभोग बेहतर हो, परिवार का खर्च संभले और आम नागरिक अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त हो। वरना 7.8 फीसदी की जीडीपी हो या 2.6 फीसदी की बहस, जनता का सवाल अपनी जगह रहेगा। आंकड़ों में देश कितना आगे गया, यह विशेषज्ञ तय कर लें; मगर घर के बजट में कितना विकास आया, इसका फैसला जनता ही करेगी। और अगर फाइलों में मौसम गुलाबी है, टीवी पर अर्थव्यवस्था चमक रही है, लेकिन सब्जी की थैली हल्की, किराया भारी, रोजगार दूर और बटुआ खाली है, तो आम आदमी की जुबान कब तक बंद रखी जा सकेगी?

एक साथ रहते हुए भी कितने अकेले हो गए हम

कृति जैन

वर्तमान समय की सबसे भयावह महामारी अस्पतालों में नहीं, घरों के भीतर पल रही है। इसका न कोई परीक्षण है, न तापमान, न कोई चिकित्सकीय रिपोर्ट। यह चुपचाप रिश्तों में उतरती है और उनकी धड़कनें धीमी कर देती है। इसका नाम है—संस्कारहीन रिश्ते। समाचारों की सुर्खियाँ हत्या, तलाक, पारिवारिक कलह और टूटते घर दिखाती हैं, पर उन घटनाओं के पीछे पसरा वह सन्नाटा नहीं दिखातीं, जहाँ कभी अपनापन साँस लेता था। असली त्रासदी तब होती है, जब अपने ही लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं। संस्कार रिश्तों की रखवाली छोड़ दें तो मकान तो खड़े रहते हैं, कमरे भी भरे रहते हैं—बस घर भीतर से वीरान हो जाता है।

कभी रिश्ते मिट्टी जैसे थे—नरम, लचीले, एक-दूसरे में घुले हुए। संस्कार वह पानी थे, जो बिखरे कणों को जोड़कर परिवार गढ़ते थे। आज वही मिट्टी सूख रही है। अहंकार की एक चुभन, स्वार्थ की एक परत और सुविधा की एक आँधी रिश्तों में दरार डाल देती है। हमने संबंधों को भावनाओं से नहीं, फायदे से तौलना शुरू कर दिया है—सुविधा रही तो रिश्ता रहा, सुविधा गई तो अपनापन भी गया। अदालतों के पारिवारिक विवाद और रोज की सुर्खियाँ इसी बिखराव के कण हैं। सवाल यह नहीं कि रिश्ते क्यों टूट रहे हैं; सवाल यह है कि उन्हें बाँधने वाला संस्कारों का पानी हमारी हथेलियों से कब रिस गया।

आज परिवार एक छत के नीचे रहता है, पर एक-दूसरे के भीतर नहीं उतरता। खाने की मेज पर थालियाँ साथ होती हैं, मोबाइल भी—बस संवाद नहीं होता। बच्चे सवाल लेकर बड़ों तक पहुँचने के बजाय स्क्रीन पर उत्तर खोजते हैं और बुजुर्ग घर में रहकर भी बातचीत से बाहर हो जाते हैं। संस्कार अब व्यवहार में कम, किताबों, भाषणों और त्योहारों की तस्वीरों में अधिक दिखाई देते हैं। फिर किसी दिन खबर आती है—किसी वृद्ध की मृत्यु का पता कई दिनों बाद चला। सुर्खी कुछ पल ठहरती है, मगर उसके पीछे वर्षों का अकेलापन, दरवाजे पर टिकी आँखें और अपनों के स्पर्श को तरसते हाथ छूट जाते हैं। संस्कार जीवित होते तो बुजुर्ग खबर नहीं बनते—घर की सबसे सुरक्षित छाँव बने रहते।

प्रेम अब अपनापन कम, अपेक्षाओं का हिसाब अधिक बनता जा रहा है। इच्छा पूरी हुई तो मुस्कान, टूटी तो शिकायत; अपेक्षा टूटी तो रिश्ता भी डगमगा गया। कभी एक माफी वर्षों का साथ बचा लेती थी, आज एक संदेश, ब्लॉक या अनफॉलो वर्षों की निकटता मिटा देता है। मतभेद समस्या नहीं, संवाद का इम्तिहान हैं; दुख यह है कि हमने मतभेद के बाद बात करना छोड़ दिया। गलती मानना कमजोरी नहीं, रिश्ते की ताकत है; माफी माँगना हार नहीं, प्रेम का साहस। इसीलिए पहला तूफान आते ही रिश्ते की छत उड़ जाती है—उसे थामने वाली संस्कारों की कड़ियाँ पहले ही टूट चुकी होती हैं।

शहरों की चमक हमें उस आँगन से दूर ले गई, जहाँ कभी परिवार साथ बैठता था। दादा-दादी की कहानियाँ किस्से नहीं, धैर्य, क्षमा, त्याग और सम्मान की पाठशाला थीं। आज आँगन की जगह बालकनी, कहानियों की जगह रील्स और साथ की जगह अलग-अलग स्क्रीन हैं। बच्चे तेज भागना सीख रहे हैं, ठहरकर सुनना नहीं। माता-पिता सुविधाएँ जुटाने की दौड़ में बच्चों की आँखों की थकान और मन की चुप्पी पढ़ना भूल रहे हैं। फिर वही बच्चे बड़े होकर माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ देते हैं और यह एक खबर बन जाती है। पर वृद्धाश्रम की राह उस दिन नहीं बनती—उसकी पहली ईंट बहुत पहले घर के भीतर रखी जा चुकी होती है। इस महामारी का सबसे खतरनाक लक्षण है—उसका दिखाई न देना। न बुखार, न खाँसी, न कोई रिपोर्ट; फिर भी परिवार भीतर से बीमार हो जाता है। आवाजों से अपनापन घटता है, बातचीत औपचारिक होती है और एक ही छत के नीचे लोग अपने-अपने एकांत में सिमट जाते हैं। साथ रहते हुए भी अकेलापन बढ़ता जाता है। समाचार चैनल घटना दिखा सकते हैं, आँकड़े गिना सकते हैं, बहस कर सकते हैं; मगर उस संस्कारहीनता को नहीं पकड़ सकते, जो टूटते रिश्तों की जड़ में पलती है। शायद इसलिए हम सुर्खियों से आगे देखना नहीं चाहते—क्योंकि वहाँ किसी और की कहानी नहीं, हमारा अपना आईना खड़ा है।

फिर भी इस बीमारी का इलाज संभव है, क्योंकि संस्कार कोई पुरानी चीज नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे व्यवहार हैं। इलाज बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होगा। बिना कारण मुस्कुरा देना, किसी की बात बीच में न काटकर सुन लेना, गलती पर माफी माँग लेना, बुजुर्ग के हाथ छूकर आशीर्वाद लेना, बच्चे के सवाल को महत्व देना और क्रोध के क्षण में कठोर शब्द रोक लेना—यही रिश्तों की असली वैक्सीन हैं। रिश्तों की सूखी मिट्टी को फिर से गीला करना होगा। संस्कारों को उपदेशों की दीवार से उतारकर व्यवहार की जमीन पर लाना होगा। घर में थोड़ा समय, थोड़ा धैर्य और थोड़ा अपनापन लौट आए, तो बहुत-से रिश्ते टूटने से पहले ही बच सकते हैं।

शायद अब समय है कि हम सुर्खियों से बाहर निकलकर अपने ही घर को देखें। रिश्ते क्यों टूट रहे हैं, यह पूछने से पहले यह देखना होगा कि उन्हें बचाने के लिए हम अपने भीतर क्या बदल सकते हैं। न्यूज़ की सुर्खियाँ बदलती रहेंगी, घटनाएँ गुजर जाएँगी; मगर टूटा विश्वास, अकेला बुजुर्ग और भीतर से बुझा रिश्ता खबर बदलने से वापस नहीं आएगा। शुरुआत किसी बड़े अभियान से नहीं, घर की छोटी-सी संवेदना से होगी—किसी अपने को सुन लेने से, रूठे को मना लेने से, बुजुर्ग के पास बैठ जाने से, बच्चे के मन को समझ लेने से और अपनी गलती पर झुक जाने से।

इंदौर का बहुचर्चित जलकांड: सीलबंद लिफाफे में 36 मौतों का सच

अनिल शुक्ला

मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इन्दौर की पिछड़ी बस्ती भागीरथपुर में हुए जल कांड एक बार फ़िर सुर्खियों में है। देश में स्वच्छ शहर होने का तमगा लिए इस शर्मसार करने वाले दूषित पेयजल कांड की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट ने शहर की राजनीति और प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। रिपोर्ट को लेकर सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

पिछड़ी ओर निम्न बस्तियों से घिरे ओर किसी समय अपराधजगत के लिए पहचाने जाने वाले इन्दौर के भागीरथपुरा में हुए जल कांड ओर इस कांड में करीब 36 निर्दोष लोगो की मौत व सैकड़ों की संख्या में रहवासियों के विभिन्न बीमारियों की चपेट में आने के बाद शहर देशभर में सुर्खियों में रहा था। कांड की पृष्ठभूमि के अनुसार दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह से जनवरी 2026 के पहले पखवाड़े के बीच भागीरथपुरा में दूषित पानी की सप्लाई से शहर में हड़कंप मच गया था। उल्टी-दस्त और पीलिया से सैकड़ों लोग बीमार हुए और करीब 36 लोग मौत के मुंह में समा गए थे।इस मामले में जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 27 जनवरी 2026 को रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एक सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया था। आयोग ने 7 महीनों की जांच, मौके के

निरीक्षण, अधिकारियों-कर्मचारियों के बयान और लैब रिपोर्टों के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर 25 अगस्त को हाईकोर्ट को सौंप दी है।

रिपोर्ट में क्या है?

हाईकोर्ट रजिस्ट्रार के समक्ष रिपोर्ट का अवलोकन करने वाले अधिवक्ताओं के मुताबिक -

1. 8 से 10 अधिकारी दोषी: तत्कालीन अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, मुख्य कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, तत्कालीन अपर आयुक्त संदीप सोनी और एस. प्रजापति सहित 8 से 10 अधिकारियों को गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का दोषी माना गया है।
2. जनप्रतिनिधियों को क्लीन चिट: रिपोर्ट में महापौर परिषद और किसी भी चुने हुए जनप्रतिनिधि की भूमिका सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं माना गया है। हालांकि कुछ लोगों पर उंगली जरूर उठी है।

जानकारी के अनुसार रिपोर्ट में

पीड़ित परिवारों को दिए जा रहे मुआवजे को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की अनुशंसा की गई है। गौरतलब है कि अब तक जो 2 लाख की मदद दी गई थी, वह नगर निगम या सरकार ने नहीं, बल्कि रेडक्रॉस फंड से दी गई थी। बताते है कि 26 अगस्त और 1 सितंबर की सुनवाई में हाईकोर्ट में इस बात पर तीखी बहस हुई कि रिपोर्ट सार्वजनिक होनी चाहिए या नहीं। कोर्ट ने फिलहाल रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है। मामले में अगले सप्ताह सुनवाई होगी।

जांच में क्या लापरवाही मिली?

रिपोर्ट के जिन हिस्सों को वकीलों ने देखा है, उसके मुताबिक -

- भागीरथपुरा की पेयजल पाइपलाइन पहले से ही जर्जर और लीकेज वाली थी। विभागीय अमले को इसकी जानकारी नियमित निरीक्षण में थी।
- इसके बावजूद पाइपलाइन बदलने के टेंडर में महीनों की देरी की गई।
- ड्रेनेज और पेयजल लाइन एक साथ होने से सीवेज का पानी नर्मदा लाइन में मिल गया, जिससे पानी में फीकल कोलीफॉर्म और ई-कोलाई जैसे जानलेवा बैक्टीरिया मिले।
- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 2017-18 में ही इस क्षेत्र के पानी को दूषित बताया था, लेकिन उस चेतावनी को भी अनदेखा कर दिया गया। इधर इस रिपोर्ट के लीक होते ही सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने मांग की हे कि पूरी रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। सिर्फ अधिकारियों पर जिम्मेदारी डालना पर्याप्त नहीं है। चुने हुए प्रतिनिधि जवाबदेही से नहीं बच सकते। कांग्रेस इस मुद्दे को आने वाले विधानसभा सत्र में जोर-शोर से उठाएगी।अब सबकी निगाहें 8 सितंबर को होने वाली हाईकोर्ट की अगली सुनवाई पर टिकी हैं। उसी दिन तय होगा कि यह रिपोर्ट सार्वजनिक होगी या नहीं, और जिन अधिकारियों को दोषी माना गया है, उन पर क्या कार्रवाई होगी।

कांड की पृष्ठभूमि भूमि - दिसंबर 2025: भागीरथपुरा में दूषित पानी से बीमारी फैलना शुरू

- *जनवरी 2026: 36 मौतों की पुष्टि, हाईकोर्ट में PIL दाखिल - 27 जनवरी 2026: जस्टिस सुशील गुप्ता आयोग का गठन
- 25 अगस्त 2026: 600 पन्नों की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश
- 1 सितंबर 2026: रिपोर्ट सार्वजनिक करने से कोर्ट का इनकार
- 8 सितंबर 2026: अगली सुनवाई

कानून कठोर लेकिन बेटियां अब भी असुरक्षित क्यों?

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली-एनसीआर में एक स्लीपर बस के भीतर 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी सुरक्षा-व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, पुलिसिंग और सामाजिक चेतना, चारों की एक साथ विफलता का आईना है। 4 अगस्त की रात ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत जानकारी देकर स्लीपर बस में बैठाया गया और कश्मीरी गेट तक चालक तथा परिचालक पर उसके साथ यौन हिंसा करने का आरोप है। लगभग 47 किलोमीटर के इस सफर के बाद उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड पर छोड़ दिया गया। इस घटना की सबसे भयावह बात केवल अपराध की क्रूरता नहीं बल्कि वह पूरा सुरक्षा-शून्य है, जिसमें यह अपराध संभव हुआ। एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पर्दे लगे थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन के किसी वाहन का अंदरूनी हिस्सा इस तरह बाहरी निगरानी से लगभग कट जाए कि उसमें बैठे यात्रियों की सुरक्षा ही संदिग्ध हो जाए तो ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति देने वाली व्यवस्था से जवाब मांगना स्वाभाविक है।

यहां एक और असहज सवाल है कि घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है लेकिन पुलिस ने इसकी जानकारी 31 अगस्त को सार्वजनिक की। इतने लंबे अंतराल में क्या हुआ? क्या जांच की गोपनीयता इसका कारण थी? क्या पीड़िता की निजता और सुरक्षा के कारण जानकारी सीमित रखी गई? या फिर किसी प्रशासनिक स्तर पर सूचना प्रबंधन में चूक हुई? इन प्रश्नों का स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि अपराध की गंभीरता के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यह जरूर उल्लेखनीय है कि शिकायत मिलने के बाद कश्मीरी गेट पुलिस ने कार्रवाई की, सीसीटीवी के जरिए बस की पहचान की और आरोपित चालक-परिचालक को गिरफ्तार किया, बस भी बरामद कर ली गई यानी अपराध के बाद पुलिस की जांच क्षमता पर सवाल उठाने से पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी निगरानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन असली कसौटी गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। पुलिस का काम केवल अपराध होने के बाद अपराधी पकड़ना नहीं है, आधुनिक पुलिसिंग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अपराध होने से पहले उसे रोकना है। यदि सीसीटीवी अपराध के बाद बस का पता लगा सकता है तो सवाल यह है कि वही तकनीक संदिग्ध गतिविधि को पहले क्यों नहीं पकड़ सकी?

निर्भया कांड के बाद देश ने यही माना था कि अब व्यवस्था बदलेगी। दिसंबर 2012 में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में हुई बर्बरता ने पूरे देश को आंदोलित किया। कानून कठोर हुए, यौन अपराधों की कानूनी परिभाषाएं विस्तृत हुई, नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए अलग कानूनी ढांचा मजबूत हुआ और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा के सवाल को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाया गया। निर्भया मामले के चार दोषियों को 2020 में फांसी दी गई लेकिन 13 वर्ष बाद यदि एक नाबालिग लड़की फिर चलती बस में ऐसी ही दरिंदगी का शिकार होती है तो यह सवाल पूछना जरूरी है कि हमने कानून तो बदल दिए लेकिन व्यवस्था कितनी बदली? कानून की कठोरता जरूरी है लेकिन कानून का डर केवल सजा की कठोरता से पैदा नहीं होता। अपराधी के मन में सबसे बड़ा भय पकड़े जाने की निश्चितता का होता है। यदि उसे लगता है कि वह रात के अंधेरे में, सुनसान रास्ते पर, निगरानी से बाहर किसी वाहन में अपराध कर सकता है और उसे रोकने वाला कोई नहीं होगा तो कानून की किताब में लिखी कठोरतम सजा भी तत्काल निवारक शक्ति नहीं बन पाती। इसलिए चुनौती केवल कठोर कानून की नहीं, निश्चित निगरानी, त्वरित गिरफ्तारी और समयबद्ध न्याय की है।

दिल्ली और नोएडा पुलिस के बीच घटना को लेकर सामने आए कथित विरोधाभास भी चिंता बढ़ाते हैं। दिल्ली-एनसीआर आज एक ऐसा महानगरीय क्षेत्र है, जहां शहरों की सीमाएं आम नागरिक के लिए लगभग अदृश्य हैं लेकिन अपराध होने पर वही सीमाएं पुलिस के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न बन जाती हैं। यदि कोई लड़की नोएडा में बस में चढ़ती है, दिल्ली की ओर आती है और दिल्ली में उतारी जाती है तो पुलिस की विभिन्न इकाइयों के बीच वास्तविक समय में समन्वय क्यों नहीं हो सकता? इस घटना का एक और पहलू सार्वजनिक परिवहन की जवाबदेही से जुड़ा है। स्लीपर बसों में पर्दों का इस्तेमाल, वाहन के भीतर निगरानी, यात्रियों की पहचान, ड्राइवर-परिचालक का सत्यापन, निर्धारित मार्ग से विचलन, रात में अकेले या नाबालिग यात्रियों की सुरक्षा, इन सभी बिंदुओं पर नियम होने भर से काम नहीं चलेगा। नियमों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। परिवहन विभाग, पुलिस और बस संचालकों की संयुक्त जवाबदेही तय करनी होगी। ऐसी बसों का नियमित सुरक्षा ऑडिट हो, सीसीटीवी और आपातकालीन अलर्ट प्रणाली अनिवार्य रूप से काम करे, चालक-परिचालक का सत्यापन हो और उल्लंघन पर केवल जुर्माना नहीं, परमिट और संचालन अधिकार पर भी कठोर कार्रवाई हो।हालांकि हम इस घटना को केवल पुलिस की विफलता कहकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक ओर 16 वर्ष की बच्ची रात में अकेले यात्रा करते हुए अपराधियों के निशाने पर आ जाती है और दूसरी ओर उम्रदराज महिलाएं अपने ही परिवारों द्वारा छोड़ दी जाती हैं। प्रश्न केवल कानून का नहीं है, प्रश्न उस सामाजिक मानस का है, जिसमें कमजोर व्यक्ति सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। जब परिवार में संवेदना कमजोर होती है, जब शक्ति को सम्मान और अपराधी प्रवृत्ति को प्रभाव समझा जाने लगता है, जब धन और बाहुबल सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनने लगते हैं, तब कानून अकेला समाज को नहीं बचा सकता।

हमारी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है। विपक्ष सरकार को घेरता है, सत्ता पक्ष गिरफ्तारी को अपनी उपलब्धि बताता है और बहस कुछ दिनों बाद किसी दूसरे मुद्दे में दब जाती है लेकिन पीड़िता का भय, उसका भविष्य और उसके मन पर पड़ा आघात किसी राजनीतिक बयान से समाप्त नहीं होता। महिला सुरक्षा चुनावी नारा नहीं, शासन की बुनियादी कसौटी होनी चाहिए।

'महिलाएं रात में कितनी सुरक्षित हैं' जैसे सवालों का उत्तर विज्ञापनों या राजनीतिक दावों से नहीं दिया जा सकता। उत्तर सड़कों पर दिखना चाहिए, बसों में दिखना चाहिए, पुलिस की प्रतिक्रिया में दिखना चाहिए और उन व्यवस्थाओं में दिखना चाहिए, जो किसी अकेली लड़की को संकट में पड़ने से पहले सुरक्षा उपलब्ध कराएं। वर्तमान घटना से दिल्ली-एनसीआर के लिए कुछ स्पष्ट सबक निकलते हैं। रात में चलने वाली बसों की अनिवार्य निगरानी हो, सभी स्लीपर बसों में कार्यशील सीसीटीवी और आपातकालीन संचार प्रणाली हो।

रोहित शेट्टी ने आखिर क्यों करीना कपूर से मांगी माफी?

फिल्मी दुनिया और उससे जुड़े किस्सों के बारे में हर कोई जानना चाहता है। कुछ किस्से तो ऐसे हैं, जो आज भी लोगों को नहीं पता। इसलिए बॉलीवुड के किस्सों में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर रोहित शेट्टी ने क्यों करीना कपूर से माफी मांगी थी और क्यों बेबो सबके सामने इमोशनल हो गई थीं? आइए जानते हैं करीना और रोहित शेट्टी से जुड़ा से किस्सा क्या है? दरअसल, ये बात है उस समय की जब करीना कपूर अपनी फिल्म 'गोलमाल 2' के प्रमोशन के लिए एक म्यूजिक रियलिटी शो में गई थी। इस दौरान शो के एंकर ने सरप्राइज देते हुए मंच पर एक सीनियर सीटिजन को पेश किया। शो में व्हील चेयर पर जो शख्स सबके सामने थे, उनके बारे में बताया गया कि ये करीना के दादा राज कपूर के साथी राम प्रसाद गोयंका हैं।राम प्रसाद गोयंका, करीना कपूर के दादा के बेहद करीब थे और उन्होंने भी करीना कपूर को अपनी गोद में खिलाया है। इसके अलावा राम प्रसाद गोयंका को लेकर बताया गया कि वो करीना कपूर के दादा राज कपूर के साथ बतौर टेक्नीशियन फिल्म 'आग' से लेकर 'सत्यम शिवम सुंदरम' तक जुड़े रहे, लेकिन आद बहुत ही मुफलिसी में जिंदगी काट रहे हैं।

करीना ने राम प्रसाद गोयंका को दिया चेक

राम प्रसाद गोयंका की मदद के लिए शो में करीना कपूर के हाथों से उन्हें आठ लाख का चेक दिलवाया जाएगा। इस दौरान करीना बेहद इमोशनल हो गई और उन्होंने आठ लाख का चेक राम प्रसाद गोयंका के हाथों में दिया। अब जैसे ही राम प्रसाद गोयंका को चेक मिला, तो उनके

बदन में अलग ही फुर्ती आ गई और वो डगमगाते हुए

अपनी व्हील चेयर से उठे और नागिन डांस करने लगे।

बीच में आए रोहित शेट्टी

इस दौरान करीना के साथ मौजूद अजय देवगन, साजिद-वाजिद सभी हैरान हो गए कि आखिर ये क्या हुआ? फिर डांस करते हुए राम प्रसाद ने अपना मेकअप उतारा, तो वहां निकले कॉमेडियन व्रजेश हीरजी। व्रजेश को देखने के बाद करीना कपूर उन्हें मारने के लिए दौड़ी, लेकिन इस दौरान रोहित शेट्टी बीच में आ गए।

रोहित शेट्टी ने करीना से मांगी माफी

इसके बाद रोहित ने बताया कि ये आइडिया था और प्रैंक था। फिर रोहित शेट्टी ने सबके सामने करीना कपूर से माफी मांगी कि उन्हें ऐसा मजाक नहीं करना चाहिए था। सच जानने के बाद करीना ने भी रोहित को माफ कर दिया। हालांकि, एक्ट्रेस ने कहा कि अच्छा हुआ मैंने व्रजेश के पैर नहीं छुए क्योंकि चेक देने के बाद में तथा-कथित राम प्रसाद गोयंका के पैर छूने जा रही थी।

सिद्धार्थ निगम ने गर्लफ्रेंड संग शेयर की तस्वीर रिश्ते को सीक्रेट रखने की बताई वजह

'किसी का भाई किसी की जान' एक्टर सिद्धार्थ निगम ने सोशल मीडिया पर एक रोमांटिक पोस्ट के जरिए फैंस को अपनी गर्लफ्रेंड रिया ठक्कर का चेहरा दिखाया। एक्टर की यह तस्वीर अब लोगों के बीच चर्चा में बनी हुई है। सिद्धार्थ निगम ने रिया ठक्कर के साथ अपनी क्यूट तस्वीर शेयर की और साथ में एक नोट भी लिखा है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे वे अचानक किसी से मिले और उनके बीच एक खास रिश्ता बन गया। इस पोस्ट में सिद्धार्थ और रिया पोज देते हुए दिख रहे हैं। हालांकि, एक्टर ने अपनी गर्लफ्रेंड की पहचान नहीं बताई है, लेकिन पोस्ट के कैप्शन ने लोगों का ध्यान खींचा है। इसमें जिक्र किया कि अब तक उन्होंने यह रिश्ता छिपाकर क्यों रखा था। सिद्धार्थ निगम ने कैप्शन में लिखा, 'दो अजनबी, दो जिंदगी और एक ऐसी मुलाकात जिसके बारे में हममें से किसी को अंदाजा नहीं था कि यह हमारी कहानी का इतना खूबसूरत हिस्सा बन जाएगी।'

नोट में आगे बताया गया कि कैसे 'कोई प्लान नहीं था, कोई स्क्रिप्ट नहीं थी' और कैसे आम दिनों, बातचीत और हंसी-मजाक के बीच उनका रिश्ता गहरा होता गया। सिद्धार्थ ने यह भी बताया कि उन्होंने इस पल को सबके साथ शेयर करने का फैसला क्यों किया। नोट में लिखा, 'लंबे समय तक यह सिर्फ हमारा था।' उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के सामने उस रोशनी की थोड़ी सी झलक लाने का फैसला करने से पहले उन्होंने चुपचाप इस रिश्ते को जिया और संजोया।

रश्मिका मंदाना

टीम मैं 'एपिक' फिल्म देखूंगी

'एपिक' फिल्म बड़ी सफलता हासिल करना चाहती है। इसमें आनंद देवरकोंडा, वैष्णवी चैतन्य और आदित्य हासन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसे सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज़ के बैनर तले सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्य से प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया गया। इस इवेंट में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं रश्मिका ने कहा, 'मुझे ट्रेलर बहुत पसंद आया। यह एक अच्छी रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म लग रही है। आनंद हमेशा फिल्मों के बारे में सोचते रहते हैं। वह फिल्म के लिए बहुत मेहनत करते हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में 'कडाली' का किरदार बहुत शानदार होगा। वैष्णवी को भी इससे अच्छी पहचान मिलेगी। आदित्य को देखकर मुझे गर्व महसूस होता है। हेशम का संगीत हमेशा की तरह शानदार होगा। 'एपिक' 11 तारीख को रिलीज़ हो रही है और इसके 10 प्रीमियर शो रखे गए हैं। मैंने टीम से कहा है कि मैं यह फिल्म ज़रूर देखूंगी।' आनंद देवरकोंडा ने कहा, 'उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। इस फिल्म का नाम 'एपिक' रखने के पीछे एक वजह है। हमारी ज़िंदगी में कई 'एपिक' (अविस्मरणीय) पल होते हैं। मुझे उम्मीद है कि सभी को ट्रेलर पसंद आएगा।

यह एक इमोशनल फिल्म है। हम इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे।' वैष्णवी चैतन्य ने कहा, 'मैं सितारा बैनर के तहत फिल्में करती रही हूं। अब 'एपिक' में काम करना खुशी की बात है। मुझे कॉमेडी रोल में मौका देने के लिए आदित्य जी का धन्यवाद। हर फ्रेम को खूबसूरती से सजाया गया है। आदित्य हासन ने कहा, 'सभी को यह फिल्म पसंद आएगी। आनंद, वैष्णवी, शिवाजी गारू और वासुकी गारू ने शानदार अभिनय किया है।' हेशम ने कहा कि फिल्म का संगीत सभी को आकर्षित करेगा। इस मौके पर अभिनेता शिवाजी, निर्देशक शिवा निर्वाण, शैलेश कोलानू, कल्याण शंकर, विनोद अनंतोजू, साई मार्तंड और अन्य लोग शामिल हुए।

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।

अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा,

मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी। शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है। आईएएनएस ने अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं? अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है।

मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें। बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

'मुझे समझ नहीं आता था क्यों'

बिना वजह फिल्मों से निकाले जाने पर तारा सुतारिया ने बयां किया दर्द

फिल्म इंडस्ट्री में कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि स्टारर्स को किसी मूवी के लिए चुन लिया जाता है। हालांकि, बाद में उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया जाता है और उनकी जगह किसी दूसरे कलाकार को साइन कर लिया जाता है। वहीं अब यश की मूवी टॉक्सिक की एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने भी एक किस्सा शेयर किया है, जब उन्हें कई फिल्मों से इसी तरह निकाल दिया जाता था। एक्ट्रेस यह किस्सा शेयर करते हुए काफी इमोशनल हो गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर काफी तकलीफ हुई थी। तारा आज भी उस घटना को भूल नहीं पाई है। चलिए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा है।

मरजावां और अपूर्वा फिल्मों में जलवा बिखेर चुकी एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने कहा कि मैं अपने करियर की शुरुआती दिनों में एक मूवी करने वाली थी, लेकिन मुझे अचानक पता चला था कि मैं उस मूवी से बाहर कर दी गई हूं उस फिल्म में नहीं हूं। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि कोई दूसरा ही उस मूवी को करने वाला है। उन्होंने कहा कि मुझे जिस तरीके से यह बात पता चली थी, वो काफी बुरी थी। ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन मेरे साथ ऐसा कई बार हुआ था। मैं उस टाइम फिल्म इंडस्ट्री में नई-नई आई थी, जिसकी वजह से मुझे काफी तकलीफ हुई थी। तारा ने आगे कहा कि मुझे इंडस्ट्री और पेशे का स्वभाव ही समझ में नहीं आ रहा था।

एक्ट्रेस ने आगे यह भी कहा कि कई बार मुझे फिल्मों से बाहर निकालने के ऐसे-ऐसे कारण बताए जाते थे, जो समझ में ही नहीं आते थे। मैं आज भी करियर के शुरुआती दिनों में हुए घटनाओं के बारे में सोचती हूं, तो आज भी मुझे तकलीफ होती है। तारा ने कहा कि आप इस तरह की घटना को आसानी से चुटकियों में ही पूरी तरह से भूल तो नहीं सकते हैं ना। एक्ट्रेस ने की जब मैने इंडस्ट्री में समय बिताया, तो समझ आया कि यह सिर्फ मेरे साथ ही नहीं बल्कि कितने लोगों के साथ हुआ है।

वो फिल्मी एक्ट्रेस, जिनकी शिकायत भारत के प्रधानमंत्री तक पहुंची

कैसे निपटा था मामला?

हिंदी सिनेमा की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने अपनी लाइफ में कई चीजें फेस की हैं। कभी-कभी कुछ मुद्दों पर एक्ट्रेसेस बात भी करती हैं, लेकिन क्या आप उस अभिनेत्री के बारे में जानते हैं, जिनकी शिकायत सीधे भारत के प्रधानमंत्री के पास पहुंची थी। अब आप भी ये सोच रहे होगें कि आखिर ये कौन हसीना हैं, जिनकी शिकायत सीधे भारत के प्रधानमंत्री के पास आई,

फिल्म 'सौदागर'

दरअसल, बात आज की नहीं बल्कि सालों पहले की है, जब सुभाष घई ने मनीषा कोइराला को फिल्म 'सौदागर' से ब्रेक दिया था। फिल्म 'सौदागर' की शूटिंग कुल्लू-मनाली में हो रही थी, जिसमें दिलीप कुमार और राज कुमार के साथ मनीषा कोइराला को भी भाग लेना था। इस दौरान यूनिट के एक मेंबर ने मनीषा कोइराला के साथ मिसबिहेव किया था।

मनीषा के पिता ने दिल्ली लगाया फोन

अब ये बात तो सभी जानते हैं कि मनीषा कोइराला नेपाल के भूतपूर्व प्रधानमंत्री बीपी कोइराला की पोती हैं। जब मनीषा ने अपनी मां से इस मिसबिहेवियर की बात शेयर की, तो मां ने ये बात मनीषा के पिता प्रकाश कोइराला को बता दी। इसके बाद उन्होंने फौरन दिल्ली फोन लगा दिया और ये बात उस समय के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर तक पहुंच गई।

भारत के प्रधानमंत्री तक पहुंची बात

जैसे ही ये बात चंद्रशेखर को पता चली, तो उन्होंने भी तुरंत प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप को फोन लगा दिया। प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह को इस बात का पता लगते ही उन्होंने सीधा फोन राज बब्बर को किया। उन्होंने राज बब्बर से मामले की तत्काल छानबीन करके निपटाने के लिए कहां और बस फिर क्या था।

मामले को निपटाने में लगे नेता

इसके बाद राज बब्बर सीधे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवांर के पास पहुंचे और फिर कई छोटे-बड़े नेता कुल्लू-मनाली पहुंच गए और मामले को निपटाने की कोशिश करने लगे। इस तरह की घटनाएं कई बार हुई हैं, लेकिन सारी यूनिट इस बात पर हैरान थी कि ये शिकायत भारत के प्रधानमंत्री तक कैसे पहुंच गई?

मनीषा कोइराला के बारे में

मनीषा कोइराला की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में सुभाष घई की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में कदम रखा था। ये फिल्म बहुत सफल रही और वो रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1989 की नेपाली फिल्म 'फेरी भेटौला' से की थी। इसके अलावा मनीषा ने 90 के दशक में '1942: ए लव स्टोरी', 'बॉम्बे', 'अग्निसाक्षी', 'गुप्त', 'खामोशी' और 'दिल से' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। आज मनीषा एक सफल अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है।

नयनतारा और विग्नेश शिवन ने चेन्नई में पीवी सिंधु को डिनर पर बुलाया

बैडमिंटन स्टार ने कहा कि अब उनका 'परिवार थोड़ा और बढ़ गया है'

हाल ही में चेन्नई में एक्ट्रेस नयनतारा और उनके फिल्ममेकर पति विग्नेश शिवन ने बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को डिनर पर बुलाया। इंस्टाग्राम पर उनके साथ तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने इस कपल के लिए एक प्यारा सा नोट लिखा। उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें चेन्नई में भी अपना एक 'परिवार' जैसा महसूस होता है। नयनतारा और विग्नेश ने भी उनके प्यार का जवाब दिया। सिंधु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नयनतारा और विग्नेश के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने लिखा, खूबसूरत शाम। शानदार खाना। दिल से बातें और ढेर सारी हंसी-मज़ाक। उन्होंने आगे कहा, मज़ेदार बात है कि कुछ डिनर लोगों के बारे में आपकी सोच बदल सकते हैं। आप दोस्तों की तरह जाते हैं, ज़िंदगी, प्यार और बाकी चीज़ों के बारे में बात करते हैं, और जब लौटते हैं तो ऐसा लगता है जैसे आप एक-दूसरे को हमेशा से जानते हों।

सिंधु ने लिखा कि वहां उनका परिवार तो पहले से ही है, लेकिन नयनतारा और विग्नेश के साथ भी उन्हें अपनापन महसूस हुआ, चेन्नई हमेशा से घर जैसा लगा है क्योंकि मेरी प्यारी आंटी @सेंथिलकुमारार्थी वहां हैं, लेकिन इस शाम के बाद, ऐसा लगता है जैसे वहां मेरा परिवार थोड़ा और बढ़ गया है। विकी और नयन, आप दोनों का दिल बहुत बड़ा है। सिंधु के पति वेंकट दत्ता साई भी उनके साथ नज़र आए। नम्रता शिरोडकर ने पोस्ट पर हार्ट इमोजी के साथ कमेंट किया। नयनतारा और विग्नेश ने भी उनके प्यार का जवाब दिया। नयनतारा ने पोस्ट पर कमेंट किया, आप लोगों के लिए ढेर सारा प्यार,₹ साथ ही हार्ट और हग इमोजी भी बनाए। उन्होंने सिंधु की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर भी शेयर किया। विग्नेश ने कमेंट किया, आप दोनों बहुत प्यारे हैं। हमारी तरफ से हमेशा ढेर सारा प्यार, साथ ही हार्ट इमोजी भी बनाए। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर यह भी लिखा, @पी.वी. सिंधु1 आप वैसी सख्त इंसान नहीं हैं जैसी हम कोर्ट पर देखते हैं आपका दिल बहुत बड़ा है। और प्यारे दत्ता :) आप दोनों को ढेर सारा प्यार और सम्मान।

झीरम नक्सली हमला, 10 आरोपी दोषी करार

29 लोगों की जान गई थी, भूपेश बोले– एनआईए ने लीपापोती की, भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचा रही

जगदलपुर/रायपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। झीरम घाटी नक्सली हमले मामले में आज यानी 5 सितंबर को जगदलपुर स्थित एनआईए कोर्ट ने सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है। इस केस में 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि बाकी 10 आरोपियों पर आज फैसला आया। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज पेश किए थे।

दरअसल, 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने सबूतों के आधार पर आरोप साबित होने की दलील दी थी, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों को चुनौती दी थी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि एनआईए ने लीपापोती का काम किया। एसआईटी की जांच में षड्यंत्रों का पर्दाफाश होता। भाजपा इस मामले की तह तक ही नहीं जाना चाहती। भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचाने का काम

कर रही है। पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। 25 मई 2013 को झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में दिग्गज कांग्रेस नेताओं समेत 29 लोगों की जान गई थी। इसमें 10 पुलिसकर्मी शामिल थे। हमले में 38 लोग घायल हुए थे।

वहीं 10 आरोपियों की पैरवी कर रहे वकील अरविंद चौधरी ने कहा कि वे फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। एक आरोपी के बेटे ने कहा कि उनके पिता को फंसाया गया है। वे नक्सली संगठन में शामिल ही नहीं थे। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। लेकिन एनआईए ने जिस प्रकार से जांच की, उसमें कोई बड़े नक्सली नेता नहीं थे। उनको बचाया गया, जबकि एफआईआर में उनके नाम थे। दूसरी बात, इसमें षड्यंत्रों की जांच नहीं की गई। तीसरी बात, इतनी जघन्य घटना घटी, किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। एनआईए ने लीपापोती का काम किया। इसलिए हमने एसआईटी का गठन किया। एनआईए ने उसे लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चुनौती दी, जिसमें हमें हर जगह सफलता मिली। दुर्भाग्य की बात रही कि हमारी सरकार चली गई। इस फैसले पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बस्तर जानता है कि कांग्रेस नेताओं और जवानों की हत्या राजनीतिक षड्यंत्र और सुपारी किलिंग थी। सत्ता हासिल करने के लिए हत्याएं कराई गई थीं। जिन 10 लोगों को आरोपी बनाया गया, वे बड़े नक्सली नहीं थे। हमले की प्लानिंग करने वाले बड़े नक्सली लीडरों पर कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं महेंद्र कर्मा की बेटी तूलिका कर्मा ने कहा कि अभी भाजपा की सरकार है। घटना के समय भी भाजपा की सरकार थी। एनआईए भी उन्हीं के इशारों पर चला। घटना के वक्त जो लोग मौजूद थे उन्हें ही पूछताछ के लिए बुलाया ही नहीं गया। न्याय के नाम पर खानापूर्ति कर दी गई।

नंदकुमार पटेल के बेटे और विधायक उमेश पटेल ने कहा कि 10 आरोपियों को दोषी करार दिया गया है।

कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। लेकिन षड्यंत्रों की जांच को लेकर मांग की गई थी। इसे लेकर आगे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

फर्जी दस्तावेज के आधार पर वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की कोशिश

रूबेदा बेवा और रबी शेख समेत 4 के खिलाफ एफआईआर

साहेबगंज, 5 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के साहेबगंज जिले में फर्जी दस्तावेज के आधार पर वोटर लिस्ट में जाम जुड़वाने के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। इस मामले में चार लोगों के अलावा कॉमन सर्विस सेंटर के संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। भाजपा की ओर से पहले की संताल परगना प्रमंडल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रवेश कर जाने का मामला उठाया जाता रहा है।

ये कार्रवाई झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमारसंताल परगना क्षेत्र के विभिन्न जिलों के दौरे के दौरान की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शनिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हो रही शिकायतों की भौतिक जांच के लिए साहेबगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने से जुड़े मामलों की स्थल जांच की। मुख्य निर्वाचन

पदाधिकारी ने बरहरवा में चिह्नित संदिग्ध व्यक्तियों के घरों पर जाकर स्वयं स्थल जांच की। उन्होंने संबंधित व्यक्तियों, उनके निवास और मतदाता सूची में पंजीकरण से संबंधित उपलब्ध अभिलेखों और प्रस्तुत दस्तावेजों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक संदिग्ध मामले की गहनता से जांच की जाए और तथ्यों एवं उपलब्ध दस्तावेजों का नियमानुसार सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

बरहरवा प्रखंड में संदिग्ध दस्तावेजों के संबंध में उपलब्ध कराई गई सूची में आहुत ग्राम के कुल 4 व्यक्तियों को चिह्नित किया गया है। इनमें रूबेदा बेवा, रबी शेख, पिंटू शेख, सेन्टु शेख की ओर से फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र प्रस्तुत की गई हैं। इन अपात्र व्यक्तियों को कॉमन सर्विस सेंटर के संचालक मोहम्मद सलीम की ओर से फर्जी दस्तावेज तैयार कर उपलब्ध कराए गए थे। जांच के क्रम में बरहरवा प्रखंड में फर्जी दस्तावेज जमा कर अवैध रूप से मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास करने वाले 4 अपात्र व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

इस मामले में कॉमन सर्विस सेंटर के संचालक मोहम्मद सलीम द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर उपलब्ध करने के लिए भी प्राथमिकी दर्ज की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि फर्जी दस्तावेज के माध्यम से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और किसी भी अपात्र अथवा विदेशी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और मतदाता सूची की शुचिता बनाए रखने के लिए प्राप्त प्रत्येक गंभीर शिकायत की तथ्यपरक और निष्पक्ष जांच की जाएगी। उन्होंने संबंधित जिला निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि संदिग्ध दस्तावेजों से जुड़े मामलों में संबंधित अभिलेखों का सूक्ष्म सत्यापन करें।

नर्स रेप–मर्डर केस : आरोपी की पत्नी बोली पति निर्दोष

प्रेग्नेंट हूं, डिलीवरी के बाद हैदराबाद जाकर पति को बचाऊंगी, वो 3 महीने से गांव में थे

बेगूसराय, 5 सितंबर (एजेंसियां)। 'हैदराबाद पुलिस कहती है कि 3 महीने से मेरे पति नर्स की रेकी कर रहे थे, पर वे इन 3 महीनों में हैदराबाद में नहीं थे। दिसंबर 2025 में वो बीमार हो गए थे। इसके बाद गांव आ गए थे और समस्तीपुर के खानपुर में ऑपरेशन हुआ। 7 जुलाई को हैदराबाद गए थे।

मैं 9 महीने की गर्भवती हूं। हैदराबाद में मेरे पति सनाउल्लाह को नर्स से रेप-हत्या मामले में फंसाया गया है। उनको जेल भेज दिया गया है। मैं क्या करूं, मैं प्रेग्नेंट हूं। उतनी दूर अभी नहीं जा सकती हूं। इसी महीने में डिलीवरी होनी है। इसके बाद मैं हैदराबाद जाऊंगी। पति के लिए जो करना होगा, वो मैं करूंगी।'

ये बातें नसीमा खातून ने कही हैं। जिनके पति सनाउल्लाह (34) को हैदराबाद में पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर 30 अगस्त को गिरफ्तार किया था, हालांकि अभी कोर्ट में ट्रायल भी शुरू नहीं हुआ है।

सनाउल्लाह की पत्नी ने बताया कि 2022 में हमारी शादी हुई। 2 साल का बेटा सुल्तान है। दूसरा बच्चा पेट में है। पति हैदराबाद में एक गैराज में काम करते हैं। पहले वे गांव में ही ड्राइवरी करते थे, लेकिन पिछले 3 साल से हैदराबाद में काम कर रहे हैं।

इस बीच मैं दोबारा गर्भवती हुई। मुझे बहुत समझा-बुझाकर वे हैदराबाद गए थे। कहा था कि जा रहा हूं, खूब कमाऊंगा, अपने बच्चों का अच्छे से पालन-पोषण करूंगा। हमारी रोज बात होती थी। 28 अगस्त को भी रात 12:00 बजे तक हमारी लंबी बातें हुई, उसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।

29 अगस्त को जिसके यहां वे काम करते थे, उसी सेठ ने फोन करके बताया कि तुम्हारे पति को एक नर्स के साथ दुष्कर्म और हत्या के आरोप में पुलिस पकड़ कर ले गई है।

7 बेटियों ने मां की अर्थी को कंधा दिया

छोटी बेटी ने मुखाग्नि दी, बोली– हमें बेटों जैसे पाला, किसी और का सहारा क्यों लें

औरैया, 5 सितंबर (एजेंसियां)। औरैया में शनिवार को मां की मौत के बाद 7 बेटियों ने बारी-बारी से उनकी अर्थी को कंधा दिया। श्मशान घाट पहुंचने पर अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू हुई। इस बीच जब मुखाग्नि देने की बात आई, तो सब लोग सोच में पड़ गए कि चिता को आग कौन लगाएगा?

चर्चा के बाद सबसे छोटी बेटी ने फैसला लिया कि वह मां की चिता को मुखाग्नि देगी। किसी पुरुष रिश्तेदार का सहारा क्यों लें? बड़ी बहनों ने भी छोटी बहन के फैसले का समर्थन किया। दोपहर करीब 3 बजे छोटी बेटी ने मां की चिता को आग लगाई। मामला दिबियापुर इलाके का है।

दुर्गा नगर में रहने वाली कृष्ण देवी (59) के पति रामकिशोर सविता फौज में थे। रिटायर होने के कुछ साल बाद उनका निधन हो

गया था। उस समय सामाजिक रीति-रिवाजों की वजह से रामकिशोर के अंतिम संस्कार में परिवार के भतीजे की मदद ली गई थी, क्योंकि उनके कोई बेटा नहीं था। पति की मौत के बाद कृष्ण देवी ने अकेले ही अपनी 7 बेटियों की परवरिश की। बेटियों के लिए मां ही उनका सहारा और मार्गदर्शक थीं। कृष्णा देवी काफी समय से बीमार चल रही थीं। उनकी बेटियां मिलकर इलाज और घर का खर्च चला रही थीं। छोटी बेटी सोनी सविता (25) मायके में रहकर मां की देखभाल कर रही थी। उनके पति आगरा में प्राइवेट नौकरी करते हैं। शनिवार सुबह कृष्ण देवी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान मुखाग्नि देने पर चर्चा हुई। गांववालों और परिवार में किसी पुरुष रिश्तेदारों से यह जिम्मेदारी निभाने की बात चली।

इसी बीच कृष्ण देवी की सबसे छोटी बेटी सोनी सविता ने सबको टोक दिया। कहने लगीं- मां ने हमें बेटों की तरह पाला है। वह कहती थीं कि तुम सब बेटियां ही मेरे लिए बेटे हो। हमने भी कभी उन्हें बेटे की कमी महसूस नहीं होने दी। अब हम मां के अंतिम संस्कार के लिए किसी और का सहारा नहीं लेंगे। सामाजिक रीति-रिवाजों को दरकिनार करते हुए कृष्ण देवी की 7 बेटियों ने मां की अर्थी को बारी-बारी से कंधा दिया।

गांववालों और परिवार के लोगों ने भी उनकी मदद की। पार्थिव शरीर को लेकर सभी लोग दिबियापुर के मुक्तिधाम पहुंचे।

मरे बच्चे को जिंदा करने के लिए मंदिर में लिटाया

सांप ने डसा तो महाराजगंज से 250किमी गाजीपुर ले गए, झांड़फूक करवाया, सांसें नहीं लौटी

महराजगंज, 5 सितंबर (एजेंसियां)। महराजगंज में बेड पर सो रहे मां और उसके 11 साल के बेटे को करैत सांप ने डस लिया। थोड़ी देर बाद बच्चे की मौत हो गई। मां की हालत गंभीर है। सांप खिड़की के सहारे कमरे की दीवार पर आया, जिसके बाद बेड पर गिरा। बच्चे के अंगूठे पर डसते ही उसने शोर मचाया तो मां उठ गई। जबतक वो कुछ समझ पाती, तब तक सांप ने उसके गाल पर डस लिया। मां ने शोर मचाया तो परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में परिवार के लोग दोनों को लेकर संयुक्त चिकित्सालय महराजगंज पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत करार दे दिया।

विजयवर्गीय के 'फायदे' वाले बयान पर रागिनी नायक का तंज

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता बोलीं– राहुल गांधी के आने से भाजपा को 'घंटा' फायदा होगा

इंदौर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का घंटे वाला बयान एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने कहा कि राहुल गांधी के इंदौर आने से भाजपा को घंटा कोई फायदा नहीं होगा। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में दोबारा हलचल तेज कर दी है, इसके साथ ही मंत्री कैलाश विजयवर्गी का भागीरथपुरा दूषित जल कांड के दौरान दिया गया, यह बयान एक बार फिर चर्चाओं का विषय बन गया है।

शनिवार को इंदौर के प्रेस क्लब में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम सहित अन्य मुद्दों को लेकर आई थीं।

इस दौरान उनसे पूछा गया कि भाजपा के नेता का कहना है कि राहुल गांधी के आने से भाजपा को

ही फायदा होगा। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जो बोलते हैं, उनका खुद का ही मजाक बन जाता है।

उन्होंने कहा, "अगर वह यह कह रहे हैं कि राहुल गांधी के आने से भाजपा का ही फायदा होगा, तो मैं कहूंगी- घंटा, घंटा फायदा होगा कैलाश विजयवर्गीय जी। अपने गिरेबान में झांककर देखिए और बोलने से पहले थोड़ा सोचिए। अब तक तो आपको सीख जाना चाहिए था।

बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत पर प्रधानमंत्री को पत्र

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने पीएम से की उच्चस्तरीय जांच की मांग

भोपाल, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बालाघाट जिले में बैगा आदिवासियों के बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार देश में नक्सलवाद समाप्त होने और प्रभावित क्षेत्रों में विकास की पहुंच बढ़ने की बात कर रही है, वहीं बालाघाट जिले की जमीनी स्थिति एक अलग तस्वीर प्रस्तुत करती है। यहां आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति आज भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

पत्र में सिंघार ने इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और केंद्र सरकार की ओर से प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए

मध्य प्रदेश सरकार को समयबद्ध कार्रवाई के लिए आदेशित करने का अनुरोध किया है।

सिंघार ने अपने पत्र में लिखा है कि मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में बैगा आदिवासी बच्चों की लगातार हो रही मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक एवं चिंताजनक है। प्रभावित ग्रामों में लगभग 30 बैगा बच्चों की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है।

पिछले कई महीनों से मलेरिया, खसरा एवं अन्य संक्रमणों के साथ कुपोषण, दूषित पेयजल और पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

उन्होंने कहा है कि बैगा समुदाय विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) है, जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा पीएम-जनमन के माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। ऐसे में बच्चों की उपचार योग्य बीमारियों से मृत्यु योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्न खड़ा करती है।

अफेयर के शक में पत्नी को गंगा में फेंका

पुल पर दोनों का झगड़ा हुआ, पति ने खुद फोन करके पुलिस को बताया

उन्नाव, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उन्नाव में शुक्रवार शाम एक पति ने पत्नी को गंगा नदी में फेंक दिया। दोनों के बीच पुल के बींचोबीच झगड़ा हुआ। इसके बाद पति ने पत्नी को गंगाजी में धक्का दे दिया। घटना के तुरंत बाद पति ने खुद पुलिस को कॉल करके कहा- मेरी पत्नी गंगा नदी में कूद गई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया।

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि पति अपनी पत्नी पर अफेयर को लेकर शक करता था। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि पति ने झगड़े के दौरान पत्नी को पुल से नीचे धक्का दे दिया। घटना सफीपुर इलाके की है। पुलिस गोताखोरों की मदद से महिला की तलाश में जुटी हुई है।

बिठूर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव के रहने वाले सुजीत राजपूत (20) की शादी 14 दिसंबर, 2024 को उषा (19) से हुई थी।

रोडवेज बस ने 3 दोस्तों को कुचला

कन्नौज, 5 सितंबर (एजेंसियां)। कन्नौज जिले के गुरसहायगंज में एक रोडवेज बस ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। इस हादसे में तीनों की अस्पताल में मौत हो गई। यह घटना बीती रात करीब 1:30 बजे हुई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के बैसनपुरवा गांव के रहने वाले अनुराग (18) पुत्र बृजेश सिंह और आशीष (15) पुत्र गौरव सिंह, साथ ही तालग्राम थाना क्षेत्र के अमोलर निवासी अमन (18) पुत्र घनश्याम एक ही बाइक पर सवार होकर गुरसहायगंज नगर में जन्माष्टमी की झांकियां देखने गए थे। रात करीब 1:30 बजे तीनों दोस्त बैसनपुरवा गांव वापस जाने के लिए निकले। जैसे ही वे गुरसहायगंज में नेशनल हाईवे के पूर्वी बाईपास पर डुडवाबुजुर्ग कट के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। रात का सन्नाटा होने के कारण ड्राइवर तीनों को रौंदते हुए बस लेकर भाग गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बाइक सवारों की पहचान कर उनके परिजनों को जानकारी दी। तीनों गंभीर घायलों को गुरसहायगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन वहां ड्यूटी पर कोई डॉक्टर नहीं मिला। डॉक्टरों के आने में करीब 30 मिनट की देरी हुई, तब तक तीनों ने दम तोड़ दिया था। इस हादसे से परिजनों में मातम छा गया।

बताया गया कि हादसे में जान गंवाने वाले तीनों दोस्त छात्र थे। अमोलर निवासी अमन बचपन से ही बैसनपुरवा गांव में अपने नाना हुकुम सिंह के घर रह रहा था। वह अपने दोस्त अनुराग और आशीष के साथ बाइक से झांकी देखने गया था।

इस मामले को लेकर गांव के अमन सिंह ने बताया कि अगर गुरसहायगंज के सरकारी अस्पताल में ड्यूटी पर डॉक्टर मिल जाते तो एक या दो छात्रों की जान बचाई जा सकती थी।

ट्रक ने सास–बहू समेत 3 महिलाओं को कुचला, मौत

मुरैना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मुरैना में कृष्ण जन्मोत्सव देखकर घर लौट रहीं तीन महिलाओं को दिल्ली की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घिरोना हनुमान मंदिर के पास हुआ।

टक्कर के बाद ट्रक सड़क किनारे बनी कुछ दुकानों में जा घुसा। इससे दुकानों को भी नुकसान पहुंचा। सिविल लाइन थाना पुलिस ने तीनों महिलाओं के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया।

हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस और संबंधित टीम ने ट्रक को घटनास्थल से हटाने का काम शुरू किया।

सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाली तीनों महिलाएं हरफूल का पुरा गांव की रहने वाली थीं। घर हाईवे के किनारे मंदिर से कुछ दूरी पर हैं। महिलाओं की पहचान कमला कुशवाहा (50), पति फूल सिंह, कमला कुशवाहा (50), पति बालकिशन और पूनम कुशवाहा (28), पति धर्मवीर के रूप में हुई। इनमें कमला और पूनम सास-बहू थीं। तीसरी महिला भी परिवार की ही सदस्य बताई जा रही है, लेकिन उनका रिश्ता क्या है, यह कंफर्म नहीं हो पाया है।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत का ब्रिटेन दौरा

गुरुद्वारा और मंदिर में टेका मत्था खालिस्तानियों की धमकी बेअसर

लंदन, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ब्रिटेन के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने एक हिंदू मंदिर और सिख गुरुद्वारा में मत्था भी टेका है। उनका एक जैन मंदिर भी जाने का कार्यक्रम है। भागवत का यह दौरा भारत विरोधी खालिस्तान समर्थकों की धमकियों के बीच हो रहा है। अमेरिका और कनाडा की तरह ब्रिटेन में भी मोहन भागवत के दौरे का जमकर विरोध हो रहा है। हालांकि, इसके बावजूद उनका विदेश दौरा जारी है। इससे पहले भागवत ने अमेरिका और कनाडा में भी सार्वजनिक सभाओं को संबोधित किया।

मोहन भागवत शुक्रवार रात लंदन पहुंचे। ब्रिटेन में विभिन्न धर्मों के लोगों के साथ बातचीत के तहत, उन्होंने विल्सडेन में श्री स्वामीनारायण मंदिर और 'खालसा जत्था ब्रिटिश आइल्स' गुरुद्वारे का दौरा किया है। वे लंदन में एक जैन मंदिर भी जाएंगे। भागवत ब्रिटेन में अलग-अलग धर्मों के नेताओं, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और अन्य जानी-मानी हस्तियों से मुलाकात भी कर रहे हैं।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत 'इंटीग्रल' और 'हिंदू स्वयंसेवक संघ यूके' के समन्वय से 6 सितंबर को लंदन में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। 'इंटीग्रल' ब्रिटेन में स्थित एक संस्था है जो नेताओं और समुदायों को एक साथ लाती है। इसका उद्देश्य ब्रिटेन के भीतर और भारत के साथ बातचीत, सहयोग और लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते मजबूत करना है। ब्रिटेन में स्थित 115 सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं 'इंटीग्रल' के साथ मिलकर मोहन भागवत का स्वागत कर रही हैं और उनके दौरे के दौरान होने वाले बड़े कार्यक्रमों में सहयोग कर रही हैं।

6 सितंबर को लंदन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को 'सेलिब्रेशन ऑफ वननेस' (एकता का उत्सव) नाम दिया गया है। इस थीम के तहत सामुदायिक नेताओं के लिए एक स्वागत समारोह और सभ्यता से जुड़ी बातचीत का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन करने वाली हिंदू सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था'हिंदू स्वयंसेवक संघ यूके' को 1966 में ब्रिटेन में स्थापित किया गया था।

इस उत्सव में पूरे यूके से 310 सामुदायिक संस्थाओं और संगठनों के शामिल होने की उम्मीद है।

गुजरात की 6 'डमी पार्टियों' को 5500 करोड़ चंदा

लखनऊ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर भ्रष्टाचार, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और दलित-पिछड़ा विरोधी राजनीति के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने गुजरात में पंजीकृत छह राजनीतिक दलों को मिले करीब 5500 करोड़ रुपए के चंदे का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

संजय सिंह ने दावा किया कि इन छह पार्टियों ने लोकसभा में कुल 15 उम्मीदवार उतारे थे। बावजूद उन्हें हजारों करोड़ रुपए का चंदा मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां वास्तव में भाजपा की 'डमी पार्टियां' हैं और इनके जरिए काले व विदेशी धन को सफेद करने का खेल चल रहा है।

संजय सिंह ने कहा कि गुजरात में पंजीकृत आम जनमत पार्टी, सत्यवादी रक्षक पार्टी, स्वतंत्रता अभिव्यक्ति पार्टी, न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी, भारतीय नेशनल जनता दल और गरीब कल्याण को वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल करीब 5500 करोड़ रुपए का चंदा मिला। सवाल किया कि इन राजनीतिक दलों का कोई खास राजनीतिक वजूद नहीं फिर भी उन्हें इतना चंदा देने वाले कहां से आ गए?

उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा इन पार्टियों के पास नहीं, बल्कि इनके माध्यम से भाजपा तक पहुंचा।

साक्षी महाराज को बूचड़खाने न हटा पाने का दुख

उन्नाव, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने शनिवार दोपहर अपने कार्यालय में जनसुनवाई के बाद कई मुद्दों पर बयान दिए। उन्होंने दही चौकी इलाके में चल रहे बूचड़खानों को बंद कराने के अपने पुराने वादे पर बात की। सांसद ने कहा कि वह अब तक बूचड़खाने नहीं हटा पाने से खुद दुखी हैं, लेकिन इस मुद्दे पर उनकी लड़ाई जारी है और वह इन्हें जरूर हटवाएंगे। जब सांसद से पूछा गया कि उन्होंने उन्नाव आने पर बूचड़खानों को बंद कराने और गांवों में साफ पानी पहुंचाने की बात कही थी, लेकिन अभी तक बूचड़खाने बंद नहीं हुए हैं, तो उन्होंने कहा, "मैं खुद इस बात को लेकर बहुत दुखी हूं कि ये बूचड़खाने मैं नहीं हटा पाया हूं, लेकिन लड़ाई जारी है, जरूर हटाऊंगा।"

भारत और पोलैंड साइबर सुरक्षा

अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौतों की तैयारी में : एस. जयशंकर

वारसॉ,5 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि भारत और पोलैंड साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ कोयला, वर्गीकृत जानकारी और महत्वपूर्ण खनिजों सहित विभिन्न क्षेत्रों में समझौतों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ये समझौते द्विपक्षीय संबंधों में गहराई और मजबूती दोनों लाएंगे। वारसॉ में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, जिसे 2024 में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच निकटता राजनीतिक नेतृत्व की नियमित बैठकों और विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत तंत्रों में दिखती है। विदेश मंत्री ने कहा, आज रादोस्लाव सिकोरस्की और मैंने उस कार्य योजना की समीक्षा की, जिस पर दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा के दौरान सहमति बनी थी।

हमें जो रिपोर्ट कार्ड मिला, वह बहुत ठोस था, जो व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी, रक्षा सहयोग में गहराई, खनन और ऊर्जा जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में विस्तार के साथ-साथ अंतरिक्ष, डिजिटल, एआई और नवाचार में उभरती नई संभावनाओं का संकेत देता है। उन्होंने कहा, जहां तक तंत्रों का सवाल है। हाल ही में विदेश कार्यालय परामर्श आयोजित किया गया था। हमारा संयुक्त आयोग मिला था और जैसा कि आपने उप प्रधानमंत्री से सुना, रक्षा कार्य समूह, हम साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ कोयला, वर्गीकृत जानकारी, महत्वपूर्ण खनिज आदि सहित कई अन्य क्षेत्रों में समझौतों पर काम कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि वे हमारे संबंधों में बनावट और सार दोनों जोड़ेंगे।विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने घोषणा की कि जामसाहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का दूसरा संस्करण अक्टूबर में होगा। उन्होंने कहा कि पोलिश विश्वविद्यालयों में भारत के इंडोलॉजी और संस्कृत कार्यक्रम भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध गहरे हुए हैं और दोनों पक्षों के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते को इसका केंद्रबिंदु बताया।विदेश मंत्री ने कहा, जबकि हमारी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियां हैं और सभी संकेतक निरंतर विकास की ओर इशारा करते हैं, दो पहलू हैं जिन्हें मैं आज विशेष रूप से उजागर करना चाहता हूं। एक, पिछले कुछ वर्षों में यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध बहुत स्पष्ट रूप से गहरे हुए हैं। इसका केंद्रबिंदु निश्चित रूप से मुक्त व्यापार समझौता है, जिसे उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सभी सौदों की जननी बताया है। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के लिए अपार आर्थिक अवसर खोलेगा। यूरोपीय संघ के एक प्रमुख सदस्य के रूप में, पोलैंड को स्वाभाविक रूप से इस प्रक्रिया में लाभ होगा। इसलिए उप प्रधानमंत्री और मैंने चर्चा की कि हम इस नए परिदृश्य का लाभ कैसे उठा सकते हैं।पोलिश विदेश मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार को विदेश मंत्री जयशंकर और सिकोरस्की के बीच हुई बातचीत में रणनीतिक साझेदारी को लागू करने, रक्षा, अंतरिक्ष और जहाज निर्माण सहित चुनिंदा क्षेत्रों में सहयोग की स्थिति, यूरोप में सुरक्षा स्थिति, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग और स्मारकों और स्मरणोत्सव से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ थिंक टैंकों के बीच सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत की होगी मौज! $40 तक गिरेगा कच्चा तेल

महंगाई भी हो जाएगी छूमंतर, अमेरिका के वित्त मंत्री ने किया दावा

नई दिल्ली,5 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई थी और यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया था। शुक्रवार को इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 96.28 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। तेल महंगा होने का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है। अमेरिका में डीजल की कीमत ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुकी हैं। इस बीच अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के बाद तेल की कीमतें गिरकर $40 प्रति बैरल तक आ सकती हैं। इससे बॉन्ड यील्ड भी नीचे आएगी, जो हाल ही में कई साल के रेकॉर्ड पर है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक बेसेंट ने एक इंटरव्यू में बेसेंट ने कहा, 'हम ईरान के साथ इस टकराव से बाहर निकल आएंगे और मुझे उम्मीद है कि तेल की कीमतें कम होंगी। इसके बाद तेल बाजार में बहुत ज्यादा सप्लाई होगी। हो सकता है कि हम कच्चा तेल $50 या $40 पर देखें, क्योंकि बहुत सारा तेल बाजार में आ रहा है।'

महंगाई की चिंता

हालांकि बेसेंट ने ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के लिए कोई समय-सीमा नहीं बताई। इसके जल्द खत्म होने के आसार कम ही दिख रहे हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण ब्रेंट क्रूड $95 प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया जो जुलाई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। तेल की ऊंची कीमत के कारण महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। इससे दुनिया भर में बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड में उछाल आया है। इस हफ्ते 10 साल के यूएस बॉन्ड की दरें 2023 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। बेसेंट ने कहा, 'ब्याज दरों का तेल की कीमतों के साथ अब तक का सबसे ज्यादा कोरिलेशन देखा जा रहा है। ईरान का टकराव खत्म होगा, तो ब्याज दरें और महंगाई कम हो जाएंगी।'

भारत का फायदा

अगर कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आती है तो भारत को इसका बड़ा फायदा हो सकता है। इसकी वजह यह है कि भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। हाल में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 100 डॉलर के करीब पहुंच गई। जुलाई में भारत का कच्चे तेल के आयात का बिल 41 फीसदी बढ़कर 13.7 अरब डॉलर पहुंच गई।

भारत के कार बाजार में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पैसेंजर व्हीकल (यात्री वाहन) बाजार में हरित और स्वच्छ ईंधनों की ओर बदलाव ने अभूतपूर्व रफ्तार पकड़ ली है। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म 'इक्वायरस सिक्योरिटीज' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2026 में सीएनजी , हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री 42 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वाहन उद्योग के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब वैकल्पिक ईंधनों की कुल हिस्सेदारी शुद्ध पेट्रोल गाड़ियों से आगे निकल गई है। जीएसटी दरों में कटौती के बाद गाड़ियों की सस्ती होती कीमतों और ग्राहकों के बदलते रुझान की वजह से अगस्त महीने में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पेट्रोल और सीएनजी गाड़ियों की बाजार हिस्सेदारी में कितना अंतर आया है?

रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2026 के दौरान ईंधन के आधार पर गाड़ियों की बिक्री में बड़े फेरबदल देखने को मिले हैं:पेट्रोल की हिस्सेदारी में रिकॉर्ड गिरावटः भारतीय बाजार में पेट्रोल कारों की बाजार हिस्सेदारी गिरकर अब तक के समय के कम 41 प्रतिशत पर आ गई है। जो पिछले साल के समान महीने में 46 प्रतिशत थी। सीएनजी का ऑल-टाइम हाईः इसके उलट, सीएनजी कारों की मांग में रिकॉर्ड तेजी आई है। और इसकी बाजार हिस्सेदारी पिछले साल के 21 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। ई20 ईंधन का असरः रिपोर्ट में बताया गया है कि पेट्रोल में ई20 मिश्रण (20 प्रतिशत इथेनॉल) को लेकर ग्राहकों के मन में बनी झिझक ने भी लोगों को सीएनजी, हाइब्रिड और ईवी की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है।

अगस्त 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की कुल बिक्री में सालाना आधार पर 52 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया, जिसके साथ देश में कुल 30,700 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं। इससे कुल कार बाजार में ईवी पैठ बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई है, जो अगस्त 2025 में 5.9 प्रतिशत थी:टाटा मोटर्स का दबदबा बरकरारः 'टियागो ईवी' की मजबूत मांग और व्यापक पोर्टफोलियो के दम पर टाटा मोटर्स ने ईवी मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत की है। कंपनी की ईवी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है। जो दिसंबर 2025 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है। महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू एमजी और मारुति की स्थितिः बढ़ते मुकाबले के बीच जेएसडब्ल्यू एमजी(जेएसडब्ल्यू एमजी) की हिस्सेदारी घटकर 15 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत पर आ गई है। वहीं, सेगमेंट में हाल ही में कदम रखने वाली मारुति सुजुकी ने इलेक्ट्रिक कार मार्केट के लगभग 5 प्रतिशत हिस्से पर अपना कब्जा जमा लिया है। क्षेत्रीय स्तर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगस्त 2026 के दौरान 19 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक इलेक्ट्रिक कार पैठ दर्ज की गईः टैक्सी फ्लीट का योगदानः रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि दिल्ली के इस ऊंचे आंकड़े में विनफास्ट द्वारा सप्लाई की गई कमर्शियल टैक्सी बेड़े का बड़ा योगदान रहा।

वास्तविक निजी मांगः अगर टैक्सी बेड़े के रजिस्ट्रेशन को हटा भी दिया जाए, तो भी दिल्ली में ईवी की वास्तविक पैठ 12 से 14 प्रतिशत के आसपास रही। जो कि 7.7 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा है।

जियो को सिर्फ टेलीकॉम कंपनी नहीं मानते मुकेश अंबानी

बड़ी टेक कंपनी बनाने की है तैयारी!

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पेट्रोकेमिकल से लेकर मीडिया जगत तक राज करने के बाद अब मुकेश अंबानी टेक की दुनिया के बेताज बादशाह बनना चाहते हैं. जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के आगामी आईपीओ का ड्राफ्ट प्रोस्पेक्टस इसी प्लान की ओर इशारा करता है. अंबानी अपने डिजिटल साम्राज्य को सिर्फ एक आम वायरलेस कंपनी के तौर पर पेश नहीं कर रहे हैं, जो हर यूजर से महीने के महज 2.25 डॉलर कमाती है. इसके बजाय, इसे एक ऐसे ग्लोबल इनोवेशन हब के रूप में दिखाया जा रहा है, जिसके पास पूरी तरह से अपनी प्रोपराइटरी तकनीक मौजूद है. ड्राफ्ट के मुताबिक, जियो के 11,000 से ज्यादा कर्मचारी डिजिटल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में काम कर रहे हैं. ये कंपनी की कुल वर्कफोर्स का करीब 40 फीसदी है.

प्रीमियम वैल्यूएशन की चाहत

आईपीओ के दस्तावेज में साफ इशारा है कि कंपनी का बिजनेस मॉडल ग्लोबल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म्स से मेल खाता है. इसमें एआई-ड्रिवन नेटवर्क ऑटोमेशन से लेकर इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी लाइसेंसिंग की क्षमता शामिल है. जानकारों का मानना है कि ये पूरी पिच एक कंज्यूमर बिजनेस के लिए बेहतर वैल्यूएशन हासिल करने की कोशिश है. इसे स्पेस-एक्स के आईपीओ जैसी छवि देने का प्रयास किया जा रहा है. अगर एअरटेल के अफ्रीकी बिजनेस के आंकड़ों को हटा दें, तो 55 करोड़ सब्सक्राइबर्स के साथ जियो डेटा मार्केट में सबसे आगे है. हालांकि, लिस्टिंग की तैयारी कर रही इस कंपनी का 'रिटर्न ऑन नेटवर्थ' भारती एअरटेल के मुकाबले आधे से भी कम है. फिर भी बाजार को 120 से 140 अरब डॉलर के वैल्यूएशन की उम्मीद है.

एआई सब्सक्रिप्शन में 28 फीसदी की ग्रोथ

भविष्य की संभावनाओं को देखकर ही शायद इस वैल्यूएशन को सही ठहराया जा सकता है. पिछले साल डिजिटल सर्विसेज, जैसे एंटरटेनमेंट कंटेंट व एआई सब्सक्रिप्शन में 28 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई. वहीं, सामान्य टेलीकॉम बिजनेस में सिर्फ 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई.

रिक्वेस्ट के बाद भी बैंक नहीं बंद कर रहा क्रेडिट कार्ड?

जानें क्या उठाए अगला कदम, आपको हर रोज मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली,5 सितंबर (एजेंसियां)। देश के अधिकतर बैंकों के द्वारा अपने ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी जाती है। लोग इसका इस्तेमाल किसी सामान की खरीदारी करने, लोन लेने, ईएमआई भरने समेत अन्य कामों के लिए करते हैं। ऐसे में कई ऐसे लोग होते हैं जो अपने क्रेडिट कार्ड को बंद कराना चाहते हैं। इसके लिए वे संबंधित संस्था या बैंक से संपर्क करके क्रेडिट कार्ड को बंद करने का रिक्वेस्ट करते हैं। नियम के तहत बैंक को 7 वर्किंग डे के अंदर कार्ड को बंद करना होता है, लेकिन अगर इसमें देरी हो रही है, तो आप अगला कदम उठा सकते हैं। इतना ही नहीं, नियम के तहत पात्र ग्राहक को बैंक हर रोज 500 रुपये का मुआवजा भी देता है। आइए जानते हैं क्या कहता है आरबीआई का नियम।

क्रेडिट कार्ड बंद के लिए क्या है आरबीआई का नियम?

केंद्रीय बैंक आरबीआई का नियम कहता है कि अगर आपने बैंक से क्रेडिट कार्ड को बंद कराने का अनुरोध किया है तो उसे 7 वर्किंग डे के अंदर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होता है। वहीं, अगर इस तय समय में बैंक कार्ड को बंद नहीं करता है तो उसे पात्र ग्राहक को हर रोज 500 रुपये का मुआवजा देना पड़ता है। यह मुआवजा तब तक दिया जाता है, जब तक कि कार्ड को बंद नहीं कर दिया जाए।अगर बैंक 7 वर्किंग डे के अंदर क्रेडिट कार्ड को बंद नहीं करता है तो उसे 8वें दिन से हर दिन के हिसाब से ग्राहक को 500 रुपये का मुआवजा देना होगा। आरबीआई का यह नियम बैंक पर तब ही लागू होता है जब ग्राहक क्रेडिट कार्ड की सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया हो।

अदाणी ग्रुप का बड़ा कदम, भारत में ही तैयार करेगा एके-203 राइफल की गोलियां; बढ़ेगी सेना की ताकत

नई दिल्ली,5 सितंबर (एजेंसियां)। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने एके-203 असॉल्ट राइफल प्रोग्राम के लिए स्वदेशी 7.62x39 एमएम छोटे कैलिबर वाले गोला-बारूद की सप्लाई के लिए इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ पांच साल का समझौता किया है। यह पार्टनरशिप एके-203 राइफल बनाने और देश में ही गोला-बारूद बनाने की प्रक्रियाओं को जोड़ती है, जिससे कॉन्ट्रैक्ट की अवधि के दौरान भारत में एक इंटीग्रेटेड और लगातार सप्लाई चेन बनी रहती है। इसे यूपी के शहरों में बनाया जाएगा।इस व्यवस्था के तहत, अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस असॉल्ट राइफलों के लिए गोला-बारूद की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी पहले से मौजूद छोटी कैलिबर वाली गोला-बारूद बनाने की क्षमताओं का इस्तेमाल करेगी, जिसमें कानपुर में मौजूद प्रोडक्शन फैसिलिटी भी शामिल है। 7.62x39 एमएम राउंड के लिए भारतीय स्रोत उपलब्ध कराकर, यह समझौता बाहरी सप्लाई लाइनों पर निर्भरता कम करता है और सशस्त्र बलों के लिए सप्लाई की निरंतरता सुनिश्चित करता है। आईआरआरपीएल को 2019 में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफल बनाने के लिए भारत-रूस अंतर-सरकारी समझौते के बाद बनाया गया था। यह जॉइंट वेंचर उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कोरवा में एक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी चलाता है। यह कंपनी भारतीय शेयरधारकों एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड - और रूसी पार्टनर्स - कंसर्न कलाश्निकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट - के बीच एक सहयोग है। दिसंबर 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने कोरवा फैसिलिटी में 6,01,427 एके-203 राइफलों के प्रोडक्शन के लिए आईआरआरपीएल के साथ एक औपचारिक कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए। इन हथियारों को सपोर्ट करने के लिए गोला-बारूद की एक भरोसेमंद, स्थानीय रूप से निर्मित सप्लाई लाइन हासिल करके, यह नया समझौता छोटे हथियारों के इकोसिस्टम में घरेलू क्षमताओं को मजबूत करता है और रक्षा निर्माण में 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर ऑल-टाइम हाई 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंचा

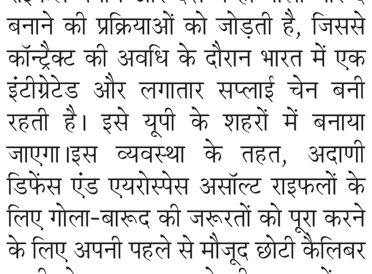

नई दिल्ली,5 सितंबर (एजेंसियां)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह में 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर अब तक के सबसे उच्चतम स्तर (ऑल-टाइम हाई) 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का ऑल-टाइम हाई 729.328 बिलियन डॉलर था, जो कि 21 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में दर्ज किया गया था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 9.337 बिलियन डॉलर बढ़कर 600.670 बिलियन डॉलर हो गई है। एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम वैश्विक मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होती हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है। इस दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार के दूसरे सबसे बड़े घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 2.191 बिलियन डॉलर बढ़कर 116.409 बिलियन डॉलर हो गई है।आरबीआई के अनुसार, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 43 मिलियन डॉलर घटकर 18.810 बिलियन डॉलर रही है। वहीं, भारत की आरबीआई में रिजर्व पॉजिशन 11 मिलियन डॉलर घटकर 4.914 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने की वजह डॉलर आकर्षित करने की लिए आरबीआई की ओर से शुरू की गई स्कीमों को माना जा रहा है, जिसके तहत देश में करीब 136 बिलियन डॉलर से अधिक का फंड आया है। किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है। इससे अलावा, यह मुद्रा की विनिमय दर को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।उदाहरण के लिए अगर किसी स्थिति में डॉलर के मुकाबले रुपए पर अधिक दबाव देखने को मिलता है और उसकी वैल्यू कम होती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर डॉलर के मुकाबले रुपए को गिरने से रोक सकता है और विनिमय दर को स्थिर रखता है।

टाटा संस में कौन लेगा एन चंद्रेशखरन की जगह?

सामने आया चौंकाने वाला नाम, कौन-कौन हैं लिस्ट में?

नई दिल्ली,5 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की तलाश तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए तीन प्रमुख कॉरपोरेट दिग्गजों के नाम उभरकर सामने आए हैं। इनमें से दो का ताल्लुक टाटा ग्रुप से है जबकि एक नाम बाहरी है। टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टी वी नरेंद्रन और टाटा संस के कार्यकारी निदेशक एवं ग्रुप सीएफओ सौरभ अग्रवाल को इस होड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। साथ ही एनएसई के एमडी एवं सीईओ आशीष चौहान का नाम भी चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, जहां आंतरिक उम्मीदवारों में नरेंद्रन सबसे आगे चल रहे हैं, वहीं अग्रवाल भी अपने निवेश बैंकिंग और पूंजी आवंटन अनुभव के साथ दौड़ में बने हुए हैं। दूसरी ओर, भारत के पूंजी बाजारों के दिग्गज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के संस्थापक अधिकारियों में से एक चौहान इस दौड़ में अप्रत्याशित दावेदार साबित हो सकते हैं।

औपचारिक प्रक्रिया शुरू

चयन प्रक्रिया अभी जारी है और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अगला चेयरमैन चुनने में टाटा संस के बोर्ड और होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाले ट्रस्टों की अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने छांटे गए उम्मीदवारों के नाम शीर्ष सरकारी नेतृत्व को बता दिए हैं और नामों पर गहन विचार-विमर्श के बाद फैसला होने की संभावना है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस ने इस बारे में टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। चंद्रशेखरन ने 2017 में टाटा संस के चेयरमैन का पद संभाला था और वर्तमान में अपना दूसरा पांच साल का कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने घोषणा की थी कि 20 फरवरी 2027 को कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। हालांकि उत्तराधिकारी खोजने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर किसी छांटे गए नाम की पुष्टि नहीं की गई है।सामने आए अन्य नामों में स्वयं नोएल टाटा भी शामिल हैं, जो समिति द्वारा समय पर प्रक्रिया पूरी न कर पाने की स्थिति में अंतरिम चेयरमैन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

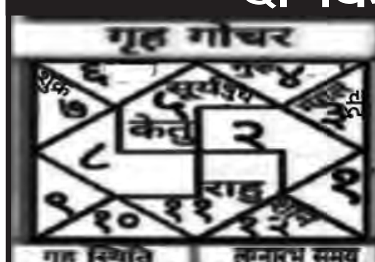

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 06-01 सूर्यास्त. 18-39
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष रविवार 06 Sep 2026
तिथि - दशमीं 19-29 तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - आर्द्रा 19-52 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - सिद्धी 09-45 तक उप व्यतिपात
करण - वणिज 08-42 तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष: भद्राकाल 08-42 से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	में	सिंह	04-45 बजे
चंद्र	मिथुन	में	कन्या	06-51 बजे
मंगल	मिथुन	में	तुला	07-55 बजे
बुध	सिंह	में	वृश्चिक	11-05 बजे
गुरु	कर्क	में	धनु	13-21 बजे
शुक्र	तुला	में	मकर	15-34 बजे
शनि	मीन	में	कुंभ	17-16 बजे
राहु	कुंभ	में	मीन	18-53 बजे
केतु	सिंह	में	मेष	20-29 बजे
			वृष	22-12 बजे
			मिथुन	00-16 बजे
			कर्क	02-32 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 16-52 से 18-25 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-01 - 07-37 अशुभ	शुभ। 18-39 - 19-52 शुभ
चंचल 07-37 - 09-09 शुभ	अमृत 19-52 - 21-20 शुभ
लाभ 09-09 - 10-42 शुभ	चंचल 21-20 - 22-47 शुभ
अमृत 10-42 - 12-14 शुभ	रोग 22-47 - 00-14 अशुभ
काल 12-14 - 13-47 अशुभ	काल 00-14 - 01-42 अशुभ
शुभ 13-47 - 15-20 शुभ	लाभ 01-42 - 03-09 शुभ
रोग 15-20 - 16-52 अशुभ	उत्पात 03-09 - 04-37 अशुभ
उत्पात 16-52 - 18-39 अशुभ	शुभ 04-37 - 06-01- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है । आपको शीघ्र ही एक नई नौकरी या एक नए कार्यालय में भूमिका मिल सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

‘मुख्यमंत्री जी... जवाब दो’, सीएम भजनलाल के ‘रोड शो’ से पहले पूर्व सीएम अशोक गहलोत के 6 तीखे सवाल

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव 2026 की तारीखें करीब आते ही राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर बहुत तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने स्टार प्रचारकों और खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जरिए बड़े शहरों में धुआंधार रोड शो आयोजित किए जाने की रणनीति के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गहलोत ने मुख्यमंत्री के रोड शो से ठीक पहले जनता से जुड़े 6 बेहद गंभीर और जमीनी सवाल दागते हुए आरोप लगाया है कि अगर मौजूदा सरकार ने अपने 2.5 साल के कार्यकाल में धरातल पर काम किया होता तो आज उन्हें पूरा सरकारी तंत्र और दूसरे राज्यों के नेताओं को मैदान में उतारने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

पूर्व मुख्यमंत्री ने निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि सत्ताधारी दल हार के डर से हर तरह के तरीके अपना रहा है और अब जनता रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री से उनके 2.5 साल के कामकाज का हिसाब मांग रही है। गहलोत का यह सीधा हमला ऐसे समय में आया है जब भाजपा अपने अभियान को चरम पर ले जाने की तैयारी में है, जिससे पूरे चुनाव का केंद्र अब भाषणों के बजाय बुनियादी स्थानीय मुद्दों पर टिक गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि नगरीय निकाय चुनावों में संभावित हार के डर से भाजपा ने अपनी पार्टी संगठन के साथ-साथ पूरी सरकारी मशीनरी को चुनावी मैदान में झोंक दिया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के केंद्रीय संगठन महामंत्री, महाराष्ट्र सहित कई अन्य राज्यों के मंत्री और विधायक इस समय राजस्थान के अलग-अलग शहरों में डेरा डाले हुए हैं।

गहलोत ने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र का गलत इस्तेमाल करके विपक्षी उम्मीदवारों को डराने और दबाने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना था कि किसी भी राज्य सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों में इतनी बड़ी ताकत और दूसरे राज्यों के नेताओं को सिर्फ इसलिए नहीं लगाना पड़ता, अगर उसने अपने कार्यकाल में काम किया होता। जनता के बीच काम का रिपोर्ट कार्ड रखने के बजाय शक्ति प्रदर्शन का सहारा लिया जा रहा है।

अशोक गहलोत ने निकाय चुनाव की प्रक्रियात्मक व्यवस्था में किए गए बदलावों पर भी गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अब तक की व्यवस्था के अनुसार पार्षद चुनाव के नतीजे आने के महज 2 या 3 दिन के भीतर ही मेयर और चेयरमैन का चुनाव संपन्न करा लिया जाता था। लेकिन इस बार इस समय-सीमा को बढ़ाकर 7 दिन कर दिया गया है। गहलोत के अनुसार, समय-सीमा को 7 दिन करने के पीछे सत्ताधारी दल की मंशा सही नहीं दिखती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अतिरिक्त समय इसलिए दिया गया है ताकि सत्तारूढ़ दल को हॉर्स ट्रेडिंग और खरीद-फरोख्त करने का पूरा मौका मिल सके। उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक तरीका करार देते हुए कहा कि जनता सब देख रही है और इन हथकंडों का जवाब वोट से देगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के शहरों की आम जनता अब सड़कों पर उतरकर सरकार से हिसाब मांग रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान 5 साल में 10 लाख से अधिक पट्टे देकर आम लोगों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक दिया गया था। गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके रोड शो के दौरान निम्नलिखित 6 सवालों के जवाब मांगे हैं:

पट्टों का हिसाब: भाजपा सरकार ने अपने 2.5 साल के कार्यकाल में राज्य के आम नागरिकों को कितने पट्टे दिए?

सड़क और ट्रैफिक: शहरों में सड़कों की खस्ताहाली और लगातार लग रहे ट्रैफिक जाम की स्थिति पर सरकार का क्या प्लान है?

इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स: इस कार्यकाल में ऐसे कितने फ्लाईओवर और अंडरपास हैं जिनका काम भाजपा सरकार में शुरू हुआ और पूरा भी हो गया?

जलभराव और नाला सफाई: मानसून के दौरान शहरों में बारिश का पानी क्यों भर रहा है और समय पर नालों की सफाई क्यों नहीं कराई गई?

सफाई व्यवस्था और भर्तियां: शहरों में रोजमर्रा की सफाई क्यों ठप है और सफाई कर्मियों की भर्ती का मामला अब तक क्यों अटका हुआ है?

2.5 साल का रिपोर्ट कार्ड: राजस्थान के शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए भजनलाल सरकार ने 2.5 साल में ऐसा कौन सा बड़ा काम किया है जिसे वे अपनी उपलब्धि बता सकें?

बीजेपी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कैम्पेन को इस तरह डिजाइन किया है कि राज्य के सबसे महत्वपूर्ण शहरों को कवर किया जा सके। फाइनल फेज के प्रचार में सीएम भजनलाल शर्मा सीधे voters से कनेक्ट करेंगे और पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगेंगे।

'कोई तेरा मेरा नहीं, जिसे पार्टी ने टिकट दिया, वह सबका है'

बीएल संतोष ने बीजेपी में बगावत थामने का दिया मंत्र

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी काफी गंभीर है। पार्टी के केंद्रीय नेता भी निकाय चुनाव की रणनीति बनाने में जुटे हैं और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं। जयपुर दौरे पर रहे पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने जब यह जाना कि कई वार्डों में बागी चुनौती बने हुए हैं। बागी प्रत्याशियों के साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी जुटे हुए हैं। ऐसे में बीएल संतोष ने साफ हिदायत दी कि कोई तेरा मेरा नहीं है। पार्टी ने जिसे टिकट दिया है, वह हम सबका है। पार्टी प्रत्याशी को जीताने के लिए हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी को पूरी मेहनत करनी है।

पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में दिनभर अलग अलग बैठकें ली। युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अलावा चुनाव संचालन समिति की बैठकें हुई। दोपहर बाद हुई बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान बीएल संतोष ने

कहा कि अगर किसी को लगे कि हमारा प्रत्याशी वार्ड में कमजोर है तो भी उसके समर्थन में लगे रहें। हमारे लिए संगठन से बढ़कर कोई नहीं है। उन्होंने कहा - प्रत्याशी कितना भी कमजोर क्यों न हो, चुनाव के अंत तक उसी के साथ मजबूती से खड़े रहना।

बीएल संतोष ने कहा कि जिन वार्डों या निकायो में निर्दलीय प्रत्याशियों और कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच टक्कर है। वहां अभी से निर्दलीय प्रत्याशियों को साधना शुरू करें। ऐसा करने से बोर्ड बनने के दौरान हमें फायदा मिल सकता है। बीएल संतोष ने पदाधिकारियों से सुझाव भी लिए। उन्होंने मीडिया, आईटी, सोशल विभाग सहित प्रदेश प्रवक्ताओं की बैठक में नेताओं से पूछा कि बीजेपी के खिलाफ किन मुद्दों को लेकर नेगेटिव नेगेटिव बना हुआ हैं। इस पर बैठक में नेताओं ने कहा कि राम मंदिर चंदा चोरी, यूजीसी रोल बैक सहित अन्य मुद्दों पर पार्टी के खिलाफ नैरेटिव बना हुआ है।

पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष की ओर से ली गई बैठकों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इनमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दिया कुमारी, प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, मंत्री जोगाराम पटेल, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी सहित कई विधायक, पूर्व विधायक और पदाधिकारी शामिल थे।

आप इस चुनावी रणनीति पर क्या सोचते हैं? क्या पार्टी के नेताओं के निर्देश से बागी प्रत्याशियों के खिलाफ एकजुटता बढ़ेगी? अपनी राय कमेंट बॉक्स में साझा करें।

अजमेर में तेज बारिश के बीच गिरी स्कूल की दीवार, मलबे में दबी 5 गाड़ियां

अजमेर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर के कई जिलों में लगातार दूसरे दिन भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। अजमेर में सुबह से ही बारिश का दौर जारी है। इसी बीच बड़ा हादसा हो गया। अजमेर में तेज बारिश के बाद सुबह प्लाजा सिनेमा रोड स्थित आर्य पुत्री स्कूल की दीवार गिर गई। दीवार के पास में खड़ी पर्यटकों की पांच गाड़ियां मलबे में दब गई। हालांकि, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। अजमेर शहर में रातभर से ही रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। सुबह करीब 6 बजे प्लाजा सिनेमा रोड पर आर्य पुत्री बालिका स्कूल की दीवार भरभराकर गिर गई। इसमें पास खड़ी 5 कार क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि बिजली के खंभे में करंट आने से दीवार तड़क गई। हादसे के वक्त सभी पर्यटक स्कूल के सामने होटल में ठहरे हुए थे।

एक गाड़ी में ड्राइवर अंदर सो रहा था। गनीमत रही कि उसे कोई चोट नहीं लगी। दीवार गिरने के बाद ड्राइवर की आंख खुली और घबराकर गेट से बाहर निकाल आया। ये गाड़ियां महाराष्ट्र व गुजरात नंबर की है। होटल में पार्किंग सुविधा नहीं होने की वजह से कारों को स्कूल की दीवार के पास लगाया गया था। अजमेर में अच्छी बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3.5 डिग्री सेल्सियस की कमी

आई। शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, बीते 24 घंटों के दौरान जिले में 24 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई है। जिले में अब तक औसत रूप से 390 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, जबकि इस सीजन में अब तक 443 एमएम बारिश हो चुकी है। यानी सामान्य औसत से करीब 53 एमएम अधिक बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस बार बारिश कम हुई है।

मौसम विभाग के सप्ताहवार पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियों में कुछ बढ़ोतरी होने की संभावना है। 7 सितंबर तक अजमेर जिले में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम में बदलाव के साथ तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, 8 से 14 सितंबर के दौरान बारिश की गतिविधियां कम होने के आसार हैं।

ईको गाड़ी पोखर में पलटी

महिलाओं-बच्चों समेत 4 की मौत, 5 से ज्यादा घायल

धौलपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले में मानसून की मूसलाधार बारिश आफत बनकर टूटी है। शनिवार को जिले के मनियां थाना क्षेत्र अंतर्गत फूलपुर गांव के पास एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर जमा पानी से गुजर रही महिलाओं और बच्चों से भरी एक ईको गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरे पानी की पोखर में जा पलटी। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा शनिवार को उस वक्त हुआ जब ईको गाड़ी बारिश के पानी से लबालब भरी सड़क से गुजरने की कोशिश कर रही थी। जलभराव के कारण ड्राइवर को सड़क का अंदाजा नहीं मिला और गाड़ी अनियंत्रित होकर पास ही बने गहरे पानी के पोखर में जा गिरी। गाड़ी पलटते ही उसमें सवार मासूम बच्चों और महिलाओं में चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते वाहन पूरी तरह पानी में डूब गया और यात्री उसमें फंस गए।

‘कोई कुंवारा नहीं रहेगा’ : निकाय चुनाव के बीच बीजेपी के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का बयान वायरल

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच बीजेपी के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वो यह कह रहे है कि एक बार राजकुमार बराला को जिता दो, आपका एक भी लड़का कुंवारा नहीं रहेगा। चौमूं नगर परिषद के वार्ड 20 से भाजपा प्रत्याशी राजकुमार बराला के चुनावी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान पूर्व विधायक रामलाल शर्मा यह बयान दिया, जो सियासी गलियारों में चर्चा का का विषय बना हुआ है।

कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए चौमूं से पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि एक बार राजकुमार बराला को जिता दो, आपके किसी भी काम में कोई कमी नहीं आएगी। इस

दौरान उन्होंने शादी को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि आपका एक भी लड़का कुंवारा नहीं रहेगा।

बता दें कि पिछले साल 43 वर्षीय एक युवक ने शादी न होने से परेशान होकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को पत्र लिखकर शादी करवाने की गुहार लगाई थी। जिसमें चौमूं के चितवाड़ी निवासी कैलाश शर्मा ने कहा था कि आपका सोशल मीडिया पर बयान देखा था, जिसमें आप 40 वर्ष की उम्र वाले अविवाहित युवाओं की शादी कराने की बात कर रहे थे। मेरी उम्र 43 साल है, लेकिन अब तक मेरी शादी नहीं हुई है। कृपया मेरी शादी करवाने की कृपा करें। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के हाल ही में दिए बयान को इसी से जोड़कर ही देखा जा रहा है।

बता दें कि चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों में 119 प्रत्याशी चुनाव में डटे है। भाजपा और कांग्रेस के बीच अधिकांश वार्डों में सीधी टक्कर है, जबकि रालोपा और निर्दलीय प्रत्याशियों ने मुकाबले को रोचक बना दिया है। इनमें कई निर्दलीय बागी भी है, जो दोनों प्रमुख दलों की चिंता बढ़ा रहे है। वार्ड 1, 2, 3, 4, 7, 9, 10, 11, 12, 14, 16, 17, 22, 23, 27, 28, 31, 34, 35, 36, 38, 40, 41, 42 और 45 में भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला होगा। वहीं 12 वार्डों में त्रिकोणीय चुनाव है। इनमें वार्ड 5, 6, 8, 15, 18, 19, 24, 26, 30, 37, 43 और 44 में भाजपा-कांग्रेस के साथ अतिरिक्त प्रत्याशी भी मैदान में है। इन वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है और निर्दलीय प्रत्याशी समीकरण बिगाड़ने की स्थिति में है।

वार्ड 13, 20, 21, 25, 29, 33 और 39 में चार-चार प्रत्याशी मैदान में है। वहीं वार्ड 32 में पांच प्रत्याशी चुनावी मैदान में है, जिससे मुकाबला और दिलचस्प बना हुआ है।

पत्नी पकड़ी गई तो यूपी भागा नशा तस्कर

लगातार बदलता रहा ठिकाने; बुआ के घर पहुंचने से पहले मथुरा में दबोचा गया

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस से बचने के लिए सामान्य मोबाइल कॉल से दूरी और सिर्फ वॉट्सऐप कॉल का इस्तेमाल कर लगातार ठिकाने बदल रहा कुख्यात नशा तस्कर आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आदर्श नगर थाना पुलिस ने आमागढ़ कच्ची बस्ती निवासी सोनू सांसी (30) को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसी कलां से गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी (ईस्ट) रंजिता शर्मा ने बताया कि 16 जुलाई को ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने सोनू की पत्नी रेखा सांसी को 7.15 ग्राम स्मैक और 17,200 रुपए के साथ पकड़ा था। पूछताछ में सामने आया था कि उसे स्मैक पति सोनू उपलब्ध कराता था, जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। वह लम्बे समय से अपनी पत्नी के साथ मिलकर जयपुर में नशे का कारोबार चला रहा था। 20 दिन पहले स्मैक बेचते पत्नी के अरेस्ट होने पर जयपुर छोड़कर भाग निकला था। साइबर सेल के हेड कांस्टेबल संजय राहड़ को तकनीकी जांच के दौरान आरोपी के आगरा में होने की सूचना मिली। इसके बाद थाना पुलिस की विशेष टीम यूपी रवाना हुई। जब आरोपी कोसी कलां में अपनी बुआ के घर जाने की फिराक में था, तब पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी सोनू के खिलाफ एनडीपीएस और आबकारी कानून के तहत 14 तथा उसकी पत्नी रेखा पर 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं। बता दें कि डीएसटी-ईस्ट और ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 16 जुलाई को खानिया बंधा कच्ची बस्ती निवासी रेखा सांसी (28) को गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि उसका पति बाहर से थोक में स्मैक लाकर उसे देता था। इसके बाद वह स्मैक को छोटी-छोटी पुड़ियों में बांटकर नशे के आदी लोगों को 200 से 300 रुपए में बेचती थी। महिला से 7.15 ग्राम स्मैक और 17,200 रुपए बरामद किए गए हैं। आरोपी महिला वर्ष 2020 से अब तक छह बार एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न मामलों में पकड़ी जा चुकी है। इसके बावजूद वह जेल से छूटकर दोबारा स्मैक बेचते हुए पकड़ी गई।

बैंक मैनेजर ही ले उड़ा ग्राहकों के 58 लाख रुपए

बांसवाड़ा, 5 सितंबर (एजेंसियां)। एक बैंक मैनेजर ग्राहकों के खातों में जमा 58 लाख रुपए से ज्यादा का गबन कर फरार हो गया। गढ़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के क्लस्टर हैड मैनेजर गोविंद राम माली निवासी मंदसौर (मध्यप्रदेश) ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2024 में परतापुर में इस बैंक की शाखा खोली थी।

बैंक में बहादुर जाखड़ नामक व्यक्ति को मैनेजर नियुक्त किया। बैंक संचालन के दौरान मैनेजर बहादुर ने ग्राहकों को जोड़कर उनके खाते खुलवाए। खातों के सत्यापन के लिए ग्राहकों से ओटीपी लेकर उन खातों पर एटीएम किट जारी करवा ली और अपने पास रख ली।

मैनेजर बहादुर ने 32 ग्राहकों के खातों में जमा कुल 58 लाख 16 हजार 856 रुपए स्वयं आहरित कर लिए। राशि निकालने के बाद वह बैंक छोड़कर फरार हो गया। ग्राहकों की जमा राशि के गबन का मामला सामने आने पर बैंक प्रबंधन ने पुलिस को रिपोर्ट दी।

मामले की जांच सब इंस्पेक्टर दिनेश पाटीदार को सौंपी है। पुलिस अब खातों से राशि निकाले जाने, एटीएम किट के इस्तेमाल और पूरे घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। बैंक के रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। इधर एक अन्य मामले में बांसवाड़ा के सदर थाना क्षेत्र में प्लॉट दिलाने के नाम पर 23 लाख 84 हजार 500 रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए एक शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। टिमरवा निवासी मुकेशचंद्र डामोर ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी राजमल डामोर से उसकी पारिवारिक पहचान थी और वह वर्तमान में सरकारी शिक्षक है।

उच्च न्यायालय का बार काउंसिल को निर्देश

नौ सितंबर तक निपटाएं वकीलों के लंबित पंजीकरण

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने बार काउंसिल ऑफ राजस्थान को वकालत के लिए लंबित सभी पंजीकरण आवेदनों का निपटारा नौ सितंबर तक करने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय ने इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। न्यायिक पीठ ने बार काउंसिल को स्पष्ट कहा कि पात्र कानून स्नातकों को राज्य बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित करने की प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए। न्यायमूर्ति ने देरी पर चिंता जताई और संस्था को निश्चित समयसीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी करने का आदेश सौंपा।

पीठ ने बार काउंसिल को सभी कागजातों और आवेदनों का तेजी से सत्यापन करने का निर्देश दिया। बार काउंसिल की नामांकन समिति सभी लंबित फाइलों की जांच करके पात्र अभ्यर्थियों को अधिवक्ता के रूप में नामांकित करेगी। अदालत ने पाया कि नामांकन में अत्यधिक विलंब के कारण नए वकीलों को

अपनी कानूनी प्रैक्टिस शुरू करने में बाधा का सामना करना पड़ रहा था। इसी कारण उच्च न्यायालय ने नौ सितंबर की समयसीमा निर्धारित करके बार काउंसिल को सभी लंबित मामलों को शून्य पर लाने का निर्देश जारी किया।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने अदालत में दलील रखी कि लॉ की पढ़ाई पूरी करने के बाद भी कई महीनों तक नामांकन न मिलने से स्नातकों का पेशेवर भविष्य प्रभावित हो रहा था। राज्य भर में सैकड़ों अभ्यर्थियों की फाइलें कई महीनों से लंबित रखी थीं। इन अभ्यर्थियों को अदालत में वकालतनामा दाखिल करने और मामलों की पैरवी करने का अधिकार नहीं मिल पा रहा था। अदालत के इस आदेश से उन सभी कानून स्नातकों को बड़ी राहत मिली है, जो महीनों से अपने नामांकन प्रमाणपत्र का इंतजार कर रहे थे।

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान को नौ सितंबर तक सभी आवेदनों का निस्तारण करके कोर्ट में अनुपालन रिपोर्ट पेश करनी होगी। बार काउंसिल के प्रतिनिधियों ने अदालत को आश्वासन दिया कि वे तय तिथि से पहले विशेष बैठक और नामांकन समारोह करेंगे।

इस आयोजन में सभी योग्य कानून स्नातकों को अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत कर लिया जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि दी गई समयसीमा के भीतर निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो उच्च न्यायालय संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा।

माइंस सौदे में 1.10 करोड़ की धोखाधड़ी: चार लोगों पर मामला दर्ज; कूटरचित दस्तावेज बनाने का आरोप

चित्तौड़गढ़, 5 सितंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में माइंस के सौदे में 1.10 करोड़ रुपये हड़पने, धोखाधड़ी करने और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर अग्रिम राशि और दूसरी किस्त प्राप्त करने के बावजूद उसी माइंस को अन्य लोगों के साथ बेचने और षड्यंत्र रचने का आरोप है। राशमी के थानाधिकारी गेहरीलाल गुर्जर के अनुसार, गुरजनिया निवासी भगवानलाल पुत्र मोहन जाट ने इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता भगवानलाल जाट ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि एक दिसंबर, 2025 को बोरदा रोड, बोलो का सावंता निवासी कालूराम जाट उनके पास माइंस के सौदे के लिए आया था। कालूराम ने विशाल नगर, जयपुर निवासी दौलतसिंह के माध्यम से चौटियास स्थित माइंस के मालिकों से परिचय कराया। इसमें आमेसर, अंटाली तहसील, भीलवाड़ा निवासी डूंगरसिंह पुत्र गुलाबसिंह सोलंकी और बामणी, आसींद तहसील निवासी रामप्रसाद सिंह पुत्र पोखरसिंह शामिल थे। चौटियास स्थित माइंस की कीमत 1.50 करोड़ रुपये बताई गई थी। इसके बाद 3 दिसंबर, 2025 को 1.46 करोड़ रुपये में सौदा पक्का हुआ। स्टांप पर विक्रयनामा तैयार कर 65 लाख रुपये अग्रिम राशि ली गई। बाकी रकम में से 45 लाख रुपये 15 जनवरी, 2026 और 36 लाख रुपये 15 मार्च, 2026 को देना तय हुआ।

बाल सुधार गृह से ताला तोड़कर छह अपचारी फरार

मामला दर्ज; सुरक्षा गार्डों पर लापरवाही का आरोप

बीकानेर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के गजनेर रोड स्थित बाल सुधार गृह से छह बाल अपचारी ताला तोड़कर फरार हो गए हैं। इनमें से तीन अपचारियों की उम्र अब 18 वर्ष से अधिक हो चुकी है, जबकि तीन अभी भी नाबालिग हैं। घटना के 20 घंटे बीत जाने के बाद बाल सुधार गृह प्रशासन ने सदर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले सुरक्षा गार्डों और बालिग हो चुके अपचारियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाल सुधार गृह के कारागृह कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि घटना 3 सितंबर की रात 11 बजे की है। उस समय संस्थान में सुरक्षा गार्ड मोहम्मद हारुन और फिरोज की ड्यूटी थी। दोनों सुरक्षा गार्डों की लापरवाही के कारण छह बाल अपचारी मुख्य द्वार का ताला तोड़कर और चाबी का गुच्छा साथ लेकर फरार हो गए। मामले में संस्था ने दोनों सुरक्षा गार्डों और बालिग हो चुके तीनों अपचारियों के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज कराया है।

कमरा खाली कराया तो आया गुस्सा, मकान मालिक की हत्या कर रिश्तेदार के घर छिपा; पुलिस ने दबोचा

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मानसरोवर के रजत पथ पर एक व्यक्ति की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मकान खाली कराने और सिक्योरिटी डिपॉजिट के हिसाब-किताब को लेकर हुए विवाद में तीन साल पुराने किराएदार ने मकान मालिक की पत्थर से वार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 3 दिन के रिमांड पर लिया है। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज के अनुसार गिरफ्तार आरोपी महेश शर्मा (42) निवासी सुमेर नगर प्रथम न्यू सांगानेर रोड हाल अरावली पथ, शिप्रापथ को गिरफ्तार किया गया है।

महेश राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में जूनियर अकाउंटेंट है। वह पिछले 3 साल से अपनी बहन के साथ दीपक कुलश्रेष्ठ के मकान में किराए पर रह रहा था। दीपक जन्माष्टमी के आसपास मकान में नया निर्माण शुरू करवाने के लिए उससे कमरा खाली करवाना चाहते थे, जिसे लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। मानसरोवर में मकान मालिक की हत्या के आरोपी किराएदार रिश्तेदार के घर जाकर छिपा हुआ था। पुलिस ने उसे रिश्तेदार के घर से पकड़ा। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह मकान मालिक के शव को देखकर डर गया था। इसलिए वह लहूलुहान हालत में शव को पोर्च में ही पड़ा छोड़कर वहां से भाग निकला। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि मृतक दीपक कुलश्रेष्ठ पत्नी से तलाक के बाद मां के साथ रहते थे।

हैदराबाद में बनेगा देश का सबसे बड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता डेटा केंद्र

70 हजार करोड़ का निवेश, 7 हजार लोगों को रोजगार

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में देश का सबसे बड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता डेटा केंद्र परिसर स्थापित किया जाएगा। टीसीएस की अनुषंगी संस्था हाइपरवॉल्ट ने इस संबंध में तेलंगाना सरकार के साथ समझौता ज्ञापन किया है। शनिवार को टीसीएस के प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू, मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और अड्लूरी लक्ष्मण कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमेरिका से वीडियो सम्मेलन के माध्यम से ओपनएआई के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी उदय रुद्राजू ने भी भाग लिया। यह अत्याधुनिक परिसर 250 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 1 गीगावाट यानी 1,000 मेगावाट क्षमता के साथ विकसित किया जाएगा। परियोजना के निर्माण और संचालन में हाइपरवॉल्ट तथा साझेदार संस्थाएं करीब 70 हजार करोड़ रुपये निवेश करेंगी और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से करीब 7 हजार रोजगार पैदा होंगे। परिसर में उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग प्रणालियों और तरल शीतलन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल होगा तथा यह प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनियों, बड़े डेटा केंद्र संचालकों और वैश्विक उद्यमों को कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इसे तेलंगाना और देश के लिए ऐतिहासिक परियोजना बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में हैदराबाद वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन रहा है।

गणेश उत्सवों में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था होगी : सज्जनार

सीसीटीवी से निगरानी और अफवाहों पर 24 घंटे नजर

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी विनायक चतुर्थी और गणेश विसर्जन उत्सवों को शहर में शांतिपूर्ण एवं भव्य तरीके से आयोजित कराने के लिए हैदराबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी तरह सतर्क रहने तथा किसी भी अप्रिय घटना की गुंजाइश नहीं छोड़ने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसीसी सभागार में गणेश उत्सवों के सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर निरीक्षक और उससे ऊपर के अधिकारियों के साथ तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून-व्यवस्था और यातायात के पुलिस उपायुक्तों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे सुरक्षा उपायों, अन्य विभागों के साथ समन्वय तथा बंदोबस्त की योजनाओं की जानकारी दी। पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने कहा कि हाल ही में संपन्न बोनालु उत्सवों को जिस तरह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, उसी सामूहिक प्रयास के साथ गणेश उत्सव भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाना चाहिए। उन्होंने 11 दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव को गंभीरता से लेते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी थाना प्रभारी शांति समितियों, मंडप आयोजकों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ लगातार समन्वय बैठकें करें, ताकि सामान्य गतिविधियों और यातायात पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

केटीआर ने राहुल से तेलंगाना के छात्रों की 'असली गूंज' सुनने को कहा

करीमनगर , 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर चुनावी वादे पूरे न करके तेलंगाना के युवाओं और छात्रों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के "छात्रों की गूंज" अभियान को निशाना बनाते हुए, केटीआर ने कहा कि कांग्रेस नेता को तेलंगाना आना चाहिए और तेलंगाना के छात्रों की वास्तविक चिंताओं को सुनना चाहिए। राहुल गांधी राज्य दर राज्य अपना रंग बदल रहे हैं। आप पूरे भारत में 'छात्रों की गूंज' की बात कर रहे हैं। मेरी मांग है कि आप तेलंगाना आएं और हमारे छात्रों की समस्याओं को सुनें। आपको यहां छात्रों की असली गूंज सुनाई देगी। तेलंगाना आइए और तेलंगाना के छात्रों की आवाज सुनिए।, शनिवार को करीमनगर के अंबेडकर स्टेडियम में छात्रों और युवाओं की सभा को संबोधित करते हुए केटी रामाराव ने राहुल गांधी से तेलंगाना में हर साल दो लाख नौकरियां देने के उनके वादे पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व वोट हासिल करने के बाद गायब हो जाता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर आप नहीं आए, तो हम दिल्ली आएंगे।' दिल्ली में युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि जब युवा सड़कों पर उतरे तो केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जिन युवाओं ने मोदी को भी डरा दिया था, उन्हें इस केंद्री से डरने की कोई जरूरत नहीं है'। केटी रामाराव ने रेवंत रेड्डी को बहाने बनाना बंद करने और तेलंगाना के युवाओं और बीआरएस का विधानसभा में सामना करने की चुनौती दी, ताकि वे अपने हर अधूरे वादे का जवाब दे सकें। केटीआर ने रोजगार कैलेंडर, युवा आयोग, बेरोजगारी भत्ता, युवा ऋण, शुल्क प्रतिपूर्ति और निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए आरक्षण के वादे पर सवाल उठाए।

नकरेकल में 320 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

नलगोंडा , 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शनिवार को नलगोंडा जिले के नकरेकल विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अड्लूरी लक्ष्मण कुमार, सरकारी सचेतक वेमुला वीरेशम, बीरला अय्यैया तथा संयुक्त नलगोंडा जिले के विधायक और विधान परिषद सदस्य उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने नकरेकल में 32 करोड़ की लागत से नवनिर्मित 100 बिस्तरों वाले क्षेत्रीय अस्पताल का उद्घाटन किया। इसके अलावा नकरेकल विधानसभा क्षेत्र में 9.85 करोड़ की लागत से बनने वाले तेलंगाना पब्लिक स्कूल भवन की आधारशिला रखी। नकरेकल मंडल के कडपर्ति गांव में 200 करोड़ की लागत से बनने वाले युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय का भी शिलान्यास किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. -सी-एसजी-पीटी-आयपीएमपीएलएस-एससी-एनइडी-03, दि.01-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएसटीइ/प्रोजेक्ट्स/टेले./एससी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. & तिथिः -सी-एसजी-पीटी-आयपीएमपीएलएस-एससी-एनइडी-03, दि.01-09-2026, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के सिकंदराबाद & नांदेड डिवीजन में आयपी-एमपीएलएस के प्रावधान हेतु दूरसंचार कार्य। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.16,23,90,243.96, बोली सुरक्षा रु.32,47,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली नियत तिथि)-30-09-2026 के 11.00 बजे, बोली खोलने की तिथिः30-09-2026 के 11.00 बजे के पश्चात्, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 120 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य रु.शून्य।

सभी बिड्डिंग या बोली लगाने की प्रक्रिया, इंडियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर आयोजित होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। ज्यादा जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

डीवाय. सीएसटीई/प्रोजेक्ट्स/टेलि./सिकंदराबाद

PUB/624

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाओं की ई-प्रोक्योरमेंट माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः1, निविदा सं. & तिथिः सी_एसजी _36 _620, दि.02-09-2026, बंद करने की तिथिः24-09-2026, कार्य विवरणः 1. एबीएस सेक्शन में लोकेशन बाक्सेस सहित मशरूम बाक्सेज के प्रतिस्थापन या रिप्लेसिंग हेतु सिग्नल्लिंग व्यवस्थाएं तथा थेफ्ट प्रोन मौलाली-अम्मुगुडा-सनतनगर(एमएलवाय-एएमक्यू-एसएनएफ) मे वे साइड इलेक्ट्रानिक्स का स्थानांतरण या शिफ्टिंग करना। 2. वीआरएलए बैटरिज सहित एलएमएलए बैटरिज का प्रतिस्थापन करने के द्वारा लेवल क्रासिंग गेट तथा इंटरमीडिएट ब्लाक सिग्नल्लिंग स्थानों के लिए पावर सप्लाई या बिजली आपूर्ति का सशक्तिकरण करना। अनुमानित विज्ञापित मूल्य रु.6,18,93,950.00, बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.12,37,900.00

ज्यादा जानकारी हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/को-आर्ड/सिकंदराबाद

PUB/625

निविदा सूचना सं.13ए-एसडीएफ-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, 30-ओएसडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, 31-डीइपी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, 32-ओएसडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/एम/एचवायबी द्वारा निम्न निविदाओं की बंद करने की तिथि 01-10-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः निविदा सं.13ए-एसडीएफ-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः1)आरएससी/एससी पर साइज 32x25एम का पीइबी स्ट्रक्चर सहित न्यू जीम का प्रस्तावित निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 2)आरएससी/एससी पर इंडोर वालीबाल कोर्ट का निर्माण- बिजली व्यवस्थाएं। 3) ग्राऊंड फ्लूर की मरम्मत, पहली मंजिल रूम की शौचालयों का नवीनीकरण, रसोई क्षेत्र को ढहाना & आरएससी ग्राउंड पर अन्नपूर्णा होस्टल के नई होस्टल बिल्डिंग का निर्माण- बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.85,96,814.00, अग्रधन रु.1,71,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः01-10-2026

क्रम सं.2, कार्य विवरणः निविदा सं. 30-ओएसडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, हैदराबाद डिवीजनः1) 7/बीएन/एमएलवाय पर 50 बिस्तरों की क्षमतायुक्त (जी +1) सहित न्यू आरपीएसएफ एसओज बैरेक का प्रस्तावित निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 2) केआएनटी पर 28 बेड्स क्षमता का रन्निंग रूम का निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.1,53,79,748.00, अग्रधन रु.3,07,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, बंद करने की तिथिः01-10-2026

क्रम सं.3, कार्य विवरणः 31-डीइपी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः1) केएमसी पर टीआर.डी के लिए, स्टाफ क्वार्टर्स 11 नंबर्स (टाइप II-8नंबर्स, टाइप III-2नंबर्स, टाइप IV-1 नंबर) का निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाए। 2) युएमआरआय पर टीआर. डी के लिए टावर कार शेड का निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाए अनुमानित मूल्य रु.1,85,37,114.00, अग्रधन रु.3,70,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, बंद करने की तिथिः01-10-2026

क्रम सं.4, कार्य विवरणः32-ओएसडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनःएसएसइ/डब्ल्यू/जीओसी क्षेत्राधिकार के तहत मजदूर युनियन आफिस में ओल्ड स्ट्रक्चर & कार्यालयों का सुधार कार्य--बिजली व्यवस्थाए।

अनुमानित मूल्य रु.46,16,452.00, अग्रधन रु.92,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, बंद करने की तिथिः01-10-2026

ज्यादा जानकारी हेतु हमारे वेबसाइटःwww.ireps.gov.in का अवलोकन करें

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/एम/हैदराबाद

PUB/626

सं.-एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यूIII/निविदा सूचना/2026-27, दि.02-09-2026

इंडियन रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर निम्न निविदा कार्य को अपलोड किया गया है। निविदा की जानकारी को पहले ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, निविदा संख्याः टी-202627-3-044, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु.3,29,20,829.67, अग्रधन रु.6,58,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः एडीइएन/जे क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पी.वे/जे & एसएइ/पीवे/सेलु के तहत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य तथा अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य।

क्रम सं.2, निविदा संख्याः टी-202627-3-045, प्राधिकरणः को-आर्ड, निविदा मूल्य रु.5,13,89,788.02, अग्रधन रु.10,27,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः एडीइएन/पीएयु क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पी.वे/पीएयु & एसएइ/पीवे/एचएनएल के तहत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य तथा अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य।

क्रम सं.1, निविदा संख्याः टी-202627-3-044, टी-202627-3-045, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक) -पटरी या ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक का कार्य।

उपरोक्त सभी निविदाएं दि.25-09-2026 के 15.00 बजे बंद होंगे।

A723 **एसआर. डीइएन/को-आर्ड/नांदेड**

PUB/627

निविदा नियम शर्तेंड़ज्यादा जानकारी& निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttp://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सरकारी नौकरी और आईपीएल टिकट दिलाने के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी नौकरी दिलाने, आईपीएल के टिकट उपलब्ध कराने और अन्य लाभ दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक आरोपी को लालागुड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वनपर्थी निवासी और वर्तमान में कुकटपल्ली, हैदराबाद में रहने वाले 35 वर्षीय भुक्या मोहन लाल के रूप में हुई है। वह पेशे से स्वास्थ्य एवं व्यायाम प्रशिक्षक बताया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को मंत्रियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों, फिल्मी हस्तियों तथा अन्य प्रभावशाली लोगों का करीबी बताकर लोगों को अपने प्रभाव का झांसा देता था। वर्तमान मामले में उसने शिकायतकर्ता से आरसीबी और सनराइजर्स के बीच होने वाले मुकाबले के लिए आठ लाउंज और भूतल के आईपीएल टिकट उपलब्ध कराने के नाम पर 1.70 लाख रुपये मांगे और तारनाका स्थित ताजा किचन में शिकायतकर्ता से एक लाख रुपये नकद ले लिए।

हालांकि, बाद में उसने टिकट उपलब्ध नहीं कराए और अलग-अलग बहाने बनाकर शिकायतकर्ता से बचता रहा। इसके बाद 30 मई 2026 को मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने इसी तरह कई अन्य लोगों को भी निशाना बनाया था। वह पुलिस आरक्षी, डाक विभाग, पंचायत सचिव, समूह-चार सहित विभिन्न सरकारी नौकरियां दिलाने, आईपीएल टिकट और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों से रकम वसूलता था। पीड़ितों का विश्वास जीतने के लिए आरोपी कथित तौर पर खुद को तेलंगाना विधान सचिवालय में किसी मंत्री के निजी कार्यालय में कार्यरत बताता था। उ

सके पास विधान सचिवालय से संबंधित होने का दावा करने वाला पहचान पत्र भी मिला। इसके अलावा उसके पास रक्षा प्रयोगशाला विद्यालय से संबंधित एक पहचान पत्र मिला, जिसमें उसे शारीरिक शिक्षा का स्नातकोत्तर शिक्षक बताया गया था, जबकि वह स्वयं को स्वास्थ्य एवं व्यायाम प्रशिक्षक बताता था। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन, विभिन्न पहचान पत्र, दस्तावेज और चेक बरामद किए हैं। पुलिस अन्य संभावित पीड़ितों की भी पहचान कर रही है। उपनिरीक्षक च. विजय ने आरोपी को पकड़कर गिरफ्तार किया। कार्रवाई सिकंदराबाद क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, चिलकलगुड़ा सहायक पुलिस आयुक्त और लालागुड़ा थाना निरीक्षक की प्रत्यक्ष निगरानी में की गई। आरोपी को अदालत में पेश कर दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

नेचर क्लब स्टूडियोज़ प्राइवेट लिमिटेड ने बंजारा हिल्स, रोड नंबर 3 पर नेचर क्लब लाइफ सेंटर का उद्घाटन समाजसेवी और एक्टिविस्ट गोपाल बल्दवा ने किया।

विवादों के त्वरित समाधान के लिए 12 को राष्ट्रीय लोक अदालत

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधि सेवा प्राधिकरण, दीवानी और समझौता योग्य आपराधिक मामलों के शीघ्र और सौहार्दपूर्ण निपटान के लिए, राज्य के सभी न्यायालयों में, उच्च न्यायालय से लेकर तालुका स्तर तक, 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करेगा। क अदालत लंबित मुकदमों और मुकदमे से पहले के मामलों, दोनों की सुनवाई करेगी, जिससे लोगों को सरल और निःशुल्क तरीके से विवादों को सुलझाने का अवसर मिलेगा। यदि मामला लोक अदालत के माध्यम से सुलझ जाता है, तो लंबित मामलों में भुगतान की गई अदालती फीस वापस कर दी जाएगी।

पानी से भरे गड्ढे में गिरने से मौत

मेडक, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह रामायमपेट शहर के बाहरी इलाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी बाइक रेलिंग से टकराई और वह सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में गिर गया।

सिद्दीपेट के रहने वाले शिवरात्रि महेश (32) अपनी ससुराल लक्ष्मपुर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। एक और घटना में, शनिवार सुबह रामायमपेट के पास एक लॉरी ने दूसरी खड़ी लॉरी को टक्कर मार दी, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ड्राइवर और उसके असिस्टेंट को गंभीर चोटें आईं। उन्हें इलाज के लिए रामायमपेट के सरकारी अस्पताल ले

दक्षिण मध्य रेलवे

संख्याः वाई/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2026-27, दि.03-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा छिटपुट स्थैतिक सेवा प्रदान & हैदराबाद डिवीजन के एसी वेटिंग हाल संविदाओं हेतु ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित हैं। ई-नीलामी अनुसूची का विवरण निम्न प्रकार है।

क्रम संख्या	श्रेणी	सूची संख्याः	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समय	नीलामी बंद समय
1	पीएनयु-एचवायबी-एमजेएफ-डब्ल्यूआरएल-30-26-1 (पे&यूज लाउंजेस/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स)	एचवायबी-एमजेएफ-डब्ल्यूआर-03	मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन पर प्रिपेड एसी वेटिंग हाल	10-09-26	11.30 बजे	12.00 बजे
1	एमएसएस-एचवायबी-एमएक्सटी-ओसीसी-129-26-1 (छिटपुट-स्थैतिक सेवाए-कम्युनिटी सेंटर/स्टेशन पर उपलब्ध स्पेस की आउटसोर्सिंग।)	एचवायबी-एमएसएस-045	मलकपेट रेलवे स्टेशन के रेलवे परिसरों पर स्कील डेवलपमेंट सेंटर या कौशल विकास केंद्र का संचालन & रखरखाव संबध्द स्थापना। (132.5094 स्के.मीटर्स)	16-09-26	12.00 बजे	12.30 बजे

A727 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, हैदराबाद**

PUB/629

सोमवार से विधानसभा और विधान परिषद का मानसून सत्र

सुखेंदर रेड्डी और गद्दम प्रसाद कुमार ने अधिकारियों के साथ की तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानसभा और विधान परिषद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र के सुचारु संचालन, आवश्यक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शनिवार को विधान परिषद के बैठक कक्ष में उच्चस्तरीय तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार, विधायी कार्य मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू, उपसभापति डॉ. बंडा प्रकाश, परिषद के मुख्य सचेतक पटनम महेंद्र रेड्डी, विधान परिषद के सचिव डॉ. वी. नरसिंहाचार्युलु और विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति ने हिस्सा लिया। राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव अहमद नदीम, पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद, गृह विभाग की प्रमुख सचिव शिखा गोयल, कानून-व्यवस्था के महानिदेशक महेश भागवत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) विजय कुमार, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, खुफिया विभाग के महानिरीक्षक कार्तिकेय तथा विधानसभा और परिषद के मुख्य मार्शल कर्णाकर और संजीव रेड्डी भी बैठक में उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार ने कहा कि पिछले सत्रों के सुचारु संचालन में सहयोग देने वाले सरकारी अधिकारियों, पुलिस विभाग, विधानसभा अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए इस बार भी इसी तरह सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी जल्द उपलब्ध कराई जाए तथा सदस्यों को दी जाने वाली सामग्री तेलुगु, अंग्रेजी और उर्दू भाषाओं में पहले से उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे उसका अध्ययन कर बैठक में भाग ले सकें। संबंधित विभागों की चर्चा के दौरान अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित कर मंत्रियों और सदस्यों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर और बाहर शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना जरूरी है।

युवाओं को वैश्विक कौशल से लैस करने के लिए काम कर रही है तेलंगाना सरकार : विवेक

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शक्ति और खान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तेलंगाना का उद्देश्य अपने युवाओं को विश्व स्तरीय कौशल, बेहतर रोजगार के अवसर और उन्नत तकनीकी ज्ञान से लैस करना है। शनिवार को सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, जर्मनी के साथ अपनी सफल साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, अब तेलंगाना के युवाओं को जापान में उपलब्ध व्यापक रोजगार, शैक्षिक और तकनीकी अवसरों का लाभ उठाने में मदद करने के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार टीओएमएसओएम के माध्यम से तेलंगाना के युवाओं को जर्मन भाषा का प्रशिक्षण देने और जर्मनी में उनके लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने बताया कि उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) के माध्यम से आधुनिक कौशल प्रदान किए जा रहे हैं और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की हाल ही में जापान यात्रा के दौरान, सरकारी प्रतिनिधियों, उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ हुई चर्चाओं से विदेशों में रोजगार के लिए आवश्यक कौशल, भाषा प्रवीणता, कार्य संस्कृति और उद्योग की अपेक्षाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के इस सुझाव के बाद जापान की यात्रा की गई कि तेलंगाना के युवाओं के पास न केवल जर्मनी में बल्कि जापान में भी महत्वपूर्ण अवसर हैं।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उच्च वेतन वाली नौकरियां हासिल करने के लिए आधुनिक कौशल आवश्यक हैं और कहा कि इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रम विकसित किए जा रहे हैं।

भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

पाक टीम 55 रन ही बना सकी; हरमनप्रीत ने सिक्स लगाकर जिताया

दुबई , 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम ने टी-20 एशिया

कप में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। उसने 56 रन का टारगेट 8.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में शनिवार को पाकिस्तान की टीम 55 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का सबसे छोटा स्कोर है।

जीडिमेट्ला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर(बडेर) में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में भजन व भक्ति गीत सोहनलाल गेहलोत , वेनाराम परमार एंड पार्टी, हैदराबाद के कलाकारों ने किया। इस अवसर पर उपस्थित संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा,उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार , कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, मुलाराम पंवार,जयराम परिहार, उदाराम काग, भुड़ाराम बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़, जीवाराम हाम्बड़,मोहनलाल मुलेवा, चन्द्रप्रकाश बर्फा , रतनाराम भायल,मोहनलाल काग, चंदनाराम चोयल,महेन्द्र देवड़ा, अर्जुनलाल बर्फा,राजुराम लचेटा,सेसाराम परिहारिया, राजेश मुलेवा एवं समाज बंधु ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

स्कूल के खाने ...

छात्रों को परोसे जाने वाले सांभर में इसे नहीं मिलाया गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अरुमुगम ने एक छात्रा को 10 रुपए देकर पास की दुकान से गोबर पाउडर खरीदने और सांभर में मिलाने को कहा था। छात्रा ने 5 रुपए का नाश्ता खरीदा और बाकी 5 रुपए से गोबर पाउडर लिया। इसके बाद उसने इसे टीचर के लिए अलग रखे सांभर में मिला दिया। पुलिसने बताया कि अरुमुगम की पत्नी अलम्मल पहले इसी स्कूल में रसोइया थी। खाना बनाने की गुणवत्ता को लेकर शिकायतों के बाद उसे हटा दिया गया था और उसकी जगह दूसरी रसोइया रखी गई थी। पुलिस के मुताबिक, इसी बात से अरुमुगम नाराज था। आरोप है कि उसने दूसरी रसोइया की नियुक्ति से नाराज होकर यह कदम उठाया। सत्यमंगलम पुलिस ने गुरुवार रात अरुमुगम को गिरफ्तार किया। उसे सत्यमंगलम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

ऑपरेशन अशदर में ...

साथ ही लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े होने की बात भी सामने आ रही है। वहीं, कश्मीर जोन के आईजीपी सुजीत कुमार भी मुठभेड़ स्थल के पास पहुंचे और अभियान का जायजा लिया।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, कुछ देर की गोलीबारी के बाद आतंकी घने जंगल और रात के अंधेरे का फायदा उठाकर घेरे के भीतर ही छिप गए। रात में दृश्यता कम होने के कारण सुरक्षाबलों ने जंगल से बाहर निकलने के संभावित रास्तों को सील कर घेराबंदी बनाए रखी। शुक्रवार सुबह रोशनी होते ही तलाशी अभियान को फिर से चलाया और एक आतंकी ढेर कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ में शामिल आतंकियों की संख्या चार से पांच हो सकती है। आशंका है कि आतंकियों का यह गुट पीर पंजाल की ऊंची पहाड़ियों के रास्ते दक्षिण कश्मीर की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा था। घने जंगलों, प्राकृतिक गुफाओं और खड़ी चट्टानों वाले इस इलाके में अन्य आतंकियों के छिपे होने की आशंका को देखते हुए सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है। आतंकियों की मौजूदगी को पूरी तरह खत्म करने के लिए स्निफर डॉग्स और आधुनिक उपकरणों की मदद से जंगल में अभियान जारी है।

नॉर्दर्न कमांड के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने अशदर गली इलाके में एक आतंकी को मार गिराने की त्वरित व सटीक कार्रवाई के लिए चिनार कोर की सराहना की। नॉर्दर्न कमांड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद मुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशियाड में आईओए अलग होटल की व्यवस्था नहीं करेगा

बीसीसीआई अपनी पसंद का होटल ले सकता है, लेकिन तब पूरी जिम्मेदारी बोर्ड की होगी

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। जापान में होने वाले एशियन गेम्स के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के लिए भारतीय ओलिंपिक संघ अलग से होटल की व्यवस्था नहीं करेगा। अगर बीसीसीआई आयोजकों की ओर से तय होटलों के बजाय अपनी पसंद का होटल चुनता है, तो खिलाड़ियों के ठहरने, खाने, स्थानीय परिवहन और मैच वेन्यू तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बोर्ड की होगी। आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि एशियन गेम्स में शामिल सभी 36 खेलों के खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

एशियन गेम्स के आयोजकों ने भारतीय मेंस टीम के लिए 3-स्टार एपीए होटल नागोया एकिमाए और विमेंस टीम के लिए 4-स्टार ग्रैंड होटल की व्यवस्था की है।

दोनों होटलों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेटरों के आमतौर पर रहने वाले 5-स्टार होटल की तुलना में ये एक लेवल नीचे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरे ट्विन-शेयरिंग के आधार पर दिए जाएंगे। यही व्यवस्था बीसीसीआई के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

बीसीसीआई सीईओ हेमांग अमीन और आईओए सीईओ रघुराम अय्यर के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। बीसीसीआई अगले हफ्ते की शुरुआत में एक एडवांस टीम जापान भेजेगा। यह टीम होटल, क्रिकेट वेन्यू और दूसरी स्थानीय सुविधाओं का जायजा लेगी। इसके बाद बोर्ड तय करेगा कि आयोजकों की ओर से दिए गए होटलों में रहना है या अपनी व्यवस्था करनी है।

अय्यर ने कहा कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों के हित में फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है। अगर बोर्ड अलग व्यवस्था

करता है तो आईओए को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी।

अगर बीसीसीआई अपनी व्यवस्था करता है तो क्रिकेटर एशियन गेम्स सिस्टम से बाहर नहीं होंगे। खिलाड़ियों पर गेम्स के सुरक्षा, एक्रेडिटेशन और एक्सेस प्रोटोकॉल लागू रहेंगे। बिना वैध एक्रेडिटेशन वाले बाहरी लोगों को खिलाड़ियों के होटल में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके अलावा वाडा और इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी के डोप-कंट्रोल अधिकारियों को खिलाड़ियों के ठिकाने की जानकारी देनी होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर रैंडम डोप टेस्ट किया जा सके। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला टीम दुबई में एशिया कप खेलने के बाद 13 सितंबर को भारत लौटेगी और 14 सितंबर को नागोया के लिए रवाना होगी। महिला टीम एशियन गेम्स में सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेगी। उसका पहला मुकाबला 18 सितंबर को होगा और टीम का टूर्नामेंट 22 सितंबर तक चलेगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय पुरुष टीम 21 सितंबर को जापान के लिए रवाना होगी। पुरुष टीम भी सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेगी और उसका पहला मैच 28 सितंबर को होगा। दोनों टीमों के अलग-अलग समय पर जापान पहुंचने के कारण बीसीसी्आई के लिए होटल और लोकल ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था अहम होगी।

एशियन गेम्स से पहले भारत और जापान की पुरुष टीमें 22 सितंबर को टी20आई मैच खेलेंगी। यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर सुजुकी कप के तहत खेला जाएगा।

यह मैच भारतीय टीम को जापान की परिस्थितियों में ढलने और एशियन गेम्स से पहले मैच प्रैक्टिस हासिल करने का मौका देगा। आईचि-नागोया में होटल व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। गेम्स में खिलाड़ियों और कोच की संख्या शुरुआती अनुमान 15 हजार से बढ़कर करीब 17 हजार पहुंचने की उम्मीद है। होटलों की कमी को देखते हुए आयोजक मोबाइल अकोमोडेशन और कोस्टा सेरेना क्रूज शिप का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

एसएआई कोच पर जूनियर निशानेबाजों से यौन उत्पीड़न के आरोप: *शूटिंग रेंज से हटाया गया*

जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में टीम के साथ था

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर राइफल निशानेबाजों ने एक एसएआई कोच पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। भारतीय शूटिंग टीम जून में जर्मनी के सुहल में आयोजित जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान कुछ शूटर यौन उत्पीड़न का शिकार हुईं। अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) ने आरोपी कोच को दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटा दिया है।

एनआरएआई सूत्रों के अनुसार, इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी ने खिलाड़ियों के लगाए गए आरोपों पर कोच का जवाब सुना। इसके बाद एनआरएआई ने अपनी रिपोर्ट एसएआई को भेजी। रिपोर्ट के आधार पर एसएआई ने कोच को तुगलकाबाद स्थित करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटा दिया। हालांकि, इस मामले में अब तक पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी गई है।

एसएआई के अनुसार, उसे डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में तैनात एक शूटिंग कोच के खिलाफ एक महिला शूटर की शिकायत की जानकारी एनआरएआई से मिली थी। मामला फिलहाल एनआरएआई की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी के सामने विचाराधीन है, इसलिए यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम (पोश एक्ट), 2013 की धारा 16 के तहत इसकी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की जा सकती।

प्रशासनिक कदम के तौर पर संबंधित कोच को डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटाकर दिल्ली के एसएआइ रीजनल सेंटर से अटैच कर दिया गया है। यह व्यवस्था एसएआइ की आईसीसी जांच पूरी होने तक लागू रहेगी।

आरोपों का सामना कर रहा कोच एसएआई का कर्मचारी है। फिलहाल मामले में इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी की प्रक्रिया जारी है। उपलब्ध जानकारी में आरोपों की पूरी प्रकृति या जांच के अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आए हैं। नेशनल शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज पर 17 साल राष्ट्रीय स्तर की महिला निशानेबाज ने फरीदाबाद के एक होटल में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। खिलाड़ी की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज की थी। आरोप था कि दिसंबर 2025 में डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में नेशनल लेवल की प्रतियोगिता के दौरान कोच ने प्रदर्शन के मूल्यांकन के बहाने उसे होटल बुलाया था। इसके बाद एनआरएआई ने भारद्वाज को सस्पेंड कर दिया था। अंकुश खुद इंटरनेशनल शूटर रहे और उनकी पत्नी अंजुम मोदगिल हैं। जो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 12 दिन पहले मुंबई में द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की

बोले- मेरी पत्नी भी उसकी वजह से दलीप ट्रॉफी देख रही, सही मार्गदर्शन से सुपरस्टार बनेगा

चेन्नई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि बेखौफ अंदाज में क्रिकेट खेलने वाला यह युवा बल्लेबाज सही मार्गदर्शन मिलने पर वर्ल्ड क्रिकेट का सुपरस्टार बन सकता है। श्रीकांत ने यह भी बताया कि वैभव की बल्लेबाजी का असर ऐसा है कि उनकी पत्नी भी दलीप ट्रॉफी देखने लगी हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अगर वैभव को सही तरीके से तैयार किया गया, तो वे विश्व क्रिकेट में बड़ा नाम बन सकते हैं।

श्रीकांत ने कहा, 'वे शानदार खेल रहा है। उसे प्रोत्साहित करना चाहिए और कभी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। अगर उसे सही तरीके से तैयार किया गया, तो वह सुपरस्टार बनने की राह पर है। वे टेस्ट क्रिकेट को फिर उसके गौरव तक पहुंचाएगा।'

श्रीकांत ने आगे कहा, सूर्यवंशी की वजह से लोग दलीप ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट को भी देखने लगे। यहां तक कि मेरी पत्नी भी उसकी वजह से दलीप ट्रॉफी देख रही थीं।

वैभव ने सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रनों की आक्रामक पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 40 रन बनाए। ईस्ट जोन ने यह मुकाबला चार विकेट से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इस मैच के दौरान वैभव ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वे दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए।

श्रीकांत ने वैभव की बल्लेबाजी के तरीके की खास तौर पर तारीफ की। उनका कहना है कि रेड-बॉल क्रिकेट में भी जिस तरह यह युवा बल्लेबाज गेंदबाजों पर दबाव बना रहा है, वह उनकी असाधारण क्षमता दिखाता है। श्रीकांत ने कहा, 'लोग इस बात पर संदेह कैसे कर सकते हैं कि यह लड़का हाई लेवल क्रिकेट खेल सकता है या नहीं? वह हर स्तर का क्रिकेट खेल सकता है और जल्द ही सभी फॉर्मेट में विश्व क्रिकेट पर राज करने वाला है।'

उन्होंने आगे कहा, 'रेड-बॉल क्रिकेट में भी वह मीडियम पेसरों को सीधे छक्के मार रहा है। वह गेंदबाजों के साथ खिलवाड़ कर रहा है।'

वैभव ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा और देश के सबसे कम उम्र के डेब्यूटेंट बने।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में वैभव की शुरुआत अपेक्षा के मुताबिक नहीं रही। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने तीन मैचों में 151 रन बनाकर शानदार वापसी की। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

दलीप ट्रॉफी का फाइनल नहीं खेलेंगे केएल राहुल

तिलक वर्मा ने किया ऐलान

बेंगलुरु, 5 सितंबर (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में ईस्ट जोन और साउथ जोन की भिड़ंत होने जा रही है. दोनों ही टीमों का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है और अब दोनों ही खिताबी जंग में आमने-सामने होंगी. दलीप ट्रॉफी का यह मैच चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा. श्रीलंका के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद बीसीसीआई ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों को दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने का सुझाव दिया था. इसी वजह से केएल राहुल के साउथ जोन से खेलने की रिपोर्ट सामने आ रही थी. हालांकि, कप्तान तिलक वर्मा ने फैंस को बुरी खबर दी. 6 सितंबर से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी के फाइनल में केएल राहुल खेलते हुए नजर नहीं आएंगे. पहले बताया जा रहा था कि मोहम्मद सिराज, केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल साउथ जोन के लिए दलीप ट्रॉफी के फाइनल में खेलेंगे. हालांकि, फाइनल से ठीक पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में तिलक वर्मा ने साफ कर दिया कि केएल राहुल उपलब्ध नहीं है.

जूनियर मेंस हॉकी एशियाड में भारत की 14-0 से जीत

इंडोनेशिया को हराया, प्रभदीप ने 5 और अनमोल ने 4 गोल किए

मोकी (चीन), 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की जूनियर मेंस हॉकी टीम ने चीन के मोकी में जूनियर एशिया कप 2026 की शुरुआत 14-0 की बड़ी जीत से की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को हराया।

प्रभदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने 4, अजीत यादव ने 3, जबकि हरपाल और आशु मौर्य ने 1-1 गोल किया।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और इंडोनेशिया पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रभदीप ने 5वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद हरपाल ने 8वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया।

इंडोनेशिया भारतीय टीम के तेज हमलों और लगातार मूवमेंट का सामना नहीं कर सका। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में कप्तान अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। इसके बाद तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले प्रभदीप ने एक और गोल किया। इससे स्कोर 9-0 हो गया।

आखिरी क्वार्टर सबसे ज्यादा गोल वाला रहा। अनमोल ने 51वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। इसके एक मिनट बाद प्रभदीप ने मैच का पांचवां गोल दागा।

अजीत यादव ने 53वें मिनट में 2 गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की बढ़त 13-0 कर दी। मौर्य ने 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 14-0 कर दिया।

भारत ने मैच में 9 फील्ड गोल, 4 पेनल्टी कॉर्नर और 1 पेनल्टी स्ट्रोक से गोल किए। अनमोल ने 3 पेनल्टी कॉर्नर और 1 पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। मौर्य ने चौथे सेट-पीस से गोल किया।

लंदन स्क्वैश क्लासिक: क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुईं अनाहत सिंह, मलयेशिया की शिवसांगरी ने हराया

लंदन, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की अनाहत सिंह का लंदन स्क्वैश क्लासिक में सफर क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। मलयेशिया की तीसरी सीड शिवसांगरी सुब्रमण्यम ने अनाहत को हराया। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत मुकाबले की शुरुआत से ही खुद को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। शिवसांगरी ने रैलियों को नियंत्रित किया और लगातार अनाहत को कोर्ट के पीछे धकेलते हुए सिर्फ 17 मिनट में 11-4, 11-4 से जीत हासिल की।

इस नतीजे के साथ यूएसडी 144,000 पीएसए गोल्ड इवेंट में अनाहत का सफर खत्म हो गया। भारतीय खिलाड़ी ने आठवीं सीड वाली बेल्जियम की नेले गिलिस को तीन गेम के कड़े मुकाबले में हराकर आखिरी आठ में जगह बनाई थी। लंदन स्क्वैश क्लासिक की पूर्व चैंपियन शिवसांगरी अब सेमीफाइनल में दूसरी सीड वाली मिस्र की अमीना ओरफी से भिड़ेंगी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन ओरफी, मलयेशियाई खिलाड़ी का इंतजार कर रही हैं। शिवसांगरी ने भारतीय युवा खिलाड़ी पर अपनी आसान जीत का क्रेडिट अपने टैक्टिकल अप्रोच और इंटेंसिटी बनाए रखने की क्षमता को दिया। मलयेशियाई खिलाड़ी ने स्क्वैशटीवी से कहा, 'मैं अपने खेल से खुश हूं। अनाहत बहुत प्रतिभावान खिलाड़ी है। उसने कुछ टॉप खिलाड़ियों को हराया है और उनमें से ज्यादातर को चुनौती दी है।'

अनाहत के लिए, यह हार एशियन गेम्स में उनके लिए आने वाली चुनौती का शुरुआती संकेत भी देती है। शिवसांगरी अभी एशिया की सबसे ऊंची रैंक वाली खिलाड़ी हैं और उम्मीद है कि जब जापान में कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन शुरू होगा तो वह भारत की मुख्य मुश्किलों में से एक होंगी। एशियन गेम्स में दांव खास तौर पर अहम होंगे, क्योंकि एकल गोल्ड मेडलिस्ट 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करेंगी, जहां स्क्वैश का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। एशियन गेम्स पर अपना पूरा ध्यान लगाने से पहले अनाहत को एक और टूर्नामेंट खेलना है।

मोहम्मद शमी के 100वें फर्स्ट क्लास मैच का जश्न

सीएबी ने थमाई स्पेशल जर्सी सौरव गांगुली ने दिया यादगार तोहफा

चेन्नई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मोहम्मद शमी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में आखिरी बार भारत के लिए खेले थे. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने दलील दी कि शमी सिर्फ टी20 क्रिकेट खेलने के लिए फिट हैं. हालांकि घरेलू क्रिकेट में उनकी लगातार मौजूदगी और शानदार प्रदर्शन ने राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी की बहस को जरूर जिंदा रखा है.

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के लिए 6 सितंबर (रविवार) का दिन बेहद खास होने वाला है. शमी दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ ईस्ट जोन के लिए मैदान पर उतरेंगे. यह शमी के करियर का 100वां फर्स्ट क्लास मुकाबला होगा. इस खास उपलब्धि से एक दिन पहले 5 सितंबर को चेन्नई में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने अनुभवी तेज गेंदबाज का विशेष सम्मान किया. सीएबी के कोषाध्यक्ष संजय दास ने मोहम्मद शमी को सम्मानित किया. इस दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन समेत टीम के कई खिलाड़ी मौजूद रहे. शमी को सीएबी की ओर से चांदी की थाली, उनके नाम और 100 नंबर वाली विशेष जर्सी और सीएबी अध्यक्ष सौरव गांगुली द्वारा साइन की हुई क्रिकेट गेंद भेंट की गई. मोहम्मद शमी 100 फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले भारत के सिर्फ छठे गेंदबाज बन जाएंगे. अनिल कुंबले (234), कपिल देव (184), जवागल श्रीनाथ (161), हरभजन सिंह (147) और जहीर खान (134) ये उपलब्धि हासिल कर चुके है.

एशियन गेम्स : एथलीटों को साबित करनी होगी फिटनेस

एशियाड दल के खिलाड़ी 10 को दिल्ली में दिखाएंगे अपना प्रदर्शन

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के लिए चयनित 77 एथलीटों को जापान जाने से पहले प्रदर्शन व फिटनेस साबित करनी होगा। भारतीय एथलेटिक्स संघ (एएफआई) 10 सितंबर को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में फाइनल सीरीज आयोजित कर रहा है। इसमें एशियाड दल के सभी एथलीटों को उतरना होगा। सूत्र बताते हैं कि इसमें बेहद खराब प्रदर्शन और खराब फिटनेस वाले एथलीटों को जापान नहीं भेजा जाएगा।

सबसे ज्यादा निगाहें पिछले एशियाड के स्वर्ण विजेता अविनाश साबले (3,000 मीटर स्टीपलचेज और रजत विजेता ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़) पर रहेंगी। ये चयनित तो हुए हैं, लेकिन प्रदर्शन की जांच बाकी है। अविनाश-ज्योति चोट के पुनर्वास से गुजर रहे हैं। इस सीरीज में इनका प्रदर्शन एएफआई को बताएगा कि ये दोनों कहां खड़े हैं।

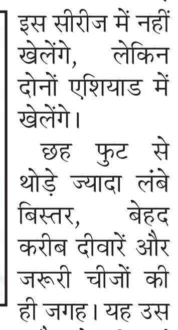

पिछले एशियाड में स्वर्ण जीतीं जैवलिन थ्रोअर अनु रानी ने भी क्वालिफाइंग मार्क को नहीं छुआ है। उनका चीन की 18 वर्षीय यान जीयी से मुकाबला है जो जियामिन डायमंड लीग में 71.74 मीटर भाला फेंक चुकी हैं। सूत्र बताते हैं कि अविनाश साबले और अनु को सीरीज में एशियाड का क्वालिफाइंग मार्क छूने की ताकीद की गई है। राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता हाईजंपर सर्वेश कुषारे और ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवेल भी चोट से जूझ रहे हैं। माना जा रहा है कि ये दोनों को इस सीरीज में नहीं खेलेंगे, लेकिन दोनों एशियाड में खेलेंगे।

छह फुट से थोड़े ज्यादा लंबे बिस्तर, बेहद करीब दीवारें और जरूरी चीजों की ही जगह। यह उस कमरे की झलक है, जो एशियाई खेलों में जापान जा रहे भारतीय एथलीटों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने पटियाला के नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स और बंगलूरू साई सेंटर में तैयार कराए हैं।

साई के उपमहानिदेशक विनीत कुमार के मुताबिक, कंटेनरों में बने कमरे ठीक जापान जैसे हैं। खिलाड़ियों को एशियाड में खेल गांव नहीं होने की असुविधा से बचाने को साई उन्हें वहां के अनुकूल बना रहा है। 13 मीटर लंबे और तीन मीटर चौड़े कंटेनर में दोनों सिरों पर 2-2 लोगों के लिए बेडरूम हैं। दो एसी, वॉशिंग मशीन वाला छोटा लॉन्ड्री एरिया और रेफ्रिजरेटर व छोटी किचन है। 28 अगस्त से इनमें खिलाड़ियों को बारी-बारी से एक रात के लिए ठहराना शुरू किया गया है। साथ ही खास शेफ भी जापानी खाना खिलाड़ियों को दे रहे हैं।

नई दिल्ली। भारतीय दल पहली बार एशियाई खेलों में सुरक्षा अधिकारी साथ लेकर जाएगी। नीतल नारंग को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो खिलाड़ियों के शोषण, दुर्व्यवहार आदि मामलों की संपर्क सूत्र होंगी। भारतीय सॉफ्टबॉल संघ की अध्यक्ष नीतल ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी का खेलों में सुरक्षा अधिकारी सर्टिफिकेट कोर्स कर रखा है।

अल्काराज और मेदवेदेव यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे

न्यूयॉर्क, 5 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में यूएस ओपन 2026 के तीसरे राउंड में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर मेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में पहुंच गए। 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर लौटे अल्काराज ने 2 घंटे 20 मिनट में मैच जीता। वहीं, डेनियल मेदवेदेव ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। विमेंस सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने मैच के दौरान स्टैंड्स से आ रही गांजे की बदबू की शिकायत की, जबकि एम्मा नवारो ने विंबलडन फाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

कलाई की चोट के कारण अप्रैल से सिंगल्स कोर्ट से दूर रहे अल्काराज टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे राउंड में पुर्तगाल के जेमी फारिया के खिलाफ एक सेट गंवाना पड़ा था।

वहीं तीसरे राउंड में वू यिबिंग के खिलाफ अल्काराज ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं जितना सोच रहा था, उससे बेहतर स्थिति में हूं। पहले मैच के बाद मुझे लगा था कि शारीरिक रूप से परेशानी होगी, लेकिन मेरी रिकवरी बहुत अच्छी हो रही है।'

सेरेना-वीनस विलियम्स की जोड़ी पहले दौर में हारी

न्यूयॉर्क, 5 सितंबर (एजेंसियां)। यूएस ओपन में सेरेना और वीनस विलियम्स की जोड़ी की वापसी का सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए करीब तीन घंटे दो मिनट लंबे मुकाबले में 14वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट और हाओ-चिंग चान ने विलियम्स बहनों को 6-3, 6-7(6), 10-7 से हराया। इस हार के साथ 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में साथ उतरी सेरेना और वीनस की जोड़ी का अभियान खत्म हो गया। दोनों बहनों ने मुकाबले में कई बार वापसी की और निर्णायक क्षणों में दर्शकों का जबरदस्त समर्थन भी हासिल किया, लेकिन अंत में जीत से दूर रह गईं। माया जॉइंट और हाओ-चिंग चान ने मुकाबले की शुरुआत बेहतर तरीके से की। दोनों ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर सेरेना और वीनस पर दबाव बना दिया। हालांकि विलियम्स बहनों ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की और दूसरे सेट में मुकाबला बराबरी पर ला दिया। सेट टाईब्रेक तक पहुंचा, जहां आर्थर ऐश स्टेडियम में मौजूद घरेलू दर्शकों का समर्थन पूरी तरह अमेरिकी जोड़ी के साथ था। सेरेना और वीनस ने दबाव के बीच शानदार खेल दिखाया और टाईब्रेक 8-6 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

3 साल पहले जिसने छोड़ा पाकिस्तान उसी हसन खान ने मारे 6 छक्के

सीपीएल में पहली बार किया ऐसा, टीम के लिए बनाया रिकॉर्ड

ब्रिजटाउन, 5 सितंबर (एजेंसियां)। सीपीएल 2026 में पाकिस्तान छोड़ने वाले एक खिलाड़ी के बल्ले से धमाकेदार पारी देखने को मिली. उसने 7वें नंबर पर उतरकर टीम के लिए अपने सीपीएल करियर की ना सिर्फ बेस्ट पारी खेली. बल्कि एक शानदार रिकॉर्ड भी बनाया. सीपीएल 2026 के 26वें मुकाबले में जमैका किंग्समेन की टीम जब संकट में आई, तो उसने उसके लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई. उसने चौके से तीन गुना ज्यादा छक्के मारे और अपनी टीम को फाइटिंग टोटल तक पहुंचाया. उसने वो किया जो सीपीएल में पहले कभी नहीं किया था. हम बात कर रहे हैं हसन खान की, जिन्होंने 2023 में पाकिस्तान छोड़ दिया था.

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ जमैका किंग्समेन की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए संकट में आ गई थी. उसके 6 विकेट सिर्फ 86 रन पर गिर चुके थे. ऐसे में नंबर 7 पर बल्लेबाजी करने उतरे हसन खान ने ऐसा धमाका किया कि सारी तस्वीर ही पलट गई. जो टीम 100 रन के अंदर सिमटती दिख रही थी, उसने 20 ओवर में 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया. जमैका किंग्समेन ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए. जमैका किंग्समेन को 159 रन तक पहुंचाने में हसन खान का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने सीपीएल में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली. सीपीएल का अपना तीसरा सीजन खेल रहे हसन खान ने सिर्फ 29 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे. इस इनिंग के दौरान उन्होंने अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों में पूरा किया.

तेलंगाना में जल्द ही नई शिक्षा नीति लागू होगी: रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस समारोह में भाग लिया

कोडंगल, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को घोषणा की कि तेलंगाना सरकार जल्द ही एक नई शिक्षा नीति पेश करेगी, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कोडांगल के एक सरकारी जूनियर कॉलेज में शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षक समुदाय से राज्य सरकार के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि छात्रों के भविष्य को संवारने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है और उन्होंने उनके समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे अगले दो वर्षों के भीतर तेलंगाना को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के मामले में देश के लिए एक आदर्श बनाने के संकल्प के साथ काम करें।

उन्होंने कहा, आइए हम तेलंगाना को देश की शिक्षा प्रणाली के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में विकसित करें। हम जो अच्छा काम कर रहे हैं, उस पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा होनी चाहिए। शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से विरोध प्रदर्शन से दूर रहने की अपील की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके लंबित मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, शिक्षकों को सड़कों पर उतरने की कोई जरूरत नहीं है। मैं उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने के इरादे से आगे बढ़ रहा हूं। रेवंत रेड्डी ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि वे उनकी शिकायतों के समाधान की जिम्मेदारी लेंगे और उनसे विपक्षी दलों के जाल में न फंसने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मुझे दो साल का समय दीजिए। मैं वित्तीय व्यवहार्यता के आधार पर आपकी समस्याओं का समाधान करूंगा। शिक्षकों का सड़कों पर उतरना राज्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। यदि दो साल में आपकी समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो शिक्षकों को चुनाव परीक्षा में अंक देने की स्वतंत्रता होगी। मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने राज्य पर 85 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लाद दिया था और उसकी वित्तीय स्थिति को कमजोर कर दिया था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाकर 60 वर्ष कर दी थी, लेकिन सेवानिवृत्ति लाभों का पर्याप्त प्रावधान नहीं किया था, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारी संकट में पड़ गए थे।

उन्होंने कहा, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को तमाम कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, वहीं बीआरएस नेता अपने फार्महाउसों में आराम से सो रहे थे। जनता की सरकार ने महज दो वर्षों में सेवानिवृत्ति लाभों के रूप में 6,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। रेवंत रेड्डी ने शिक्षकों से सरकार के प्रति अपनी धारणा न बदलने का आग्रह किया और दावा किया कि सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) लागू किया था और अब उसे एक और पीआरसी की मांग का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, हम शिक्षा आयोग की स्थापना करके शिक्षकों की शिकायतों का समाधान कर रहे हैं और एक नई शिक्षा नीति तैयार करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर अपने एक दशक के शासनकाल के दौरान शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया और कहा कि इसे फिर से संवारने की जिम्मेदारी काफी हद तक शिक्षकों पर है। उन्होंने कहा, आइए हम इस जर्जर शिक्षा प्रणाली को प्रगति की ओर ले जाएं। यह जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर है। हम नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक के छात्रों को शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं और फिर उन्हें कौशल से लैस करना चाहते हैं। रेवंत रेड्डी ने शिक्षा क्षेत्र में तेलंगाना की स्थिति में सुधार लाने का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य 28वें स्थान से 17वें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो वर्षों में सरकारी स्कूलों में छात्रों के नामांकन में 88,000 की वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक सरकारी शिक्षा को निजी संस्थानों के समकक्ष मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल पॉलिटेक्निक कॉलेजों के बारे में झूठा प्रचार कर रहे हैं और सरकार को "ब्लैकमेल" करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम मुद्दों को हल करने के लिए तैयार हैं क्योंकि सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हैं। आइए हम सब सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करें। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 95 प्रतिशत प्रवेश दर्ज किए गए हैं, जिसे उन्होंने तकनीकी शिक्षा में तेलंगाना की तीव्र प्रगति का संकेत बताया।

घर में घुसकर चोरी करने के मामले में पेंटर गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हबीब नगर पुलिस ने शनिवार को घर में घुसकर चोरी करने के मामले में एक पेंटर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 90,000 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोहम्मद सरफराज (20) ने पहले मैक एक्वा वॉटर प्लांट में लगभग तीन साल तक काम किया था और वह ऑफिस और वहां रखे कैश के बारे में जानता था।

28 अगस्त को, प्लांट के मालिक मोहम्मद रईस खान ने अपने ऑफिस में एक टेबल के दराज में 95,000 रुपये रखे, जगह को लॉक किया और चले गए। चूंकि वह एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे, इसलिए उन्होंने अगले दो दिनों तक ऑफिस नहीं खोला। 31 अगस्त की सुबह, उन्हें ऑफिस का दरवाज़ा, टेबल का दराज और लकड़ी की अलमारी के ताले टूटे हुए मिले और कैश गायब था। हबीब नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और स्थानीय स्तर पर पूछताछ की। सरफराज की भूमिका की पुष्टि होने पर, पुलिस ने शुक्रवार को नामपल्ली में उसे ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि उसने अपना अपराध कबूल कर लिया और बताया कि उसने ताले तोड़ने के लिए एंगल ग्राइंडर का

11 साल की लड़की ने आत्महत्या की

मेडचल, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, शनिवार को मेडचल के उपनगर सैडोनी गड्डा थंडा में अपने घर पर 11 साल की एक लड़की ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लड़की की माँ का आरोप है कि उसी इलाके के 17 साल के एक लड़के ने उसकी बेटी के साथ मारपीट की थी, और उन्हें शक है कि इस घटना से बच्ची परेशान हो गई होगी।

परिवार ने लड़के द्वारा उत्पीड़न का भी संदेह जताया है। मेडचल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि लड़के ने लड़की के साथ मारपीट क्यों की और क्या इसका उसकी मौत से कोई संबंध है। घटना के पीछे के सही हालात और मकसद का अभी पता नहीं चल पाया है।

सीएस ने तेलंगाना में लक्षित और रणनीतिक पर्यटन विकास का आह्वान किया

राज्य में पर्यटन अवसंरचना के विकास की समीक्षा हुई

हैदराबाद, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने राज्य पर्यटन नीति के उद्देश्यों के अनुरूप तेलंगाना में पर्यटन विकास के लिए एक केंद्रित और रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन की उच्च क्षमता वाले चुनिंदा स्थलों की पहचान की जानी चाहिए और पर्यटकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण होटल अवसंरचना और अन्य सुविधाओं के साथ उनका विकास किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने शनिवार को सचिवालय में राज्य में पर्यटन अवसंरचना के विकास की समीक्षा करते हुए ये टिप्पणियां कीं। संजय जाजू ने सुझाव दिया कि तेलंगाना पर्यटन विकास निगम (टीजीटीडीसी) की उपयुक्त संपत्तियों का उन्नयन और आधुनिकीकरण करके पर्यटकों के लिए बेहतर आवास और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उन्होंने मौजूदा नियमों और विनियमों के तहत जहां भी अनुमति हो, वहां होटल और अन्य पर्यटन संबंधी अवसंरचना विकसित करने के लिए सरकारी भूमि और उपयुक्त अर्ध-वन भूमि की पहचान करने का भी प्रस्ताव रखा।

मुख्य सचिव ने आवास, कनेक्टिविटी, सुविधाओं और समग्र पर्यटक अनुभव में सुधार करके प्रमुख पर्यटन स्थलों के आसपास एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने तेलंगाना को पर्यटकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने के लिए एक आक्रामक और व्यापक पर्यटन संवर्धन रणनीति की भी मांग की। संजय जाजू ने सुझाव दिया कि ऐसे उपयुक्त व्यक्तियों की पहचान की जाए जो तेलंगाना की पर्यटन क्षमता को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित कर सकें और राज्य के पर्यटन ब्रांड को व्यापक दर्शकों तक पहुंचा सकें। उन्होंने पर्यटन संवर्धन अभियानों और ब्रांडिंग पहलों में लगातार उपयोग के लिए एक विशिष्ट और आकर्षक टैगलाइन विकसित करने का भी आह्वान किया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को तेलंगाना के विविध पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें विरासत, संस्कृति, प्रकृति, पर्यावरण पर्यटन, साहसिक पर्यटन और अन्य उभरते क्षेत्र शामिल हैं।

हरीश ने बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

किसानों को 10 घंटे से भी कम मिल रही है बिजली

हैदराबाद, 5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उप-प्रवेश नेता टी. हरीश राव ने शनिवार को दुब्बक मंडल के गंभीरपुर बिजली उप-स्टेशन का अचानक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण किसानों द्वारा विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी और हरीश राव से शिकायत करने के बाद किया गया, जिसमें कहा गया था कि अपर्याप्त बिजली आपूर्ति के कारण उनके धान के खेत सूख रहे हैं।

सबस्टेशन लॉगबुक का निरीक्षण करने के बाद, हरीश राव ने बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर बिजली आपूर्ति के बारे में खोखले दावे करने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने कहा कि सब-स्टेशन की लॉगबुक ने ही कांग्रेस सरकार की विफलता को उजागर कर दिया है। लॉगबुक के अनुसार, 3 सितंबर को सुबह 8 बजे बिजली आई और शाम 6 बजे बंद कर दी गई। 4 सितंबर को सुबह 7:45 बजे बिजली आई और शाम 6 बजे बंद कर दी गई। इसका मतलब है कि किसानों को 10 घंटे भी बिजली नहीं मिल रही है। ये मेरे आरोप नहीं हैं, ये सब-स्टेशन की लॉगबुक में दर्ज है।, हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी ने चुनाव से पहले 24 घंटे मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। आज उनकी सरकार किसानों को उतनी सुविधा भी नहीं दे पा रही है जितनी केसीआर ने दी थी। उन्होंने कांग्रेस के उन नेताओं को चुनौती दी जिन्होंने बीआरएस सरकार के दौरान उप-स्टेशनों का निरीक्षण किया था और बिजली आपूर्ति पर सवाल उठाए थे, कि वे अब अपनी सरकार के तहत स्थिति स्पष्ट करें। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि वह दिन में 18 घंटे काम करते हैं।

इंस्टाग्राम पर सुसाइड पोस्ट देखकर पुलिस ने युवक की जान बचाई

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की तत्परता से एक युवक की आत्महत्या की कोशिश नाकाम हो गई। युवक ने इंस्टाग्राम पर एक मैसेज पोस्ट किया था जिसमें उसने अपनी जान देने की बात कही थी। महेश्वरम मंडल के कोल्लापाडाकल गांव का रहने वाला यह 30 वर्षीय युवक गुरुवार को बोनालु त्योहार के लिए मुचेरला में अपने मामा के घर गया था। शुक्रवार शाम को उसने इंस्टाग्राम पर आत्महत्या का मैसेज पोस्ट किया। पोस्ट पर नज़र पड़ते ही साइबर क्राइम पुलिस ने तुरंत ग्रीनफार्मा सिटी पुलिस को सूचित किया।

तेज़ी से कार्रवाई करते हुए एसआई सैदुलु की देखरेख में प्रशांत, शीनिवास और चंद्रशेखर की पेट्रोलिंग टीम ने युवक को उसके मामा के घर पर ढूंढा और उसे सुरक्षात्मक हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान, उसने पुलिस को बताया कि वह प्रेम संबंध में मिली असफलता से परेशान था और उसने यह कठोर कदम उठाने का फैसला किया था। पुलिस ने उसे समझाया और उसके परिवार वालों को सौंप दिया।

ट्रक की टक्कर के बाद केटीआर बाल-बाल बचे

करीमनगर, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को स्टूडेंट्स और यूथ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए करीमनगर जाते समय बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, लेकिन वे बाल-बाल बच गए।

जब रामा राव की कार करीमनगर की ओर जा रही थी, तो अलुगुनुरु में एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। घटना के समय वे कार में ही थे और उन्हें कोई चोट नहीं आई।

इस घटना में कार का दाहिना पिछला दरवाज़ा थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया। कोई बड़ा नुकसान न होने के कारण बीआरएस नेताओं ने राहत की सांस ली और पार्टी ने तय कार्यक्रम के अनुसार अपना कार्यक्रम जारी रखा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.